THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 228 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.9 2080 सोमवार, 6 नवंबर-2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जस्टिन ट्रूडो ने फिर उगला भारत के खिलाफ जहर

हिंदुओं के स्वास्तिक चिह्न को बताया नफरत फैलाने वाला

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत विरोधी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। उन्होंने ताजा विवाद में हिंदुओं के स्वास्तिक चिह्न को नफरत फैलाने वाला करार दिया है। सोशल मीडिया एक्स पर ट्रूडो ने लिखा कि वह नफरत फैलाने वाले चिह्नों को संसद के पास प्रदर्शित करने की इजाजत नहीं दे सकते।

उन्होंने आज सुबह ट्वीट किया, जब हम घृणित भाषा और कल्पना देखते या सुनते हैं, तो हमें इसकी निंदा करनी चाहिए। पार्लियामेंट हिल पर किसी व्यक्ति द्वारा स्वास्तिक का प्रदर्शन अस्वीकार्य है। कनाडाई लोगों को शांतिपूर्वक एकत्र होने का अधिकार है, लेकिन हम यहूदी विरोधी भावना, इस्लामोफोबिया या किसी भी प्रकार की नफरत को बर्दाश्त नहीं कर सकते। सोशल मीडिया पर लोग ट्रूडो के इस ट्वीट के लिए आलोचना कर रहे हैं और बता रहे हैं कि स्वास्तिक चिह्न पवित्रता का प्रतीक है, जबकि नाजियों का चिह्न हेकेनक्रूज नफरत का प्रतीक है। कुछ दिनों पहले ही जस्टिन ट्रूडो ने संसद में बुलाकर एक नाजी युद्ध अपराधी को सम्मानित किया था। इसके बाद चहुंओर आलोचना हुई थी, जिसमें कनाडा का स्पीकर को इस्तीफा देना पड़ा था। जस्टिन ट्रूडो सिख आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कराने का बेबुनियाद आरोप भारत पर भरी कनाडाई संसद में लगा चुके हैं। इसके बाद से दोनों देशों के रिश्ते तल्ख हैं। ट्रूडो भारत के खिलाफ काम करने वाले खालिस्तान समर्थक आतंकियों की तरफ झुकाव रखते हैं। कनाडाई पीएम लंबे समय से हिंदू प्रतीक स्वास्तिक पर बैन लगाने की फिराक में है। हालांकि, अभी तक वह इस पर फैसला नहीं ले पाए हैं। कनाडा की संसद में इस बाबत एक विधेयक भी लाया जा चुका है।

कांग्रेस के घोषणा पत्र में सिर्फ एक परिवार : मोदी

सिवनी में कहा– दो बड़े नेता बेटों को सेट, एमपी को अपसेट करने में लगे

सिवनी, 5 नवंबर (एजेंसियां)। पीएम बोले, कांग्रेस सीएम की कुर्सी के लिए नहीं लड़ रही। नेता इसलिए लड़ रहे हैं कि आगे किसका बेटा कांग्रेस का मुखिया बनेगा। यहां के दो बड़े नेता अपने बेटों को सेट और मध्यप्रदेश को अपसेट करने में लगे हैं। जिनको अपने बेटे-बेटी की चिंता है, वे आपके बेटे-बेटी के लिए सोचेंगे क्या?

प्रधानमंत्री ने कहा, मध्यप्रदेश को सुशासन और विकास की निरंतरता चाहिए। इसीलिए मध्यप्रदेश कह रहा है कि भाजपा है तो भरोसा, विकास और बेहतर भविष्य है। एमपी के मन में मोदी, मोदी के मन में एमपी है।

नाना-नानी ने क्या किया, ये इस पर वोट मांगते हैं :

कांग्रेस का न तो अपना भविष्य है, न ही युवाओं के लिए रोडमैप। कांग्रेस नेता आज भी दादा-दादी, नाना-नानी ने क्या किया? इस पर वोट मांगते हैं। कांग्रेस के लिए अपने एक परिवार से बड़ा कोई और नहीं। जहां कांग्रेस सरकार में रहती है, वहां योजनाएं, रास्ते, गलियां... सबकुछ उसी परिवार के नाम कर देती है। घोषणा-पत्र में भी सिर्फ यही एक परिवार दिखता है।

कांग्रेस का काम हाफ से भी हाफ, जेब साफ कर देती है :

कांग्रेस का नारा रहा है- गरीब की जेब साफ, काम हाफ से भी हाफ, यानी कांग्रेस विकास का काम नहीं करती, लेकिन नागरिकों की जेब जरूर साफ कर देती है। 5 साल पहले भी इनके नेता कहते थे कि 10 दिन में किसान का कर्ज माफ करेंगे। 10 दिन तो छोड़िए, डेढ़ साल का समय इनको मिला, लेकिन ये किसान का कर्ज नहीं माफ कर पाए।

हमारी गारंटी 5 साल के लिए मुफ्त राशन :

एमपी के मन में मोदी क्यों है? इसका उदाहरण, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना है। मैं गरीबी से निकला हूं, गरीबी क्या होती है? ये मुझे किताबों में नहीं पढ़ना पड़ता है। इसलिए आपके बेटे ने, आपके भाई ने एक बहुत बड़ा निर्णय मन में पक्का कर लिया है कि दिसंबर में जब प्रधानमंत्री अन्न योजना पूरी होगी, तब आने वाले 5 वर्षों के लिए मुफ्त राशन की गारंटी देंगे हम।

आजकल एक कांग्रेस नेता आदिवासियों के बीच जाकर झूठ फैलाने की फैक्ट्री खोल रहे हैं। कांग्रेस वालों के मुंह में आदिवासी शब्द शोभा नहीं देता। कांग्रेस ने 5 दशक दिल्ली में राज किया। कभी आदिवासी कल्याण का ध्यान नहीं आया।

अटल बिहारी वाजपेयी की भाजपा सरकार में आदिवासियों के विकास के लिए पहली बार मंत्रालय बनाया गया।

2014 से पहले कांग्रेस का एक-एक घोटाला लाखों-करोड़ों का हुआ करता था। अब भाजपा सरकार में घोटाले नहीं होते। गरीब के हक का पैसा जो हमने बचाया है, वो अब गरीब के राशन पर खर्च हो रहा है।

हैरान हूं कि बीजेपी मेरे खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने वाली है : महुआ मोइत्रा

कोलकाता, 5 नवंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा (जो हाल ही में कैश फॉर क्वेरी विवाद के सिलसिले में लोकसभा एथिक्स कमेटी के सामने पेश हुईं) ने रविवार को दावा किया कि वह यह जानकर हिल गई हैं कि भाजपा उनके खिलाफ आपराधिक मामले की योजना बना रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय एजेंसियों को सबसे पहले 1,30,000 करोड़ रुपये के कोयला घोटाले में अडानी समूह की कथित संलिप्तता की जांच शुरू करनी चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में मोइत्रा ने कहा, यह जानकर मैं कांप रही हूं कि बीजेपी मेरे खिलाफ आपराधिक मामलों की योजना बना रही है। उनका स्वागत करें, मैं सिर्फ यह जानती हूं कि 1,30,000 करोड़ रुपये के कोयला घोटाले में सीबीआई और ईडी को अडानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की जरूरत है, इससे पहले कि वे सवाल करें कि मेरे पास कितने जोड़े जूते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास एथिक्स कमेटी के रिकॉर्ड की शब्दशः कॉपी है जो वहां उनके सामने आए घटिया और अप्रासंगिक सवालों को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, साथ ही बीजेपी, इससे पहले कि आप फर्जी कहानी के साथ महिला सांसदों को बाहर निकालें, याद रखें कि मेरे पास एथिक्स कमेटी में रिकॉर्ड की सटीक कॉपी है। अध्यक्ष के घटिया अप्रासंगिक सवाल, विपक्ष का विरोध, मेरा विरोध- सब कुछ ब्लैक एंड व्हाइट में है।

केरल ब्लास्ट मामले में 54 एफआईआर दर्ज

पुलिस ने भड़काऊ पोस्ट करने वाले अकाउंट्स की पहचान की, वॉट्सऐप-फेसबुक से डिटेल मांगी

तिरुवनंतपुरम, 5 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के एर्नाकुलम में 29 अक्टूबर को ईसाई प्रार्थना सभा में हुए विस्फोट के मामले में पुलिस ने 54 केस दर्ज किए हैं। सबसे अधिक 26 मामले मलप्पुरम जिले में दर्ज किए गए, इसके बाद एर्नाकुलम में 15 और तिरुवनंतपुरम में पांच मामले दर्ज हुए। सिलसिलेवार धमाकों में तीन लोगों की जान चली गई थी।

इस मामले की जांच एडीजीपी कानून एवं व्यवस्था के नेतृत्व में 20 सदस्यीय टीम कर रही है। पुलिस ने बताया कि भड़काऊ पोस्ट करने वाले फेक सोशल मीडिया अकाउंट की पहचान की गई है और वॉट्सऐप और फेसबुक जैसी सोशल मीडिया कंपनी से उनसे जुड़ी डिटेल मांगी गई है।

पुलिस ने प्रेस रिलीज जारी करते हुए कहा, कई फर्जी प्रोफाइल की पहचान की है जिनसे ऐसे पोस्ट शेयर किए गए जो सांप्रदायिक नफरत भड़का सकते हैं। ऐसे फर्जी एकाउंट के आईपी एड्रेस की पहचान करने के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, वॉट्सऐप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म से बात की गई है। त्रिशूर और कोट्टायम में दो-दो मामले सामने आए हैं, जबकि पत्थनमथिट्टा, अलाप्पुझा, पलक्कड़ और कोझिकोड ग्रामीण में एक-एक मामला सामने आया है।

पुलिस पूछताछ में मार्टिन ने कई खुलासे किए थे। उसने बताया कि, वह सोशल मीडिया से बम बनाना सीख रहा था। थमन्नन में जहां वो किराए से रहता है, उस घर की छत पर बम का ट्रायल भी कर चुका था। आरोपी ने कबूलनामे में बताया कि उसने बम कोच्चि से बाहर अलूवा स्थित अपने पुश्तैनी घर में बनाए थे।

>14

एनआईए की 7 के खिलाफ चार्जशीट आईएसआईएस से जुड़े थे

जांच में पाया- आरोपी आतंकी ट्रेनिंग कैंप में गए थे, आईईडी भी प्लांट की थीं

पुणे, 5 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 7 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर की है। ये सभी इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) से जुड़े थे। इन पर आरोप है कि ये आतंकी ट्रेनिंग कैंप में गए थे। साथ ही इन्होंने इम्प्रोवाइज्ड एक्स्प्लोसिव डिवाइस (आईईडी) प्लांट की थीं।

एनआईए के मुताबिक, ये सभी लोग आतंकी गतिविधियों के लिए फंड्स की उगाही करते थे और वॉन्टेड टेररिस्ट थे। इन सात आरोपियों में दो मध्य प्रदेश और पांच महाराष्ट्र के हैं। इनके नाम मोहम्मद इमरान, मोहम्मद याकूब साकी, अब्दुल कदीर, नसीरुद्दीन काजी, जुल्फिकार अली, शमील साकिब नाचन और आकिफ अतीक नाचन हैं।

क्या है पुणे आईएसआईएस मॉड्यूल केस :

इस साल 18 जुलाई को पुणे में टू-व्हीलर चुराने के मामले में पुणे पुलिस ने शाहनवाज और मध्यप्रदेश के दो लोगों- मोहम्मद इमरान खान और मोहम्मद साकी को गिरफ्तार किया था। जब पुलिस पूछताछ के लिए उन्हें उनके ठिकाने पर ले जा रही थी तो शाहनवाज पुलिस की गाड़ी से कूदकर फरार हो गया।

मोहम्मद इमरान खान और मोहम्मद साकी से पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि दोनों सुफा टेररिस्ट गैंग का हिस्सा हैं। अप्रैल 2022 में राजस्थान में एक कार में विस्फोटक मिलने के मामले में वहां की पुलिस उन्हें ढूंढ रही है। तब पुलिस ने इस मामले को पुणे आईएसआईएस मॉड्यूल केस नाम दिया। इस केस में पुलिस ने तीन और आतंकियों को मोस्ट वॉन्टेड लिस्ट में रखा था। इनके नाम हैं- पुणे का तल्हा लियाकत खान और दिल्ली का रिजवान अब्दुल हाजी अली और अब्दुल्ला फैयाज शेख।

दिल्ली पुलिस ने आतंकी शाहनवाज को 2 अक्टूबर को पकड़ा :

स्पेशल सीपी हरगोविंद सिंह धालीवाल ने बताया कि 2 अक्टूबर की सुबह शाहनवाज को जैतपुर से पकड़ा गया था। उसके पास से केमिकल पदार्थ और आईईडी बनाने में इस्तेमाल होने वाला मटेरियल मिला था। शाहनवाज की पत्नी पहले हिंदू थी। उसका धर्म बदलवाकर इस्लाम कुबूल करवाया गया, उसने अपना नाम मरियम रख लिया। वह भी पति का साथ दे रही थी। फिलहाल शाहनवाज की पत्नी और बहन दोनों अंडरग्राउंड हैं। उनकी तलाश जारी है।

इस केस का मास्टरमाइंड और फाइनेंसर आईटी इंजीनियर :

एनआईए का कहना है कि इमरान, यूनुस और शाहनवाज के लिंक पुणे की आईटी फर्म में काम करने वाले इंजीनियर जुल्फिकार अली बोर्डवाला से हैं। जुल्फिकार को आईएसआईएस से जुड़े एक केस में 3 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। वो मुंबई की आर्थर रोड जेल में बंद है।

>14

क्रिमिनल लॉ की जगह लेने वाले बिलों पर बैठक आज

पिछली मीटिंग में विपक्षी सदस्यों ने पढ़ने के लिए समय मांगा था

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और एविडेंस एक्ट की जगह लेने वाले तीन विधेयकों की जांच कर रही संसदीय कमेटी कल बैठक करेगी। 27 अक्टूबर को हुई बैठक में कमेटी ने ड्राफ्ट रिपोर्ट को स्वीकार नहीं किया था। कुछ विपक्षी सदस्यों की दलीलों को ध्यान में रखते हुए समिति ने ड्राफ्ट पर और अध्ययन के लिए समय मांगा था।

कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम समेत कुछ विपक्षी सदस्यों ने कमेटी के अध्यक्ष बृज लाल से डॉफ्ट पर फैसला लेने के लिए दिए गए समय को तीन महीने बढ़ाने का आग्रह किया था। सदस्यों ने कहा था कि चुनावी लाभ के लिए इन विधेयकों को उछालना सही नहीं है। ये विधेयक 11 अगस्त को संसद में पेश किए गए थे। अगस्त में ही इससे जुड़ी ड्राफ्ट गृह मामलों की स्थायी समिति को भेजा गया था। कमेटी को ड्राफ्ट स्वीकार करने के लिए तीन महीने का समय दिया गया है।

मुर्दाघर के बाहर चार माह से मालिक का इंतजार, कुत्ते के वफादारी की कहानी

कोझिकोड, 5 नवंबर (एजेंसियां)। फिल्मों में अक्सर आपने देखा होगा कि कुत्ता कैसे अपने मालिक की मौत के बाद भी उसके इंतजार में बैठा रहता है। कुछ ऐसी ही घटना केरल के कोझिकोड में देखने को मिली। जहां एक कुत्ता अपने मालिक की मौत के बाद से मुर्दाघर के बाहर इंतजार कर रहा है। शायद उसे पता नहीं है कि उसका मालिक अब इस दुनिया में नहीं है। इस कुत्ते को लेकर सोशल मीडिया में तमाम प्रतिक्रियाएं आ रही है। कोई इसे इंसान का साथी कह रहा है तो कोई इसे सच्ची वफादारी का नाम दे रहा है।

मुर्दाघर के बाहर मालिक का कर रहा इंतजार :

केरल के कन्नूर जिला अस्पताल के मुर्दाघर के बाहर एक कुत्ता पिछले चार महीने से इंतजार कर रहा है। अस्पताल में आने-जाने वाले लोग अक्सर इस कुत्ते को वहीं बैठा देखते हैं, जहां वह अपने मालिक का चार माह से इंतजार कर रहा है। हालांकि किसी को भी इस कुत्ते के बारे में नहीं पता है। जिला अस्पताल के अधिकारी ने कुत्ते के मालिक की पहचान करने में असमर्थ रहे हैं। कुत्ते के निरंतर निगरानी और बेबसी से अंदाजा लगाया गया कि वह अपने मालिक का इंतजार कर रहा है।

राजेश कुमार बोले, मालिक का पता नहीं :

अस्पताल के परिचारक राजेश कुमार ने सबसे पहले लगभग चार माह पहले मुर्दाघर के पास बैठे देखा था। उन्होंने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा, पहले दिन हमने कुत्ते की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। लेकिन अगले दिन जब वह वहां था तो हमारा ध्यान उस पालतू कुत्ते पर पड़ा। जब हमने स्थानीय लोगों से इस बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि यह कुत्ता किसी मरीज के साथ अस्पताल आया था, जिसकी मौत हो गई। राजेश ने कहा, उसके मालिक की अभी पहचान नहीं हुई है।

मालिक के इंतजार में बैठा चार माह से 'रामू' :

आमतौर पर यह कुत्ता शवगृह में शवों को ले जाने वाले रैंप पर दिखाई देता है। हालांकि यह मोर्चरी गेट से आगे नहीं बढ़ता, बल्कि वहीं खड़े होकर इंतजार करता है। हालांकि कुत्ता अक्सर पास के फिजियोथेरेपी विभाग की इमारत में जाता है, लेकिन रात में मुर्दाघर में लौट आता है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, कुत्ता इलाके में आवारा कुत्तों के साथ घुलता-मिलता नहीं है। डॉ. माया गोपालकृष्णन कुत्ते को खाना देते हैं। साथ ही कुत्ते के संबंध में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, ना तो अंडा खाता है और ना ही मछली, यहां तक कि उसे चावल भी पसंद नहीं है। हालांकि डॉ. माया ने उसका नाम 'रामू' रख दिया। डॉक्टर ने कहा, कन्नूर की एक महिला ने कुत्ते को गोद लेने के लिए अस्पताल से संपर्क किया है।

पानी से भरी बाल्टी में गिरने से 10 साल के मासूम की मौत

कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये गलतियां?

ठाणे, 5 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नवी मुंबई स्थित एक घर में पानी से भरी बड़े आकार की बाल्टी में गिरने से 10 साल के एक लड़के की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार शाम को उस वक्त हुई जब बच्चा पनवेल इलाके के पलास्पे गांव स्थित अपने घर में पानी से भरी बाल्टी के पास खेल रहा था। पनवेल शहर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने लड़के के अभिभावक द्वारा दी गई जानकारी के हवाले से बताया कि वह गलती से बाल्टी में गिर गया और उसका दम घुटने लगा। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद लड़के को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल में भिजवा दिया है और दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है।

मिजोरम में दिखा शशि थरूर का अनोखा अंदाज

मिजो गाने पर लगाए ठुमके, वीडियो वायरल

आईजोल, 5 नवंबर (एजेंसियां)। पूरा देश इन दिनों चुनावी रंग में रंगा हुआ है। पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। ऐसे में हर पार्टी चुनावी राज्यों में जमकर प्रचार प्रसार कर रही है। वहीं आगामी चुनाव के लिए मिजोरम भी पूरी तरह से तैयार है। कांग्रेस नेता शशि थरूर भी अपनी पार्टी के चुनाव प्रचार के लिए मिजोरम पहुंचे। इस दौरान उनके डांस की एक वीडियो जमकर वायरल हो रही है। मिजोरम में चुनाव प्रचार करने के दौरान शशि थरूर का अलग ही अंदाज देखने को मिला। आइजोल पहुंचे शशि थरूर ने यहां मशहूर मिजो गीत 'दी रूक ते' को न सिर्फ गुनगुनाया बल्कि उस पर थिरकते भी नजर आए। थरूर के साथ ही पार्टी के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष लालसावता और दूसरे नेता भी स्टेज पर डांस करते दिखाई दिए। कांग्रेस नेताओं के इस अंदाज ने चुनावी सभा में रंग जमा दिया। इनके डांस का ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

स्टेज पर मिजो गाने पर थिरके शशि थरूर

दरअसल चुनावी कार्यक्रम में सिंगर खुपतोंग को भी बुलाया गया था। सिंगर के परफॉर्मेंस के दौरान थरूर ने उनका वीडियो भी बनाया। इसके बाद थरूर ने खुपतोंग से मिजो गीत गाने की गुजारिश की। जिसके बाद सिंगर ने गीत गाया। इस दौरान थरूर समेत सभी लोग खुद को थिरकने से रोक नहीं सके ,और स्टेज पर ही सभी अपने अंदाज में डांस करने लगे। इसके साथ ही थरूर ने सिंगर से इन गाने का मतलब भी पूछा। जिसका जवाब देते हुए सिंगर ने उन्हें गाने का मतलब "क्या आपका कोई गुप्त क्रश है?

स्टेज पर दिखा थरूर का मजाकिया अंदाज

इसके साथ ही सिंगर ने कांग्रेस नेता थरूर से पूछा कि क्या आपका कोई गुप्त क्रश है, जिसका जवाब थरूर ने बेहद मजाकिया अंदाज में दिया। उन्होंने कहा 'कौन नहीं चाहेगा, बेशक में भी'। थरूर के इस जवाब पर सभा में मौजूद सभी लोगों ने जमकर ठहाके लगाए। इसके साथ ही थरूर ने सिंगर खुपतोंग की जमकर तारीफ की, साथ ही कहा कि ये उनके अब तक के राजनीतिक करियर का सबसे आनंददायक चुनाव प्रचार अभियान है। मिजोरम पहुंचे कांग्रेस नेता शशि थरूर ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मिजोरम में कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि मिजोरम पूर्वोत्तर का पहला राज्य होगा जहां कांग्रेस की सरकार बनेगी और कांग्रेस 2014 के बाद एक बार फिर से से सत्ता में वापसी करेगी।इसके साथ ही ही कांग्रेस नेता थरूर ने बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से बीजेपी ने लोगों से किए अपने एक भी वादों को पूरा नहीं किया, न ही किसी के बैंक खाते में 15 लाख रुपए आए न ही दो करोड़ नौकरियां दी गई।

कल होगा मतदान

आपको बता दें कि आने वाली 7 नवंबर को मिजोरम की 40 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। तीन दिसंबर को वोटों की गिनती की जाएगी साथ ही नतीजे भी 3 दिसंबर को ही घोषित किए जाएंगे। प्रदेश में कांग्रेस सभी 40 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

महिला भूवैज्ञानिक के घर में घुसे हत्यारे पति की गैरहाजिरी में चाकू से गोदकर कर दी हत्या

बेंगलूरू, 5 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार में काम करने वाली एक 37 साल की भूविज्ञानी की उसके आवास में ही चाकू से मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, हमलावर कर्नाटक के खान और भूविज्ञान विभाग में उप निदेशक प्रतिमा के घर में घुसे और उनपर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने जानकारी दी कि हमले के दौरान वह घर पर अकेली थी क्योंकि उसका पति अपने गृहनगर तीर्थहल्ली की यात्रा पर गया हुआ था। बताते चलें कि शनिवार रात करीब 8 बजे प्रतिमा के ड्राइवर ने उन्हें घर छोड़ा। अधिकारियों ने कहा कि उसके भाई के फोन कॉल का कोई जवाब नहीं मिला, तो वह सुबह उसे देखने आया और पता चला कि बहन की हत्या कर दी गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और अधिकारियों ने कहा कि हमलावरों का पता लगाने के प्रयास फिलहाल जारी हैं। उन्हें शक है कि हत्या के पीछे उसके जान-पहचान वाले लोगों का हाथ हो सकता है।

बृजभूषण शरण सिंह ने दिया बड़ा बयान

बोले- मुझे पूरी उम्मीद है पार्टी कैसरगंज से लड़ाएगी लोकसभा चुनाव

गोंडा, 5 नवंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव कोई न कोई तो लड़ेगा, गतवर्ष जब मंडल में विपक्ष को कोई नहीं मिला तो आजमगढ़ से साहब लड़ने आए थे। पूरी उम्मीद है कि पार्टी मुझे इस बार भी कैसरगंज से ही चुनाव लड़ाएगी। ये बात रविवार को शहर के छेदीपुरवा में कपड़ा शोरूम का उद्घाटन करने आए भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष व कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कही। उन्होंने लोकसभा चुनाव जीतने व केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने के सवाल पर कहा कि चाह नहीं मैं सुर बाला के गहनों में गूंथा जाऊं। सांसद ने कहा कि मेरी इच्छा है कि मैं अपने देवीपाटन मंडल की सेवा करता रहूं। स्वस्थ, साक्षर, हरित देवीपाटन मंडल मेरा नारा है। बैंकों की मनमानी पर सवाल उठाने को लेकर कहा कि मेरा काम है सत्य बात को उठाना। इंटरनेट मीडिया पर एक भी पोस्ट मेरे बयान के खिलाफ नहीं डाली गई है। मैं अपना काम कर रहा हूं, यदि किसी को दिक्कत हो रही है तो मैं क्या करूं। राज्य विवश्वविद्यालय के मंडल मुख्यालय पर स्थापना को लेकर कहा कि मैं तो प्रयास कर रहा हूं। ये मुख्यमंत्री जी के विवेक पर निर्भर है। गोंडा में 87, बहराइच में 46, बलरामपुर में 26 व श्रावस्ती में 11 डिग्री कालेज हैं। छात्र संख्या गोंडा की अधिक है, ये मंडल का मुख्यालय है, कमिश्नरी है डीआइजी भी बैठते हैं, लेकिन यदि शासन ने निर्णय लिया है कि विश्वविद्यालय बलरामपुर में बने तो इसके पीछे कोई ठोस वजह होगी। ढेमवाघाट मार्ग को लेकर सांसद ने कहा कि संबंधित अधिकारी ध्यान दें। विपक्ष के जातिगत जनगणना कराने की मांग पर कहा कि गृहमंत्री अमित शाह ने जातिगत जनगणन की बात कही है।

दिल्ली में 10 नवंबर तक बंद रहेंगे सभी प्राइमरी स्कूल

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब दिल्ली में प्राइमरी स्कूल 10 नवंबर तक बंद रहेंगे। ताजा जानकारी के मुताबिक, इसके साथ ही छठी से 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई के लिए ऑनलाइन क्लास चलाने का विकल्प दिया गया है। दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने एक्स हैंडल (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। चूंकि राजधानी में प्रदूषण का स्तर लगातार ऊंचा बना हुआ है, इसलिए दिल्ली में प्राथमिक स्कूल 10 नवंबर तक बंद रहेंगे। वहीं 6-12 कक्षा के लिए स्कूलों को ऑनलाइन कक्षाओं में शिफ्ट करने का विकल्प दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को घोषणा की थी कि बढ़ते वायु प्रदूषण के स्तर को देखते हुए राजधानी शहर के सभी सरकारी और निजी प्राथमिक विद्यालय अगले दो दिनों यानी शनिवार तक बंद रहेंगे। अब आज अगले आदेश के तहत दिल्ली की शिक्षा मंत्री ने प्राइमरी स्कूलों को 10 नवंबर तक बंद रखे जाने की बात कही है। इसके साथ ही, दिल्ली सरकार ने गुरुवार से वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए दिल्ली-एनसीआर में सभी गैर-जरूरी निर्माण कार्यों पर भी प्रतिबंध लगा दिया है और राष्ट्रीय राजधानी में डीजल ट्रकों की एंट्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध ग्रेप- 3 के तहत लगाए गए हैं।

इजरायल-हमास युद्ध पर भड़कीं प्रियंका गांधी

बोलीं- गाजा में 5 हजार से अधिक बच्चों का हुआ नरसंहार

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। इजरायल और हमास के बीच युद्ध जारी है। इस बीच दुनियाभर के कई देश युद्ध विराम की आवाज उठा रहे हैं। दोनों तरफ से काफी संख्या में लोगों की जानें जा चुकी हैं। इस युद्ध को रोकने की मांग भारत में भी उठ रही है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी कई बार इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध को लेकर बयान दे चुकी हैं। इस बार उन्होंने ट्विटर पर फिर से एक बयान जारी किया है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट पर लिखा, 'लगभग 10 हजार लोग, जिनमें 5 हजार से अधिक बच्चे शामिल हैं, उनका नरसंहार किया गया है।'

इजरायल-हमास युद्ध पर प्रियंका गांधी का बयान

उन्होंने कहा, 'ये बेहद शर्मनाक है। परिवार के परिवार खत्म कर दिए गए। अस्पतालों और एंबुलेंस पर बमबारी की गई। शरणार्थी शिविरों को निशाना बनाया गया है और फिर भी 'फ्री' वर्ल्ड के तथाकथित नेता फिलिस्तीन में हो रहे नरसंहार को समर्थन दे रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा तुरंत युद्धविराम लागू करना चाहिए वरना इसका नैतिक आधार नहीं बचेगा।' बता दें कि इससे पहले भारत भी प्रियंका गांधी इस मामले पर बयान दे चुकी हैं। दरअसल गाजा में शांति कायम करने को लेकर यूनाइटेड नेशन में बीते दिनों वोटिंग की गई थी। इस वोटिंग की प्रक्रिया से भारत ने दूरी बना ली थी।

हमास के खिलाफ इजरायल का युद्ध जारी

इस मामले पर प्रियंका गांधी ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि वो भारत के इस रवैये से हैरान हैं। उन्होंने कहा कि वोटिंग से परहेज करना अहिंसा, न्याय और शांति के उन सिद्धांतों का खडंन है जिनकी बारत ने ऐतिहासिक रूप से वकालत की है। बता दें कि कई मुस्लिम संगठनों द्वारा और अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा लगातार इस बाबत बयान जारी किया गया है। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर को हमास के आतंकियों ने इजरायल में घुसपैठ की थी और सैकड़ों लोगों को मौत के घाट उतार दिया था, जिसके बाद से इजरायल ने हमास के खिलाफ जंग छेड़ दिया है।

दिल्ली में नारकोटिक्स स्क्वाड की टीम ने एक शराब तस्कर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 5 नवबर (एजेंसियां)। दक्षिण दिल्ली जिले की नारकोटिक्स स्क्वाड टीम ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान महरौली निवासी राजेश उर्फ हब्सी (पुत्र जगदीश) के रूप में की गई है। आरोपी के ऊपर पहले से ही चार मामले दर्ज हैं। उसके कब्जे से 46 कार्टन में 2300 क्वार्टर शराब और शराब सप्लाई में इस्तेमाल की जाने वाली कार को बरामद किया गया है। डीसीपी चंदन चौधरी ने बताया कि जिले में संगठित अपराध की रोकथाम के लिए सभी पुलिसकर्मियों को काम सौंपा गया था। इसके चलते जिले के सभी पुलिसकर्मी इलाके में लगातार गश्त कर रहे थे। आगामी त्योहारों को देखते हुए संगठित अपराध की रोकथाम के लिए एसीपी ऑपरेशंस और नारकोटिक्स स्क्वाड प्रभारी मनीष चौधरी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था। टीम में सब इंस्पेक्टर गौरव दलाल, सब इंस्पेक्टर नरेंद्र सिंह, एएसआई रमेश, एएसआई संदीप, एएसआई पांचू राम, एएसआई रामधारी, हेड कॉन्स्टेबल अर्जुन, हेड कॉन्स्टेबल परवीन टोकस और हेड कॉन्स्टेबल संजय को शामिल किया गया था। टीम को शराब की आपूर्ति के संबंध में शनिवार को एक गुप्त जानकारी प्राप्त हुई। पता चला कि लाडो सराय मेन रोड मेहरौली के रास्ते हरियाणा से भारी मात्रा में शराब से भरी एक कार आने वाली है। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर जानकारी को और विकसित किया और क्षेत्र की स्थलीय जांच की इनपुट के अनुसार टीम ने इस्लाम कॉलोनी, आम बाग-लाडो सराय के पास जाल बिछाया।

19 नवंबर को क्या करने वाला है आतंकी पन्नू?

दे रहा खुली धमकी, कनाडा नहीं ले रहा एक्शन

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें 19 नवंबर को एयर इंडिया से यात्रा करने की योजना बना रहे लोगों को उसने धमकी दी है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में, पन्नू ने चेतावनी दी है कि अगर वे एयर इंडिया के विमान उड़ान भरते हैं तो इससे उनका जीवन खतरे में पड़ सकता है। उसका दावा है कि उस दिन एयर इंडिया के साथ दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बंद कर दिया जाएगा और इसका नाम बदल दिया जाएगा। पन्नू ने इस बात पर जोर डाला कि 19 नवंबर को चल रहे क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच है। गौरतलब है कि पन्नू अमेरिका स्थित प्रतिबंधित संगठन सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) का प्रमुख है। उसका आतंकवाद की वकालत करने और आतंकी संगठन की अगुवाई करने, डराने-धमकाने के माध्यम से पंजाब और भारत के अन्य हिस्सों में डर और आतंक फैलाने का इतिहास रहा है।

भारत में वांटेड है खालिस्तानी आतंकी पन्नू

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) 2019 से पन्नू की निगरानी कर रही है, जब उन्होंने उसके खिलाफ अपना पहला मामला दर्ज किया था। 3 फरवरी, 2021 को एक विशेष एनआईए अदालत द्वारा गिरफ्तारी के गैर-जमानती वारंट जारी किए गए थे और पिछले साल 29 नवंबर को पन्नुन को "घोषित अपराधी" (पीओ) घोषित किया गया था। पन्नू द्वारा जारी की गई धमकी गंभीर चिंता का विषय है, और एयर इंडिया के यात्रियों और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों द्वारा उचित सुरक्षा उपाय किए जाने की जरूरत है।

कनाडा क्यों नहीं कर रहा आतंकी पर कार्रवाई?

10 अक्टूबर को, पन्नू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध से सीखने की धमकी दी थी, ताकि भारत में भी इसी तरह की "प्रतिक्रिया" न हो। उसने पिछले वीडियो में कहा था, "पंजाब से फिलिस्तीन तक अवैध कब्जे वाले लोग प्रतिक्रिया देंगे और हिंसा से हिंसा पैदा होती है।" बताया जाता है कि आतंकी पन्नू कनाडा में छिपा हुआ है और कई बार खालिस्तान बनाने को लेकर जनमत संग्रह कर चुका है।

संगम विहार पुलिस ने एक स्नैचर को दबोचा, कई घटनाओं को दे चुका है अंजाम

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण दिल्ली जिले के संगम विहार पुलिस थाने की टीम ने एक सक्रिय लुटेरे को गिरफ्तार किया है, जो मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देता था। आरोपी की पहचान 32 वर्षीय मोंटी (पुत्र विनोद) निवासी संगम विहार के रूप में हुई है, जिसकी निशानदेही पर पुलिस ने एक फोन बरामद किया है। डीसीपी चंदन चौधरी ने बताया कि चार नवंबर को पुलिस स्टेशन संगम विहार में मोबाइल फोन की लूट के संबंध में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी, जिसमें कॉलर ने बताया कि वह राशन की दुकान पर लाइन में इंतजार कर रहा था। तभी अचानक एक अज्ञात व्यक्ति उसके पास आया और उसका मोबाइल फोन लूट कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने उसके बयान के आधार पर मामला दर्ज करते हुए आगे की जांच शुरू की।

केरल सरकार के सुप्रीम कोर्ट जाने पर भड़के राज्यपाल, बोले- संशय जल्द दूर हो जाएगा

कोच्चि, 5 नवंबर (एजेंसियां)। केरल सरकार ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। इस पर राज्यपाल ने तंज कसा है। राज्यपाल ने तिरुवअनंतपुरम में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 'अगर किसी को संशय है और वह सुप्रीम कोर्ट गए हैं तो इसका स्वागत होना चाहिए। संशय जल्द दूर हो जाएगा।'

केरल सरकार ने याचिका में कही है ये बात

बता दें कि केरल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की है, जिसमें केरल सरकार ने आरोप लगाया है कि राज्यपाल कई विधेयकों को मंजूरी नहीं दे रहे हैं। केरल सरकार का कहना है कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के पास आठ विधेयक लंबित हैं जिन्हें विधानसभा ने मंजूरी दे दी है लेकिन राज्यपाल की तरफ से अभी तक मंजूरी नहीं दी गई है। केरल सरकार की याचिका में आरोप है कि तीन विधेयक तो बीते दो साल से राज्यपाल के पास लंबित हैं।

संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल को मिली हैं शक्तियां

सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई केरल सरकार की याचिका में कहा गया है कि सभी विधेयकों को समय से मंजूर करने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करने के लिए राज्यपाल बाधित हैं ताकि लोगों के कल्याण की योजनाएं समय से लागू हो सकें। याचिका में आरोप है कि राज्यपाल अपने कर्तव्य का पालन करने में विफल रहे हैं। बता दें कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के पास यह शक्ति है कि वह किसी विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए अपने पास रोके रख सकते हैं। हालांकि यह वित्त विधेयक नहीं होना चाहिए। राज्यपाल इन विधेयकों को फिर से विधानसभा के पास विचार करने के लिए भेज सकते हैं।

नहीं बनी पसंद की सब्जी तो हुआ क्लेश, मां ने खाया जहर तो बेटे ने लगाई फांसी

जालौन, 5 नवंबर (एजेंसियां)। जालौन में पारिवारिक कलह के चलते मां-बेटे ने आत्महत्या कर ली, यह विवाद खाना बनाने को लेकर हुआ. इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया. घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मां-बेटे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई. पुलिस ने बताया कि मां और बेटे के बीच खाने को लेकर विवाद हुआ जिस कारण यह घटना घटी. पूरा मामला जालौन की उरई कोतवाली क्षेत्र के सुशील नगर का है. यहां की रहने वाली 55 बर्षीय बेबी चौहान नहर विभाग में कार्यरत थी. शनिवार को जब वह घर पर थी, उनका 28 वर्षीय पुत्र दिग्विजय सिंह झांसी से घर लौटा था. जब वह घर आया तो उसने मां बेबी चौहान से अपनी मनपसंद सब्जी बनाने की बात कही, जिस पर मां ने यह कहकर मना कर दिया

एचडी कुमारस्वामी बोले- 'डीके शिवकुमार सीएम बनेंगे तो हम देंगे समर्थन', फिर कांग्रेस पर ये आरोप भी लगाए

बेंगलुरु, 5 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में जद (एस) प्रमुख एचडी कुमारस्वामी ने एक ऐसी टिप्पणी की जिससे राज्य में बहस छिड़ गई। बाद में साफ हुआ कि कुमारस्वामी ने ये बात व्यंग्यात्मक लहजे में की थी। दरअलस जद (एस) प्रमुख एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि अगर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं तो वे सभी 19 जद (एस) विधायकों का समर्थन देंगे। कुमारस्वामी की प्रतिक्रिया कांग्रेस के दावों के बीच आई है कि उनकी पार्टी के कई विधायक कांग्रेस में शामिल होने के इच्छुक हैं। फिलहाल राज्य में कांग्रेस के पास 136 विधायक हैं। कर्नाटक के पूर्व सीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब आपके पास अपने ही विधायकों को विकास कार्य कराने के लिए पैसे नहीं हैं तो आप हमें अपनी पार्टी में शामिल होने के लिए कहकर क्या करेंगे? इसके बजाय उन्हें (डीके शिवकुमार) को सीएम बनने दें। कुमारस्वामी ने कहा कि अगर डीके शिवकुमार सीएम बनते हैं तो वह अपनी पार्टी के सभी विधायकों का समर्थन देंगे। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपर्ण है कि कांग्रेस पदाधिकारी जद (एस) विधायकों के सामने आवेदन लेकर खड़े थे और उनसे अपनी पार्टी में शामिल होने के लिए कह रहे थे।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पदाधिकारियों ने जद (एस) विधायक जीटी देवेगौड़ा से उन्हें मंत्री बनाने और उनके बेटे के लिए भी कुछ करने की पेशकश के साथ संपर्क किया था। एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि कांग्रेस ने जद (एस) देवदुर्गा विधायक करेम्मा को भी इसी तरह की पेशकश की। नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कांग्रेस में सार्वजनिक कलह पर कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य में एक टीसीएम और एक डीसीएम है।

मैट्रिमोनियल साइट पर मुलाकात फिर होटल में बुलाकर किया रेप

मुंबई, 5 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में 33 साल की महिला के साथ सिंगापुर में रहने वाले एक व्यक्ति ने मैट्रिमोनियल साइट पर संपर्क किया। इसके बाद उसने शादी का झांसा देकर कई जगहों पर महिला को मिलने के लिए बुलाया, जहां उसके साथ रेप किया। महिला ने इस मामले की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, नवी मुंबई की रहने वाली 33 साल की महिला ने मैट्रिमोनियल साइट पर सिंगापुर के एक व्यक्ति को देखा था। इसके बाद दोनों ने शादी को लेकर संपर्क किया। सिंगापुर में रहने वाले आरोपी ने महिला से शादी की बात कही और कई जगहों पर मिलने के लिए बुलाया। महिला ने शिकायत में आरोप लगाया है कि आरोपी ने दिसंबर 2020 से मार्च 2023 के बीच नवी मुंबई, मुंबई और सिंगापुर के लॉज और होटलों में उसे मिलने के लिए बुलाया, जहां उसके साथ कई बार रेप किया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी से महिला का संपर्क एक मैट्रिमोनियल साइट पर हुआ था। आरोपी ने उससे शादी करने का वादा किया। इसी को लेकर उसने अलग-अलग जगहों पर मिलने के लिए बुलाया था। आरोपी ने कथित तौर पर महिला की आपत्तिजनक तस्वीरें भी ले लीं और वीडियो भी बना लिया।

कमल नाथ का वादा, सत्ता में आने पर सरकारी भर्ती कानून बनाएंगे

भोपाल, 5 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कमलनाथ ने युवाओं से वादा किया है कि कांग्रेस सत्ता में आते ही खुशहाल युवा, खुशहाल मध्य प्रदेश पर काम करते हुए सरकारी भर्ती कानून अमल में लाएगी। कमलनाथ ने एक्स पर लिखा है, खुशहाल युवा, खुशहाल मध्यप्रदेश का लक्ष्य पाने के लिए मैं वचनबद्ध हूं। कांग्रेस सरकार युवाओं की मांग के अनुसार मध्यप्रदेश में 'सरकारी भर्ती का कानून' बनाएंगी। प्रदेश की भर्ती परीक्षाओं में हुए 'घोटालों की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच' कराएगी। इसके लिए भर्ती जांच आयोग बनाएंगे। उन्होंने कहा, घोटाला कर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को कठोर दंड सुनिश्चित करेंगे। युवाओं को न्याय मिलकर रहेगा।

उन्होंने युवाओं से वादा किया है कि सरकार के दो लाख रिक्त पदों की भर्ती का वार्षिक कैलेंडर जारी करेंगे। ग्राम स्तर के नए एक लाख पद बनाकर नौकरी देंगे। भर्ती परीक्षाओं के शुल्क में 100 प्रतिशत की छूट देंगे। युवाओं के लिए 1000 करोड़ रुपए का स्टार्ट अप फंड बनाएंगे। 5 लाख करोड़ का वास्तविक निवेश धरातल पर लायेंगे और 1000 नई औद्योगिक इकाइयां और एक लाख एमएसएमई प्रारंभ कराएंगे। स्थानीय युवाओं को रोजगार देने वाले उद्योगों में वेतन अंशदान सरकार देगी। स्मार्ट युवा मार्ट, स्माल स्मार्ट मार्ट, ग्रामीण औद्योगिक पार्क और किसान सुपर मार्केट योजनों से युवाओं को रोजगार व स्व रोजगार देंगे। उन्होंने आगे कहा, सेना और पुलिस भर्ती की तैयारी के लिए वर्दी मेरा अभिमान कार्यक्रम चलाएंगे। युवाओं को 1500 रुपए से 3000 रुपए प्रतिमाह का आर्थिक सहयोग देंगे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 6 नवंबर, 2023

सुविचार: रिश्तों का गलत इस्तेमाल कभी मत करना, अच्छे लोग जिंदगी में बार बार नहीं आते !

राजनेताओं से अधिक चतुर हैं लोग : केटीआर

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। यह दोहराते हुए कि बीआरएस 2014 और 2018 के चुनावों में सीटों की संख्या बढ़ाने के अपने रुझान को इस बार भी दोहराएगा, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी राम राव ने कहा कि लोग राजनेताओं की तुलना में अधिक चालाक हैं और पहले ही तय कर चुके हैं कि किसे समर्थन देना है।

यह बताते हुए कि कैसे बीआरएस ने 2014 में 63 सीटें जीती थीं, और 2018 में अन्य 25 सीटों के साथ इसे बढ़ाकर 88 कर दिया, रामा राव ने इस बार भी कहा, बीआरएस 88 से अधिक सीटों के साथ विधानसभा में अपनी मौजूदा ताकत को बनाए रखेगा। भाजपा पहले ही दौड़ से बाहर हो गई थी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी की चुनाव लड़ने की अनिच्छा से पार्टी की स्थिति का संकेत मिलता है। इसी तरह करीब 40 सीटों पर कांग्रेस के पास कोई उम्मीदवार नहीं है। वे बीआरएस के मौजूदा विधायकों को अपने पाले में करने के इच्छुक है। उन्हें उम्मीद है कि बीआरएस द्वारा अपने उम्मीदवारों की घोषणा के बाद असंतुष्ट तत्व होंगे। हालांकि, मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव द्वारा अधिकांश मौजूदा विधायकों को मैदान में उतारने से उनकी सारी उम्मीदें धराशायी हो गईं।

कांग्रेस और भाजपा नेताओं को अपना बी-फॉर्म प्राप्त करने या पार्टी के भीतर किसी भी मुद्दे को सुलझाने के लिए बेंगलुरु के रास्ते दिल्ली जाना होगा, जबकि जनता का मानना था कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री का फैसला तेलंगाना में किया जाना चाहिए, न कि नई दिल्ली या गुजरात में। यह कहते हुए कि रोजगार के बढ़ते अवसरों, शिक्षा सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के कारण अन्य राज्यों से कई लोग हैदराबाद में बस रहे हैं, रामाराव ने बताया कि पिछले 9.5 वर्षों में राज्य में कोई सांप्रदायिक झड़प नहीं हुई, यह एक उपलब्धि है जिसका श्रेय उन्होंने सीएम केसीआर के नेतृत्व को दिया। जाति, धर्म और क्षेत्र के बावजूद, कई लोग मानते हैं कि के.चंद्रशेखर राव को फिर से मुख्यमंत्री बनना चाहिए।

कांग्रेस का सत्ता में होना तेलंगाना के लिए खतरा : विनोद

राजन्ना-सिरसिल्ला, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। टीएस प्लानिंग बोर्ड के उपाध्यक्ष बी. विनोद कुमार ने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो तेलंगाना खतरे में पड़ जाएगा। जहां बीआरएस सरकार कृषि क्षेत्र को 24 घंटे बिजली दे रही है, वहीं कांग्रेस कह रही है कि तीन घंटे बिजली की आपूर्ति पर्याप्त है। इसलिए, लोगों को तय करना चाहिए कि वे कांग्रेस को चुनना चाहते हैं या बीआरएस को। उन्होंने लोगों को कांग्रेस और भाजपा के झूठे वादों पर विश्वास न करने की सलाह देते हुए लोगों से आगामी चुनाव में बीआरएस उम्मीदवार को चुनने की अपील की।

रविवार को चोप्पाडांडी और मानकोंदूर निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव प्रचार करते हुए, विनोद कुमार बोइनपल्ली मंडल के कोठाकोटा में घर-घर अभियान के लिए चोप्पाडांडी विधायक सुनके रविशंकर के साथ घूमे। लोगों से बातचीत करते हुए उन्होंने राज्य में क्रियान्वित की जा रही विभिन्न विकास और कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया। बाद में, उन्होंने मानकोंदूर विधायिका रसमई बालकिशन के साथ इलंताकुंटा मंडल के पेद्दलिंगपुर में अभियान चलाया।

विस चुनाव : अब तक नकदी और सोने की जब्ती 490 करोड़ रुपये तक पहुंच गई

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। अधिकारियों ने रविवार को कहा कि पिछले 24 घंटों के दौरान तेलंगाना में 10.35 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, कीमती धातुएं, शराब और अन्य सामान जब्त किए गए। इसके साथ, चुनाव पूर्व जब्ती का संचयी मूल्य 490 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

5 नवंबर को सुबह 9 बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि के दौरान, प्रवर्तन एजेंसियों ने राज्य भर में 2.53 करोड़ रुपये नकद जब्त किए। इसके साथ ही, आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अधिकारियों ने 9 अक्टूबर से अब तक 172 करोड़ रुपये नकद जब्त किए हैं।

24 घंटे की अवधि के दौरान 75 लाख रुपये की कीमती धातुएं जब्त की गईं, जिससे कुल जब्ती 176 करोड़ रुपये हो गई। जब्त की गई कीमती धातुओं में 282 किलोग्राम सोना, 1,167 किलोग्राम चांदी, 19,269 कैरेट हीरे और 5.35 ग्राम प्लाटिनम शामिल हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 4 नवंबर को सुबह 9 बजे से 5 नवंबर को सुबह 9 बजे तक 4,558 लीटर शराब जब्त की गई। जब्त शराब और काले गुड़ का संचयी मूल्य अब 60 करोड़ रुपये है।

अधिकारियों ने अब तक 1.12 लाख लीटर शराब जब्त की है. प्रवर्तन एजेंसियों ने पिछले 24 घंटों के दौरान 78.84 लाख रुपये से अधिक का गांजा और एनडीपीएस भी जब्त किया है। इसके साथ गांजा और एनडीपीएस का संचयी मूल्य 28.61 करोड़ रुपये हो गया है। जब्त किए गए सामान में 6,233 किलोग्राम गांजा शामिल है।

प्रवर्तन एजेंसियों ने अन्य मुफ्त वस्तुओं पर भी अपनी कार्रवाई जारी रखी। पिछले 24 घंटे में चेकिंग के दौरान उन्होंने 1.95 करोड़ रुपये के चावल, साड़ियां और अन्य सामान जब्त किया. इससे कुल जब्ती 52.51 करोड़ रुपये हो गई है। जब्त की गई वस्तुओं में 1.61 लाख किलोग्राम चावल, 9,159 कुकर, 69,266 साड़ियां, सात दोपहिया वाहन, पांच 4-पहिया वाहन, 9,629 घड़ियां, 72,047 मोबाइल फोन, 5,778 पंखे, 101 सिलाई मशीनें, 362 लंच बॉक्स और 15,388 नकली आभूषण शामिल हैं।

थम नहीं रहा है आवारा कुत्तों का उपद्रव, काटने से दो बच्चे सहित एक व्यक्ति घायल

मदनूर, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। मदनूर मंडल केंद्र के साथ-साथ विविध गांवों में आजकल आवारा कुत्तों का आतंक बढ रहा है। मंडल केंद्र के रहने वाले तीन व्यक्तियों को रविवार के दिन आवारा कुत्तों ने काट लिया। घायलों को स्थानीय जनता ने सरकारी अस्पताल में प्रथम उपचार कराया। मंडल केंद्र के लोगों ने बताया कि कुछ माह पहले कुत्तों ने मंडल केंद्र में तीन व्यक्तियों को घायल किया था। स्थानीय ग्राम पंचायत अधिकारी मात्र आवारा कुत्तों पर नियंत्रण पाने के लिये कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। स्थानीय जनता ग्राम पंचायत आधिकारियों से आवारा कुत्तों के उपद्रव को कम करने के लिए हरसंभव कोशिश करने की मांग कर रही हैं।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत, तीन घायल

संगारेड्डी, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। रविवार तड़के पाटनचेरु पुलिस स्टेशन सीमा के तहत मुथांगी टोलप्लाजा के पास बाहरी रिंग रोड पर एक अन्य वाहन को ओवरटेक करते समय एक कार के पलट जाने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

पीड़ित मोहम्मद लुमान (20) और सैय्यद माजिद (21) थे। घायलों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। उन्हें क्षेत्रीय अस्पताल पाटनचेरु ले जाया गया। दोनों शवों को एक ही अस्पताल के शवगृह में स्थानांतरित कर दिया गया। पटानचेरू पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पूछताछ जारी है।

गुरु के ज्ञान को आत्मसात करें : साध्वी रितु भारती

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान का मासिक सत्संग कार्यक्रम

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। परम पूजनीय श्री आशुतोष महाराज जी की असीम कृपा से दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा किंग कोटी, शेरगेट में मासिक सत्संग एवं भंडारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी सुश्री रितु भारती जी ने एक शिष्य के जीवन को तीन चरणों में विभाजित करते हुए कहा कि पहले चरण में शिष्य का जीवन एक खाली किताब के समान होना चाहिए। साध्वी जी ने कहा कि अगर पहले से भरी हुई किताब पर आप कुछ नया लिखें तो वह पढ़ने योग्य नहीं रहती, अतः शिष्य को भी अपने मन रुपी किताब में पहले से भरी हुई पुरानी मान्यताओं को मिटा कर, उसे खाली कर के पूर्ण समर्पण करना चाहिए तभी वह गुरु के ज्ञान को आत्मसात करने का सच्चा अधिकारी बन पाता है।

दूसरे चरण में उसका जीवन गीली मिट्टी की समान होना चाहिए। गुरु रुपी कुम्हार के हाथों से गढ़े जाने के लिए तत्पर, गुरु जैसा चाहे वैसा रंग रूप पाने को तैयार।

तीसरे चरण में उसका जीवन चातक पक्षी के समान होना चाहिए। जैसे चातक पक्षी का संकल्प दृढ होता है और उसका लक्ष्य केवल स्वाति नक्षत्र की बूंद होती है वैसे ही शिष्य के भी हर कार्य का लक्ष्य उसका गुरु होना चाहिए। कार्यक्रम में शिष्यों द्वारा सुंदर भजनों का गायन किया गया तथा अंत में महामंगल आरती व महाप्रसाद के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के लिए राइडर रैली का आयोजन

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। आयुष मंत्रालय अपने विभिन्न संगठनों, संस्थानों, कॉलेजों और स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से देश भर में 8वें आयुर्वेद दिवस को बहुत उत्साह और उल्लास के साथ मना रहा है। 'एक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद' संदेश के साथ 11 शहरों में राष्ट्रव्यापी बाइकर्स रैलियां आयोजित की जा रही हैं।

इस रैली का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आयुर्वेद दिवस के वैश्विक संदेश से जोड़ना और आयुर्वेद की समृद्ध विरासत और जन कल्याण के लिए आयुर्वेद के समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है। टैगलाइन 'आयुर्वेद हर दिन सभी के लिए' सभी को स्वास्थ्य की सुरक्षा और बीमारी की रोकथाम के लिए एक स्वस्थ आयुर्वेदिक दैनिक दिनचर्या अपनाने की याद दिलाती है। सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसेज के तहत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज हैदराबाद भी आयुर्वेद दिवस के तहत महीने भर की गतिविधियों का आयोजन कर रहा है।

इस संबंध में, एन.आई.आई.एम.एच. हैदराबाद द्वारा दिलसुखनगर से एल.बी नगर और वापस एक राइडर रैली का आयोजन किया गया। रैली को सुबह सात बजे प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी प्रसाद ने हरी झंडी दिखाकर शुरुवात की। रैली में 50 बाइकें और लगभग 100 प्रतिभागी थे, जिन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद के महत्व को दर्शाने वाले झंडे और पोस्टर थामे हुए उत्साहपूर्वक रैली में भाग लिया। एन.आई.आई.एम.एच हैदराबाद के अधिकारियों और कर्मचारियों, हैदराबाद के नामांकित बाइकर्स और राजस्व बोर्ड कॉलोनी के निवासियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। समारोह संस्थान में सुबह 8 बजे समाप्त हुआ, इस कार्यक्रम के बाद छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों और हैदराबाद के निवासियों के लिए एक जागरूकता व्याख्यान दिया गया। डाबर इंडिया लिमिटेड द्वारा आपूर्ति किए गए च्यवनप्राश के साथ आयुर्वेद पर ब्रोशर और पंपलेट भी उन्हें वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिये गये।

बंडी संजय ने कांग्रेस, बीआरएस पार्टियों की आलोचना की

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद बंडी संजय ने आज आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी और सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी राज्य के बीसी को हेय दृष्टि से देख रही है। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियां बहुसंख्यक आबादी को दबाना चाहती हैं। संजय ने करीमनगर में मीडिया से बात की। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि कांग्रेस को दलितों के प्रति अपना रवैया बदलना चाहिए और कहा कि सबसे पुरानी पार्टी को तुरंत उनसे माफी मांगनी चाहिए। संजय ने दावा किया कि पूरा बीसी समुदाय भाजपा के पक्ष में काम कर रहा है। बीसी, एससी और एसटी के अलावा, ऊंची जातियों के गरीब भी हमारी पार्टी का समर्थन कर रहे हैं। बीआरएस पार्टी द्वारा बीसी को केवल 23 सीटें दी गईं जबकि कांग्रेस पार्टी ने 19 विधानसभा सीटें दीं। कांग्रेस पार्टी ने बीसी नेताओं को दिल्ली जाने पर मिलने का समय न देकर उनका अपमान किया। भाजपा राज्य में बीसी को लगभग 50 प्रतिशत टिकट देने की कोशिश कर रही है, उन्होंने कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में बीसी को दबाने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी में किसी भी विधानसभा चुनाव से पहले सीएम उम्मीदवार की घोषणा नहीं की जाती थी। चुनाव के बाद, जीतने वाले विधायक और आलाकमान मिलकर सीएम उम्मीदवार का फैसला करेंगे। बीजेपी के पास पहले से यह घोषित करने की व्यवस्था नहीं है कि सीएम कौन होगा? मैं उनमें से नहीं हूं जो एक या दो लोगों के कहने से सीएम बन जाऊंगा। मैं एक ईमानदार कार्यकर्ता हूं जो आलाकमान द्वारा लिए गए निर्णय का पालन करता हूं और पार्टी की विचारधारा के लिए काम करता हूं।

उन्होंने कहा कि सीएम के धुएं ने गांधी भवन को घेर लिया है और कहा कि टीपीसीसी प्रमुख रेवंत रेड्डी बलि का बकरा बनेंगे।

आगे बोलते हुए, उन्होंने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के घटिया निर्माण के लिए सीएम की आलोचना की। उन्होंने राज्य मंत्री केटीआर को निरीक्षण के लिए अपने साथ कालेश्वरम परियोजना में आने की चुनौती दी और मंत्री से अपने पिता और सीएम केसीआर को भी साइट पर लाने के लिए कहा।

तानाशाह की तरह राज्य पर शासन कर रहे हैं सीएम केसीआर : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज आरोप लगाया कि सीएम केसीआर एक तानाशाह की तरह राज्य पर शासन कर रहे हैं और कहा कि सीएम एक दलित पार्टी को राज्य का नेता बनाने के अपने वादे से पीछे हट गए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीएम राज्य के लोगों और विपक्षी नेताओं को विरोध करने के अपने अधिकार का प्रयोग करने से वंचित कर रहे हैं। वह सोमाजीगुडा प्रेस क्लब में आयोजित 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि पार्टी ने अब तक पार्टी उम्मीदवारों की तीन सूचियाँ जारी की हैं और कहा कि वे जल्द ही शेष सीटों के लिए पार्टी उम्मीदवारों को अंतिम रूप देंगे। रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार भर्ती के मुद्दे पर ईमानदार नहीं है. पिछले 10 वर्षों से एक भी शिक्षक का पद नहीं भरा गया है। केसीआर राज्य में परिवारवाद लेकर आये. अगर बीजेपी का समर्थन नहीं होता तो क्या तेलंगाना आता? किसी ने यह नहीं बताया कि मोदी सरकार एक भ्रष्ट सरकार है।

तेलंगाना में बदलाव होना ही है। कांग्रेस पार्टी का सत्ता में आना कोई बदलाव नहीं है। इससे पहले कांग्रेस पार्टी से जीतकर आए विधायकों को बीआरएस पार्टी को बेच दिया गया था। अभी तक बीजेपी ने बीआरएस पार्टी के साथ गठबंधन नहीं किया है। कांग्रेस को हमारी पार्टी की आलोचना करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। भाजपा उस पार्टी से हाथ नहीं मिलाएगी जो एमआईएम के साथ गठबंधन करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी तेलंगाना चुनाव के लिए पड़ोसी राज्य कर्नाटक में टैक्स इकट्ठा कर रही है और दावा किया कि कर्नाटक से करोड़ों रुपये तेलंगाना में आ रहे हैं। किशन रेड्डी ने ऐसे वादे करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की जिन्हें लागू नहीं किया जा सका। रेड्डी ने सनसनीखेज टिप्पणी भी की और भविष्यवाणी की कि केसीआर कामारेड्डी और गजवेल विधानसभा क्षेत्रों में हार जाएंगे। यह कहते हुए कि उम्मीदवारों और नेताओं को पैसे से खरीदा जा सकता है, उन्होंने कहा कि लोगों के गुस्से को कम नहीं किया जा सकता है।

CLASSIFIEDS

SECURITY GUARDS

JSS Group Leading Security Agency: Urgently Required Security guards,Head guards, security supervisors, security officers, chief security officers for Nacharam and RTC cross road (8hours/12hoursDuty) Attractive salary ESIC+PF Benefits Madhapur Hyd

Contact: 9966062084, 9966062097, 9966062092

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

क्षेत्रीय दलों का युग जल्द शुरू होगा : बीआरएस

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि लोग कांग्रेस और भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टियों से परेशान हैं, बीआरएस प्रमुख व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने रविवार को कहा कि भारत में क्षेत्रीय पार्टियों का युग जल्द ही शुरू होने वाला है। क्षेत्रीय दल अपने क्षेत्रों के दर्द और समस्याओं को समझते हैं और उनके समाधान के लिए तदनुसार कार्य करते हैं।

केसीआर हमेशा सच बोलते हैं। मेरे शब्दों को अंकित कर लो। निकट भविष्य में पूरे भारत में क्षेत्रीय दलों का युग शुरू होने वाला है।

श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की कार्यकारिणी बैठक आयोजित

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की बैठक सिकंदराबाद स्थित अग्रसेन भवन में अध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा ट्रस्ट के मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्व प्रथम अध्यक्ष द्वारा उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया गया। पिछली मीटिंग की मिनट्स सर्व सम्मति से पारित किए गए। बैठक में भवन को वस्तु के हिसाब से ठीक करने हेतु एक कमेटी बनाई गई, जिसमें मनोज अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, श्री किशन अग्रवाल सम्मिलित हैं।

शनिवार 18 नवम्बर 2023 को दीपावली मिलन एवं अन्नकुट प्रसाद आयोजन करने हेतु एक कमेटी बनाई गई, जिसके चेयरमेन नरेंद्र कुमार गोयल हैं। इसमें समाज के वरिष्ठ व विशिष्ट सदस्यों का सम्मान करने हेतु निर्णय लिया गया। एक पॉली क्लिनिक बनाने का विचार किया गया गोविंद गुप्ता को इसकी विस्तृत जानकारी देने हेतु आग्रह किया गया। बैठक में चेयरमैन नरेंद्र कुमार गोयल, मैनेजिंग ट्रस्टी गोविंद गुप्ता, अध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सहमंत्रीं मनोज अग्रवाल,राजेंद्र कुमार अग्रवाल, ट्रस्टी गण श्री किशन अग्रवाल, कैलाश चन्द्र अग्रवाल, महेश कुमार केडिया, संजय कुमार सिंघानिया आदि उपस्थित थे। मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक का समापन हुआ।

बिहार में गरजे अमित शाह, कहा

भ्रष्टाचार करने वालों के साथ नीतीश कुमार सत्ता का राज भोग रहे

पटना, 5 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को एक दिवसीय दौरे पर बिहार के मुजफ्फरपुर पहुंचे. मुजफ्फरपुर के पताही हवाईअड्डा मैदान में सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह बिहार की महागठबंधन सरकार पर खूब गरजे. अमित शाह ने कहा कि इंडी अलायंस का एक ही एजेंडा है नरेंद्र मोदी का विरोध करना. भ्रष्टाचार करने वालों के साथ नीतीश कुमार सत्ता का राज भोग रहे हैं. आज लालू की गोद में बैठे हैं. तय आपको करना है कि 2जी घोटाला करने वाला इंडी अलांयस चाहिए या 5जी देने वाली मोदी सरकार. आज मैं जब उत्तर बिहार में आया हूं तब 2024 में 40 की 40 सीटें मोदी की झोली में डाल दीजिए. 2025 में बिहार में बीजेपी की सरकार बनानी है. क्योंकि आपने जब-जब आशीर्वाद दिया एक पलटू राम (नीतीश कुमार) ने जनादेश का द्रोह किया. लोगों से अमित शाह ने सवाल पूछा कि आपने लालू के जंगलराज के खिलाफ वोट दिया था कि नहीं दिया था? ये पलटूराम ने प्रधानमंत्री बनने के लिए बिहार के जनादेश का द्रोह किया. बिहार में जंगलराज की भेंट चढ़ाने का काम नीतीश कुमार ने किया है. अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जी 20 का आयोजन हुआ. दिल्ली घोषणा पत्र को सभी देशों ने सर्वसम्मति के साथ स्वीकार कर नरेंद्र मोदी का सम्मान किया है. गृह मंत्री ने सभा में आए लोगों से कहा कि कश्मीर हमारा है या नहीं है? 370 हटना चाहिए था या नहीं? कई लोगों ने विरोध किया था. कहा था खून की नदियां बहेंगी. लालू यादव का नाम लेते हुए कहा कि खून की नदियां छोड़ो किसी की हिम्मत नहीं हुई कंकड़ चलाने की. नरेंद्र मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक करके सबको सीधा करने का काम किया. चांद पर तिरंगा फहराया. नया संसद भवन बना. महिलाओं को आरक्षण दिया.

तेल-पानी एक नहीं हो सकताः अमित शाह

कार्यक्रम के दौरान नीतीश-लालू पर अमित शाह ने जमकर हमला किया. अमित शाह ने कहा, नीतीश बाबू प्रधानमंत्री छोड़ दो, इंडिया गठबंधन ने संयोजक नहीं बनाया. मैंने पहले भी कहा था कि तेल-पानी एक नहीं हो सकता है. आगे-आगे देखिए लालू यादव क्या करते हैं. आप हर रोज छटपटा रहे हैं. लालू जी से निकलना तो है लेकिन रास्ता नहीं बना है इसलिए कभी कांग्रेस पर भड़ास निकालते हैं.

हिंदू धर्म को लेकर युवक ने की टिप्पणी, वीडियो वायरल हुई तो पुलिस ने निकाली हवा

गाजियाबाद, 5 नवंबर (एजेंसियां)। शहर के ही रफीकाबाद के रहने वाले एक युवक का हिंदू धर्म को लेकर अपशब्द कहे जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं वीडियो वायरल होने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम अयान कुरैशी बताया है। इस युवक की वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई इस वीडियो को कई लाख लोगों ने देखा है। वहीं सोशल मीडियो पर भी इस वीडियो को लेकर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। बता दें कि वायरल वीडियो में अयान कुरैशी नाम का युवक हिंदू धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहा है।

लोकसभा चुनाव से पहले सपा को यूपी में बड़ा झटका

कल कांग्रेस में शामिल होंगे अखिलेश के ये करीबी नेता

लखनऊ, 5 नवंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। दरअसल सपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव रवि वर्मा ने पार्टी इस्तीफा दे दिया था और आज रविवार को उन्होंने बताया कि वह छह नवंबर को कांग्रेस में शामिल होंगे। पूर्व सपा नेता ने पार्टी से इस्तीफा देने का कारण बताते हुए कहा- 'मैने लगभग 25 वर्षों तक समाजवादी पार्टी के लिए काम किया है। पिछले कुछ वर्षों से पार्टी कुछ नए लोगों की एंट्री हुई है। जो कि सीधे तौर पर अखिलेश यादव से मिले और पार्टी में पद ले लिया लेकिन उन्होंने कभी ग्रामीण इलाकों में चुनावी रणनीति पर काम नहीं किया है।

रवि वर्मा ने लगाया आरोप

रवि वर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा- 'इस बीच ठेकेदारों और भ्रष्ट अधिकारियों का सिंडिकेट बनना शुरू हो गया। पार्टी में किसी के पास जनता के लिए काम करने का समय नहीं था। सभी पार्टी में शामिल होकर करोड़पति बनना चाहते थे और पावर हासिल करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा- जब हालात बिगड़ने लगे तो मैंने सपा छोड़कर पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा- इन मुद्दों पर मैने सीधे अखिलेश से बात की थी लेकिन उन्होंने इस पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया और मुझे लगा मैं पार्टी में अपमानित महसूस कर रहा हूं। इसलिए मैने पार्टी छोड़ने का निर्णय लिया है। अखिलेश यादव और राहुल गांधी में अच्छे नेता के सवाल पर उन्होंने कहा- मैं दोनों नेताओं में तुलना नहीं करुंगा लेकिन इस समय टाईमटेस्ट राहुल गांधी दे रहे हैं।

'चुनाव तक विपक्षी गठबंधन तितर-बितर हो जाएगा'

अश्विनी चौबे का इंडिया गठबंधन पर हमला

पटना, 5 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे शाम पटना में एक कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में इंडिया गठबंधन और उसके नेताओं पर जमकर बरसे। अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि यह घमंडिया गठबंधन है और ठगों की जमात है। घमंडिया गठबंधन के लोग देश के लोगों को दिग्भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। इन लोगों की आपस में ही नहीं बनती है और चुनाव आते-आते सब तितर-बितर हो जाएंगे। अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि चुनाव आते-आते कोई औने मुंह गिरेगा तो कोई पौने मुंह गिरेगा। कोई बंगाल की खाड़ी में समा तो कोई नेपाल की तराई में जाएगा। नरेंद्र मोदी को देश की जनता ने स्वीकार किया है। दुनिया के क्षितिज पर नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता एक सर्वमान्य नेता के रूप में बनी है। इन सब चीजों से इन लोगों के पेट में दर्द हो रहा है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि एक अति पिछड़ा, एक गरीब का बेटा प्रधानमंत्री बना है तो कांग्रेस, जेडीयू और आरजेडी के लोगों के पेट में दर्द हो गया। लोग मोदी हटाओ की बात करते हैं जबकि नरेंद्र मोदी एक लोकप्रिय नेता के रूप में दुनिया में स्थापित हो चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सेवक रूप में जनता के आशीर्वाद से दो तिहाई मतों से फिर प्रधानमंत्री बनेंगे। उधर, दिल्ली में प्रदूषण के खतरे पर अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि अधिकारियों के साथ हमारी मीटिंग लगातार चलती रही है। 2014 के बाद हमने एक कमीशन का गठन किया है। पंजाब और सीमांत प्रदेशों में पराली जलाने की बात होती थी। 1900 जगह पर पराली जलाने की सूचना मिली थी जिसे हमने आयोग के माध्यम से पंजाब सरकार को भेजा है। हर महीने पदाधिकारी और मंत्रियों के स्तर पर इसकी समीक्षा होती है।

अमित शाह की सभा से पहले नीतीश ने की अपनी पार्टी के दो बड़े नेताओं से मुलाकात, निकाले जा रहे हैं मायने

पटना, 5 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों इस तरह एक्टिव हैं कि सुबह-सुबह कहीं पहुंच जा रहे हैं। कभी सचिवालय तो कभी अपनी पार्टी के नेताओं के घर जाकर मिल रहे हैं। कभी अधिकारियों से भी मिलने पहुंच जा रहे हैं। रविवार को भी कुछ ऐसा ही हुआ। एक तरफ गृह मंत्री अमित शाह मुजफ्फरपुर के पताही हवाई अड्डा मैदान में सभा को संबोधित करेंगे तो उससे पहले नीतीश कुमार अपनी पार्टी के दो बड़े नेताओं से मिलने पहुंच गए। नीतीश कुमार रविवार की सुबह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह से मिलने पहुंचे। सुबह-सुबह नीतीश कुमार ने इस तरह ललन सिंह के यहां पहुंचकर चौंका दिया है। एक तरफ अमित शाह आने वाले हैं तो दूसरी ओर इस तरह मुलाकात के मायने जो भी हों लेकिन इसे राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि इस मुलाकात को एक शिष्टाचार मुलाकात ही बताया जा रहा है लेकिन यह भी तय है कि जब दो नेता मिलेंगे तो राजनीति पर भी बात होगी। यह मुलाकात उस समय में हुई है जब बीजेपी के दिग्गज नेता का बिहार आना हो रहा है।

ललन सिंह के बाद वशिष्ठ नारायण सिंह से मिले नीतीश

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के आवास पर कुछ देर रहने के बाद नीतीश कुमार यहां से रवाना हो गए। इसके बाद वो पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह से मिलने के लिए पहुंच गए। ललन सिंह और वशिष्ठ नारायण सिंह से सीएम की यह मुलाकात उसी क्रम का हिस्सा है जिसमें वो अक्सर नेताओं से मिलने इन दिनों उनके आवास पर अचानक पहुंच जा रहे हैं। वजह जो भी हो लेकिन मुलाकात को अहम माना जा रहा है। बता दें कि बीते शनिवार को भी नीतीश कुमार ने ऐसे ही सरप्राइज दिया था। वो सुबह-सुबह जेडीयू कार्यालय पहुंच गए थे। इसके बाद वित्त मंत्री और करीबी विजय कुमार चौधरी के आवास पर मिलने गए थे। यहां कुछ देर रहने के बाद वो अपने सचिव दीपक कुमार के आवास पर भी गए थे। दोनों से मुलाकात के बाद अपने आवास पर लौट गए। इसके अवाला भी नीतीश कुमार कभी विकास भवन तो कभी विश्वेश्वरैया भवन में अचानक पहुंचकर निरीक्षण कर चुके हैं। इन दिनों नीतीश कुमार इस तरह से अचानक खूब निकल रहे हैं।

असम की तर्ज पर होगी 'गौरी' की देखभाल, पैदा होने के 12 दिन बाद मां की हो गई थी मौत

कानपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। इंसान हो या जानवर कम उम्र में अगर मां का साथ छूट जाता है तो बच्चे को पालना बेहद मुश्किल होता है। कानपुर प्राणी उद्यान में अभी कुछ दिन पहले मादा गैंडा मानु ने एक बच्चे को जन्म दिया था। जन्म देने के 12 दिनों बाद मां की हार्ट अटैक से मौत हो गई है। जिसके बाद अब गौरी अकेले हो गई है। गौरी मादा गैंडा मानु की बेटी है जो अभी कुछ दिन पहले ही इस दुनिया में आई थी और अब उसके सर से मां का साया उठ गया है। अब कानपुर प्राणी उद्यान गौरी को मां का प्यार देने की पूरी कोशिश कर रहा है। गौरी को किसी तरीके की कोई कमी ना हो और उसकी पर्याप्त मात्रा में जितना पोषण चाहिए वह भी मिल सके इसके लिए कानपुर प्राणी उद्यान ने नई तकरीब निकली है। अब गौरी का पोषण असम में 14 गैंडों के बच्चों पर हुए प्रयोग के तर्ज पर किया जाएगा। उसी तर्ज पर उसकी देखभाल की जाएगी। जिसके तहत आप उसे कम फैट वाला दूध दिया जा रहा है। उसे एक अलग बारे में रखा गया है। जहां 24 घंटे उसकी निगरानी की जा रही है। डॉक्टरों की टीम लगातार बच्चों की निगरानी कर रहे हैं। उसे किसी तरीके की कोई दिक्कत ना हो और वह आराम से रह सके इसका पूरा ध्यान कानपुर प्राणी उद्यान रख रहा है। बता दें बीते शुक्रवार को अचानक तबियत बिगड़ने से मादा गैंडा मानु की मौत हो गई थी। जिससे हर कोई सकते में आ गया था।

वर्दी की धौंस! कोर्ट में चल रहा मामला तो भी पुलिस ने दुकानों पर चलवा दिया बुलडोजर

बाराबंकी, 5 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस ने बाराबंकी में फर्जी तरीके से मारपीट करते हुए दुकानदारों की दुकानों को जबरन गिरा दिया। मामले ने तूल पकड़ा तो कोर्ट से आदेश के बाद बाराबंकी एसपी ने लूट और मारपीट का मुकदमा दर्ज कर पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है। हाई कोर्ट के सख्त आदेश के बाद आरोपी पुलिसकर्मियों पर यह एक्शन लिया गया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। दरअसल पूरा मामला बाराबंकी जिले के जैदपुर कोतवाली क्षेत्र का है। यहां कुछ दुकानों का मामला काफी दिनों से चल रहा था जिसको लेकर जैदपुर कोतवाली प्रभारी अनिल कुमार पांडे और चौकी इंचार्ज सतीश कुमार सहित दो सिपाहियों ने जबरन उन दुकानों पर बुलडोजर चलवा दिया। बता दें कि यह मामला फिलहाल हाई कोर्ट लखनऊ में चल रहा है। इसके बाद कोर्ट के सख्त आदेश जारी किए गए।

उन्नाव रेप पीड़िता ने अब अपनी मां-बहन और चाचा के खिलाफ ही करवाया केस दर्ज, आखिर क्या है मामला

उन्नाव, 5 नवंबर (एजेंसियां)। 6 साल पहले उत्तर प्रदेश के उन्नाव में हुए माखी कांड ने पूरे प्रदेश को हिला कर रख दिया था। यहां भारतीय जनता पार्टी के विधायक कुलदीप सिंह सेंगर पर रेप का आरोप लगा था, जिससे यूपी की सियासत में भूचाल आ गया था। अब इस केस की पीड़िता को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल उन्नाव रेप पीड़िता ने अब अपनी ही मां, बहन और चाचा के खिलाफ पुलिस में केस दर्ज करवाया है। पीड़िता ने अपनी मां-बहन और चाचा पर प्रताड़ित करने और सरकार द्वारा दी गई रकम को हड़पने का आरोप लगाया है। उन्नाव के माखी थाने में ही पीड़िता ने अपनी मां-बहन और चाचा समेत 4 लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है।

अपनी ही मां-बहन और चाचा पर लगाया आरोप

दरअसल भाजपा विधायक रहे कुलदीप सिंह सेंगर पर रेप का आरोप लगाने वाली पीड़िता ने अब उन्नाव के माखी थाने में अपनी ही मां, बहन, चाचा और एक अन्य महिला दोस्त के खिलाफ पुलिस में केस दर्ज करवाया है। दर्ज कराई गई एफआईआर में पीड़िता ने बताया है कि वह गर्भवती है और इस हालत में उसके अपने ही परिजन उसके खिलाफ साजिश रच रहे हैं।

परिजनों से है जान का खतरा

पीड़िता का कहना है कि उसकी और उसके पति की जान को खतरा पैदा हो गया है। मां और चाचा ने मिलकर उसे दी गई सारी सरकारी सहायता को हड़प लिया है। पीड़िता का आरोप है कि तिहाड़ जेल में बंद उसके चाचा ने उसकी मां के साथ मिलकर सरकार व तमाम गैर सरकारी संगठनों के द्वारा उसे मिली आर्थिक मदद की रकम और सरकारी मकान, सब कुछ हड़प लिया है। पीड़िता का कहना है कि जब उसके साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया गया, तब वह नाबालिग थी और उसके चाचा ही उसके केस की पैरवी कर रहे थे। आरोप है कि इस दौरान चाचा ने ही अपनी महिला मित्र के माध्यम से उसे मिलने वाली आर्थिक रकम को अपने परिवार के खाते में ट्रांसफर करवा दिया था।

'मां और बहन भी धमका रहे हैं'

पीड़िता का कहना है कि अब जब उसे पैसे चाहिए तो उसकी मां, बहन और चाचा उसे धमकी दे रहे हैं। पीड़िता ने अपनी मां पर ये भी आरोप लगाया है कि वह कांग्रेस से चुनाव लड़ चुकी हैं और उनकी राजनीतिक पहुंच भी है। उसे जान का खतरा है। पीड़िता का कहना है कि उसके चाचा भी अपराधी हैं। ऐसे में वह दर-दर भटकने के लिए मजबूर है। उसे और उसके पति को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर आईपीसी की धारा 406, 506 के तहत केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल ये मामला चर्चाओं में बना हुआ है।

अयोध्या में महसूस हुए भूकंप के झटके घरों से बाहर भागे लोग

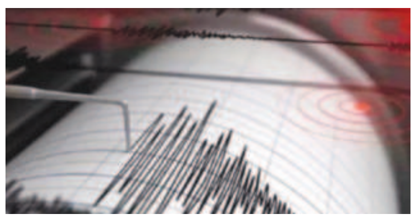

अयोध्या, 5 नवंबर (एजेंसियां)। अयोध्या में रविवार की रात 1 बजे धरती हिलने से हड़कंप मच गया। गनीमत है कि जानमाल के नुकसान की अब तक सूचना नहीं है। लोगों ने भूकंप के हल्के झटके महसूस किए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनएससी) ने बताया कि रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.6 आंकी गई। भूकंप का केंद्र अयोध्या से 215 किमी उत्तर में 10 किमी की गहराई पर था। अफगानिस्तान के फैजाबाद में भी देर रात 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। शुक्रवार की देर रात यूपी समेत देश के कई हिस्सों में धरती हिली थी। जान बचाने के लिए लोग घरों से बाहर आ गए थे।

अयोध्या में फिर हिली धरती

भूकंप के झटके का असर उत्तर भारत में भी देखा गया। लोग अभी दहशत से उबरे भी नहीं थे कि अयोध्या में दोबारा भूकंप के झटके महसूस किए गए। शुक्रवार की देर रात आए 6.4 तीव्रता के भूकंप ने नेपाल में तबाही मचाई है। भूकंप के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 157 हो गई है। एजेंसियां बचाव और राहत के काम में जुटी हैं। मकानों के मलबे में दबे लोगों को निकालने का काम जारी है। कर्मचारी शनिवार से राहत और बचाव के काम में लग गए हैं।

'भारत में भ्रष्टाचार की जनक कांग्रेस, छत्तीसगढ़ घोटाला एक नई नजीर', भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने बोला तीखा हमला

लखनऊ, 5 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के बीच कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत में भ्रष्टाचार की जनक कांग्रेस पार्टी है और आजादी के बाद से दशकों तक सत्ता में रहने वाली इस पार्टी ने भ्रष्टाचार के नित नए कीर्तिमान स्थापित किए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में सामने आया 'महादेव सट्टेबाजी ऐप घोटाला' कांग्रेस के भ्रष्टाचार की यात्रा की एक नई नजीर बनकर सबके सामने है। बीजेपी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि जल-थल-नभ में कांग्रेस सरकारों में हुए भ्रष्टाचार का परिणाम रहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार की पर्याय बन गयी। उन्होंने दावा किया कि हर कांग्रेस शासित राज्य अपने पूर्ववर्ती सरकारों एवं नेताओं से आगे निकलकर भ्रष्टाचार के नए तरीके और क्षेत्र इजाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की जो संस्कृति कांग्रेसियों को विरासत में मिली उसको आगे बढ़ाते हुए अब छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का नाम सामने आया है। छत्तीसगढ़ में हुआ महादेव सट्टेबाजी ऐप घोटाला कांग्रेस के भ्रष्टाचार की यात्रा की एक नई नजीर बनकर सबके सामने है। चौधरी ने यह भी आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सत्ता में रहकर सट्टा का बड़ा खेल खेला। सत्ता में रहते हुए सट्टा कारोबार में रहना छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हकीकत है। बीजेपी नेता ने कहा कि कल भूपेश बघेल के खिलाफ कुछ चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि इस ऐप के 'प्रोमोटर्स' ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को नियमित भुगतान किया और अब तक कुल 508 करोड़ रुपये दिए गए हैं। ईडी ने शुक्रवार को दावा किया था कि फॉरेंसिक विश्लेषण और पैसे का लेन-देन करने वाले एक व्यक्ति के बयान में चौंकाने खुलासे हुए हैं कि महादेव सट्टेबाजी ऐप के प्रवर्तकों ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अब तक 508 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। ईडी ने कहा कि यह जांच का विषय है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले उनकी छवि धूमिल करने का दुर्भावनापूर्ण प्रयास करने का आरोप लगाया।

दारोगा ने जज की कार को रोड पर नहीं दी साइड, कोर्ट में पूरे दिन कटघरे में खड़ा कर दिया

पटना, 5 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के भभुआ में पुलिस गश्ती दल के एक दारोगा द्वारा जज की गाड़ी को रोड पर साइड नहीं देना महंगा पड़ गया। जज ने दारोगा और गश्ती दल के ड्राइवर को कोर्ट में बुलाया। फिर रास्ता बाधित करने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में दारोगा को पूरे दिन कटघरे में खड़ा रहने की सजा सुना दी।

अब यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है।

जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह एडीजे प्रथम संतोष कुमार तिवारी अपनी गाड़ी से अदालत जा रहे थे। शहर के कचहरी मुख्य सड़क पर उनकी गाड़ी को साइड दिए जाने के लिए बार-बार हॉर्न का प्रयोग किया जा रहा था। लेकिन, गश्ती दल के पुलिस अफसर और जवानों के साथ ड्राइवर ने साइड नहीं दी। पूछने पर कहा गया कि साइड नहीं देंगे। पुलिस जीप ने जज की कार को साइड न देकर रास्ता बाधित किया। ट्रैफिक नियम के मुताबिक पीछे वाला वाहन अगर साइड मांग रहा है, तो तत्काल उसे आगे जाने के लिए साइड देना होता है। ऐसी स्थिति में गश्ती दल का नेतृत्व कर रहे पुलिस अफसर को इस मामले में दोषी मानते हुए सजा दी गई। एडीजे प्रथम की अदालत ने रास्ता बाधित करने के आरोप में गश्ती दल के दारोगा को कोर्ट बुलाया। कोर्ट की सूचना पर थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव थाने के दारोगा राम आशीष चालक को लेकर अदालत में उपस्थित हुए। अदालत ने दारोगा की कड़ी फटकार लगाते हुए शाम तक कटघरे में खड़ा रहने की सजा दी। पुलिस वाहन के चालक को भी कड़ी फटकार लगाते हुए हिदायत दी गई। शाम में फिर अदालत ने दोनों को छोड़ दिया।

वजूखाने का सर्वे कराने की अर्जी खारिज करने को चुनौती इलाहाबाद हाई कोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर

प्रयागराज, 5 नवंबर (एजेंसियां)। वाराणसी जिला जज द्वारा 21 अक्टूबर, 2023 के उस आदेश को इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है, जिसमें ज्ञानवापी मस्जिद स्थित वजूखाना क्षेत्र का सर्वेक्षण करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वे को निर्देश देने से इनकार कर दिया गया था। यह पुनरीक्षण याचिका राखी सिंह ने अधिवक्ता सौरभ के माध्यम से दायर की है। याची का कहना है कि वजूखाने की धार्मिक प्रकृति का पता लगाने के लिए सर्वेक्षण आवश्यक है। जिला न्यायाधीश अजय कृष्ण विश्वेश ने अपने आदेश में कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने 17 मई, 2022 के आदेश से यथास्थिति कायम रखने का निर्देश दिया है। इसलिए एएसआइ को इस क्षेत्र का सर्वेक्षण करने का निर्देश देना उचित नहीं है, क्योंकि यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन होगा। पुनरीक्षण याचिका में इस बात पर जोर है कि वजूखाना क्षेत्र का सर्वेक्षण न्याय के हित में आवश्यक है और इससे वादी और प्रतिवादी दोनों को समान रूप से लाभ होगा और उचित निर्णय पर पहुंचने में अदालत को मदद मिलेगी। अपने आदेश में जिला न्यायाधीश की अदालत ने यह कहने में गलती की है कि 21 जुलाई, 2023 के आदेश में (ज्ञानवापी परिसर के सर्वेक्षण के लिए) उसने जानबूझकर विधिवत संरक्षित क्षेत्र को सर्वेक्षण के दायरे से बाहर कर दिया था, क्योंकि जिस आवेदन पर उक्त आदेश पारित किया गया था, उसमें संरक्षित क्षेत्र के सर्वेक्षण की मांग करने वाली कोई प्रार्थना नहीं थी। एएसआइ, वाराणसी जिला न्यायाधीश के 21 जुलाई के आदेश के क्रम में ज्ञानवापी परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कर रहा है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि मस्जिद का निर्माण हिंदू मंदिर की पहले से मौजूद संरचना पर किया गया था अथवा नहीं। वाराणसी जिला न्यायालय ने दो नवंबर 2023 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को 17 नवंबर तक ज्ञानवापी मस्जिद सर्वेक्षण पर अपनी रिपोर्ट अदालत में जमा करने का निर्देश दिया है।

पंजाब में फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में 1225 करोड़ का निवेश

पांच हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

चंडीगढ़, 5 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब में फूड प्रोसेसिंग और अन्य सहायक धंधों में देश-विदेश की कई नामी कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाते हुए 1225 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे आने वाले समय में करीब पांच हजार से अधिक युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। वहीं राज्य प्रगति की राह पर चलेगा। प्रगति मैदान नई दिल्ली में चल रहे वर्ल्ड फूड इंडिया-2023 के दूसरे संस्करण में हिस्सेदार राज्य के तौर पर पंजाब की मौजूदगी में ये समझौते हुए। राज्य की निवेश प्रोत्साहन मंत्री अनमोल गगन मान ने इस मौके पर उद्योगपतियों से की मुलाकात कर उद्योगों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। इस अंतरराष्ट्रीय मेगा फूड इवेंट का आयोजन फूड प्रोसेसिंग उद्योग मंत्रालय की ओर से किया जा रहा है, जिसमें सीनियर सरकारी प्रतिनिधि, निवेशक और प्रमुख विश्व स्तरीय और घरेलू एग्री-फूड कंपनियों के दिग्गज मौजूद रहे। पंजाब सरकार ने पिछले डेढ़ साल के दौरान इन्वेस्ट पंजाब समिट और सरकार-उद्योगपति मिलनी प्रोग्राम आयोजित कर निवेशकों की पंजाब में दिलचस्पी बढ़ाई है। इसके बाद राज्य में निवेश की राह साफ हुई है। याद रहे कि इससे पहले पंजाब में टाटा स्टील जैसी कई नामी कंपनियों ने निवेश किया।

भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से नशा तस्कर गिरफ्तार

10.25 करोड़ का सोना जब्त, सोने का वजन 16.7 किलोग्राम

कोलकाता, 5 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण बंगाल सीमांत के अंतर्गत, सीमा चौकी रनघाट, 68वीं वाहिनी के सतर्क जवानों को एक बहुत बड़ी सफलता हाथ लगी है। जवानों ने पुख्ता खबर के आधार पर अपनी जिम्मेवारी के इलाके से 17 गोल्ड बार के साथ एक तस्कर को पकड़ा। जब्त सोने का वजन लगभग 16.7 किलोग्राम है और उसकी अनुमानित कीमत 10.25 करोड़ रूपये है।

गुप्त सूचना के तहत की छापेमारी

जानकारी के अनुसार, सीमा चौकी रनघाट, 68वीं वाहिनी के जवानों को पुख्ता खबर मिली कि उनके इलाके में सोने की बहुत बड़ी तस्करी होने वाली है। सूचना प्राप्त होते ही कमांडर की अगुवाई में जवानों की दो टुकड़ियों ने संदिग्ध इलाके में सड़क के किनारे घात लगाया। तकरीबन 11 बजे जवानों ने एक संदिग्ध बाइक सवार को आते देखा। बाइक सवार के नजदीक आने पर जवानों ने उसे रोका और पूछताछ की। पूछताछ के दौरान व्यक्ति घबरा गया तो जवानों ने बाइक व व्यक्ति की गहन तलाशी ली। तलाशी के दौरान व्यक्ति की कमर में बंधे कपडे की बेल्ट के अंदर से सोने की 17 ईंटे मिली। जवानों ने सोने को जब्त करते हुए बाइक चालक को गिरफ्तार कर लिया। तस्कर इन सोने की ईंटो को बांग्लादेश से भारत में लाने की कोशिश कर रहा था।

कानूनी कार्रवाई के लिए कस्टम विभाग को सौंपा

पकड़े गए तस्कर की पहचान अजर मंडल, (उम्र 27 वर्ष), पिता सिराजुल मंडला, गांव राजकोल, जिला उत्तर 24 परगना के रूप हुई। पूछताछ के दौरान तस्कर ने बताया कि वह गरीब आदमी है और फूलों को खेती करता है तथा वह पिछले कुछ दिनों से सीमा पार तस्करी में लिप्त है। आरोपी तस्कर ने बताया कि उसने ये सामान बांग्लादेश के मटिला गांव के रहने वाले आलम मंडल से लिया और जिसे आगे वह बनगांव में एक और तस्कर को देने जा रहा था। लेकिन रास्ते में सीमा सुरक्षा बल के जवानो ने तलाशी के दौरान सोने को पकड़ लिया। पकड़े गए तस्कर और जब्त किए गए सोने को आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए कस्टम विभाग, कोलकाता को सौंप दिया गया है।

पहले भी एक तस्कर को 23 किलो सोने के साथ किया था गिरफ्तार

सितंबर महीने में भी रनघाट सीमा चौकी के जवानों ने 23 किलो सोना की बड़ी खेप जब्त की थी। और एक तस्कर को भी दबोचा था। इस वर्ष अभी तक दक्षिण बंगाल सीमांत ने 150 किलो सोना जब्त किया है। श्री ए के आर्य, डीआईजी, जन संपर्क अधिकारी, दक्षिण बंगाल सीमांत, बीएसएफ ने जवानों की इस उपलब्धि पर खुशी जतायी है। उन्होंने कहा कि कुख्यात तस्कर गरीब और भोले-भाले लोगों को मामूली रकम का लालच देकर अपने जाल में फंसा लेते हैं। कुख्यात तस्करों का गिरोह तस्करी जैसे अपराधों में प्रत्यक्ष रूप से सामने नहीं आता इसलिए वे गरीब लोगों को अपना निशाना बनाते हैं।

संघ की रणनीति, गुजरात से आये मंत्री ने कहा

लोगों को बताओ राम मंदिर के लिए सरकार ने कैसे लड़ाई लड़ी

उज्जैन, 5 नवंबर (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर से भाजपा मध्यप्रदेश की 230 विधानसभा में चुनावी जीत का परचम लहराने की तैयारी कर रही है। इस बार खास बात यह है कि यह चुनाव गुजरात फार्मूले पर किया जा रहा है। उज्जैन के भारत माता मंदिर में गुजरात से आए जिला विधानसभा चुनाव प्रभारी और गुजरात की भूपेंद्र पटेल सरकार में मंत्री जगदीश विश्वकर्मा की उपस्थिति में संघ के आनुषांगिक संगठनों और भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं की बैठक कार्यशाला के रूप में हुई। संघ के विभाग कार्यवाहक पारस गहलोत ने इसका नेतृत्व करते हुए बताया कि कैसे अयोध्या के राम मंदिर सहित अन्य मुद्दों को लेकर लोगों के बीच पहुंचना है। मंत्री विश्वकर्मा सहित गुजरात के अन्य नेताओं ने भी उज्जैन में डेरा डाल दिया है, जो चुनाव की सभी गतिविधियों पर नजर रखे हुए हैं। 2024 लोकसभा चुनाव के लिहाज से 2023 विधानसभा चुनाव को सेमीफइनल के रूप में देखा जा रहा है। यही कारण है कि संघ इसे लेकर अघोषित रूप से सक्रिय हो गया है। गुजरात के मंत्री विश्वकर्मा की उपस्थिति में संघ ने स्वयंसेवकों और भाजपा नेताओं को निर्देश दिए हैं कि वे 10 से 15 लोगों की छोटी टोली बनाएं और लोगों के बीच पहुंचकर उनका मानस वोटिंग के लिए तैयार करेगी। यह टोली लोगों के बीच जाएगी और बातो बातो मे बताएगी कि मोदी सरकार ने किस तरह राम मंदिर के लिए लड़ाई लड़ी और अब रामलला मंदिर में विराजने जा रहे हैं।

मुफ्त राशन योजना के विस्तार से कांग्रेस को मिले किस बात के संकेत?

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि मुफ्त राशन योजना को 5 साल और विस्तार देने का सरकार का फैसला देश में खतरनाक स्तर पर पहुंच गई आर्थिक बदहाली और बढ़ती असमानताओं का संकेत है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर इस मामले को लेकर अपना रुख बदलने का आरोप लगाया। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में कहा, 'उनकी यह ताजा घोषणा आर्थिक बदहाली और बढ़ती असमानताओं का संकेत है, जो लगातार बढ़कर खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। अधिकतर भारतीयों की आय उस हिसाब से नहीं बढ़ रही जिस दर से आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं।' उन्होंने कहा कि मोदी ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई) को अगले पांच साल तक बढ़ाए जाने की घोषणा की है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सितंबर 2013 में संसद द्वारा पारित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम) का कई बार विरोध किया था। उन्होंने कहा, 'पीएमजीकेवाई और कुछ नहीं बल्कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम) है जो पहले से ही 80 करोड़ भारतीयों को कवर करता है। यह प्रधानमंत्री के 'यू-टर्न' लेने का एकमात्र उदाहरण नहीं है। मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) को लेकर भी उन्हें अपना रुख बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा था। मनरेगा महामारी के दौरान जीवनरक्षक साबित हुआ। मोदी ने शनिवार को दुर्ग में एक रैली में कहा था कि देश के 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन देने वाली योजना को भाजपा सरकार अगले पांच साल के लिए और बढ़ाएगी।

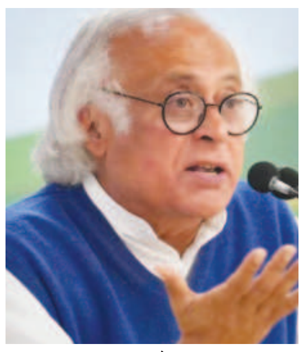

बिना मास्क पहने घर से ना निकलें

बढ़ते प्रदूषण के बाद पंजाब सरकार ने जारी की एडवाइजरी

चंडीगढ़, 5 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के साथ-साथ पंजाब में भी प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। पंजाब में कई शहरों के बढ़ रहे प्रदूषण के स्तर को देखते हुए राज्य की भगवंत मान सरकार ने एडवाइजरी की जारी है। राज्य सरकार ने एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों को मास्क पहनने की सलाह दी है।

साथ ही सरकार ने 9 अन्य निर्देश भी आमजन के लिए जारी किए हैं। सरकार ने लोगों से आग्रह किया है कि वो घर से बिना मास्क लगाए न निकलें। साथ ही इस प्रदूषण से कैसे किसी व्यक्ति को नुकसान हो सकता है और परहेज कैसे किया जाए इसे लेकर भी एडवाइजरी में जानकारी दी गई है। एडवाइजरी में कहा गया है कि सभी पर जोखिम बना हुआ है लेकिन कुछ लोग ज्यादा कमजोर हैं, जिनमें छोटे बच्चे, बुजुर्ग, शुगर व दिल की बीमारियों तथा दमा के रोगी शामिल हैं। ये सभी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। एडवाइजरी में सुबह की सैर से बचने की सलाह दी गई है।

इसके अलावा लोगों से आग्रह किया गया है कि वो घर से बाहर निकल रहे हैं तो फेस मास्क का ही प्रयोग करें। गर्भवती महिलाएं और छोटे बच्चे प्रदूषण से गंभीर रूप से प्रभावित हो सकते हैं। इसके अलावा कोई समस्या महसूस होने पर डॉक्टरों से संपर्क करने और मल्टी विटामिन का सेवन करने की सलाह दी गई है।

महिला सैनिकों को मिला दिवाली उपहार

सेना में सभी रैंक को एक समान अवकाश का अधिकार; रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी हुई सूचना

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्रालय से सशस्त्र बलों में तैनात महिलाओं के छुट्टियों को लेकर एक प्रस्ताव जारी किया गया है। इस प्रस्ताव में महिलाओं की छुट्टियों को लेकर एक नियम बनाया गया है। जारी नियम में बताया गया है कि सेना में सभी महिलाओं के लिए एक समान छुट्टियों का प्रावधान किया जाएगा चाहे वह अधिकारी हो या किसी अन्य रैंक का हो। जारी नियम में कहा गया है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों में महिला सैनिकों, नाविकों और वायु योद्धाओं के लिए उनके अधिकारी समकक्षों के बराबर मातृत्व, बाल देखभाल और बाल गोद लेने की छुट्टियों के नियमों के विस्तार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। नियम जारी होने के साथ, सेना में सभी महिलाओं के लिए ऐसी छुट्टियों का अनुदान समान रूप से लागू होगा, चाहे वह अधिकारी हो या किसी अन्य रैंक का हो। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार 'नारी शक्ति' को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए तमाम प्रयास कर रही है। अब तीनों सेनाओं की महिला सैनिकों के लिए अफसरों के बराबर छुट्टियां मंजूर कर एक आदर्श बदलाव की शुरुआत की है। महिला अग्निवीरों की भर्ती से सशस्त्र बल देश की भूमि, समुद्र और हवाई सीमाओं की रक्षा के लिए महिला सैनिकों, नाविकों और वायु योद्धाओं की बहादुरी, समर्पण और देशभक्ति से सशक्त होंगे।

बाघों के लिए सुरक्षित नहीं उत्तराखंड! पांच सालों में 57 की गई जान, सुरक्षा पर उठ रहे सवाल

देहरादून, 5 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में वन्य जीवों की मौत के मामले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। राज्य में बाघों की मौत का आंकड़ा साल दर साल बढ़ता जा रहा है। आंकड़ों पर नजर डालें तो राज्य में साल 2001 से अब तक 170 से ज्यादा बाघों की मौत हो चुकी है। विभागीय आंकड़ों की मानें तो पिछले 5 सालों में लगभग 57 बाघों की मौत हुई है। ऐसे में अब सरकार की कार्यप्रणाली पर भी उठने शुरू हो गए हैं कि आखिर वन्य जीवों की सुरक्षा को लेकर सरकार की क्या नीति है। उत्तराखंड में बाघों की मौत का आंकड़ा साल दर साल बढ़ता ही गया है। सरकारें वन्य जीवों के संरक्षण को लेकर भले ही बड़े-बड़े दावे करती आ रही हों। लेकिन बाघों की मौत का ये आंकड़ा सरकारी दावों के पोल खोलने के लिए काफी है। साल 2001 से साल 2023 तक राज्य में 170 से ज्यादा बाघों की मौतें हो चुकी हैं। साल 2023 में ही अब तक 19 बाघों की मौत हो चुकी है। ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं। उत्तराखंड में सबसे ज्यादा बाघ जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में पाए जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक इनकी संख्या ढाई सौ के करीब है। वहीं राज्य के अन्य जिलों में बाघों की मौजूदगी पाई गई है। उत्तराखंड देश का पहला ऐसा राज्य है जहां के हर एक जिले में बाघ मौजूद हैं। लेकिन उनकी मौत का आंकड़ा उत्तराखंड वन महकमे के लिए मुसीबत का सबब बन सकता है। पिछले 5 साल में ही 60 के करीब बाघों की मौत हो चुकी है।

स्वतंत्रता सेनानी को पेंशन न जारी करने पर केंद्र सरकार को फटकार

हाई कोर्ट ने लगाया 20 हजार रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। स्वतंत्रता सेनानी 96 वर्षीय उत्तीम लाल सिंह को स्वतंत्रता सैनिक सम्मान पेंशन का भुगतान न करने को लेकर हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को फटकार लगाई। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने केंद्र पर 20 हजार रुपये जुर्माना लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार की पेंशन जारी करने में निष्क्रियता स्वतंत्रता सेनानी का अपमान है। जुर्माना राशि याचिकाकर्ता को छह सप्ताह के अंदर देने का दिया निर्देश पीठ ने केंद्र सरकार को स्वतंत्रता सेनानी की पेंशन एक अगस्त, 1980 से पेंशन राशि के भुगतान की तारीख तक छह प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज के साथ 12 सप्ताह के अंदर जारी करने का निर्देश दिया। पीठ ने केंद्र सरकार को जुर्माना राशि याचिकाकर्ता को छह सप्ताह के अंदर देने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि वह यह समझने में असमर्थ है कि जब बिहार राज्य ने पहले ही पेंशन देने के लिए सिंह के नाम की सिफारिश की थी और संबंधित जिला मजिस्ट्रेट ने पिछले साल उनके नाम का सत्यापन किया था, तो फिर स्वतंत्रता सेनानी को पेंशन क्यों नहीं दी जा रही है। पीठ ने कहा कि पेंशन योजना की मूल भावना केंद्र सरकार के अड़ियल रवैये से पराजित हो रही है। देश की आजादी की लड़ाई लड़ने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के साथ केंद्र सरकार की ओर से जिस तरह का व्यवहार किया जा रहा है उसे देखना दर्दनाक है। कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ने वाले और खून बहाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने के लिए स्वतंत्रता सैनिक सम्मान पेंशन योजना की घोषणा की गई थी। लेकिन 96 साल के एक स्वतंत्रता सेनानी को अपनी वाजिब पेंशन पाने के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता से संबंधित सभी दस्तावेजों को बिहार सरकार की ओर से सत्यापित किया गया है।

चार धाम की यात्रा के नाम पर 35 लोगों के साथ ठगी, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, 5 नवंबर (एजेंसियां)। धर्म के नाम पर कई तरह के फ्रॉड और जालसाजियां आम तौर पर होती रहती हैं, लेकिन मुंबई में धर्म के नाम पर 35 लोगों के साथ लाखों की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने चार धाम यात्रा के नाम पर 35 लोगों को बहलाया और फिर उनसे लाखों की रकम ऐंठ ली। वहीं जब चारधाम यात्रा पर जाने का समय आया तो आरोपी पैसे लेकर फरार हो गया। हालांकि पीड़ितों के द्वारा पूरे मामले की पुलिस से शिकायत की गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आरोपी की तलाश भी शुरू कर दी। वहीं पुलिस को आरोपी के मुंबई में होने की सूचना मिली तो पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, शहर की कांदिवली पुलिस ने एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है, जो चार धाम की तीर्थ यात्रा के नाम पर बुजुर्ग नागरिकों के साथ ठगी करता था।

शॉपिंग मॉल के चेंजिंग रूम में किया महिला से रेप, स्टोर के कर्मचारी पर केस दर्ज

इंदौर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर के एक शॉपिंग मॉल में महिला से रेप का मामला सामने आया है। शॉपिंग मॉल के चेंजिंग रूम में महिला के साथ स्टोर के कर्मचारी ने ही रेप किया। महिला ने बताया कि उसके साथ कई बार रेप किया गया। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर स्टोर के कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला इंदौर के टीआई शॉपिंग मॉल का है। 35 साल की एक महिला ने रेप का केस दर्ज करवाया है। महिला ने पुलिस को बताया है कि यहां एक निजी स्टोर के कर्मचारी ने उसके साथ रेप किया। तुकोगंज पुलिस ने बताया कि घटना एमजी रोड के टीआई मॉल के चेंजिग रूम की है। यहां पर तन्मय पुत्र नितिन कुराड़े निवासी मोती तबेला ने महिला के साथ कई बार रेप किया। महिला ने बताया कि वह भी यहां काम करती थी। महिला और तन्मय के बीच दोस्ती हो गई और फिर दोनों एक दूसरे से बातचीत करने लगे। इस दौरान तन्मय ने उससे शादी का वादा किया और फिर एक दिन चेंजिंग रूम में बुलाकर महिला के साथ रेप किया। महिला ने बताया कि बाद में तन्मय ने उसे अनुसूचित जाति का कहकर शादी करने से इंकार कर दिया। इस बीच तन्मय ने कई बार उसके साथ रेप किया। जब महिला तन्मय से परेशान हो गई तो उसने पुलिस का सहारा लिया और केस दर्ज करवाया।

टाइम मैगजीन के कवर पेज पर छाई बांग्लादेशी पीएम शेख हसीना

कहा-'मैं अपने लोगों के वास्ते मरने के लिए तैयार हूं'

ढाका, 5 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना अमेरिका की फेमस मैगजीन टाइम के कवर पेज पर जगह बनाने वाली महिला बनीं। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के जरिए उनकी सरकार को हटाना मुश्किल है। आपको बता दें कि बांग्लादेश में जनवरी 2024 में प्रधानमंत्री के चुनाव होने हैं। इंटरव्यू में कहा कि मुझे विश्वास है कि मेरी आवाम मेरे साथ है। वे मेरी मुख्य ताकत हैं। ।लोकतांत्रिक व्यवस्था के जरिए मुझे हटाना इतना आसान नहीं है। मुझे हटाने का एकमात्र तरीका है कि वो मुझे खत्म करे दें। मैं अपने लोगों के वास्ते मरने के लिए तैयार हूं। न्यूयॉर्क स्थित समाचार संस्थान टाइम ने बताया कि पत्रिका के 20 नवंबर के संस्करण के कवर पेज पर हसीना को जगह मिली है। यह संस्करण 10 नवंबर को बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।

टाइम मैगजीन ने की तारीफ

टाइम के चार्ली कैम्पबेल ने कवर स्टोरी में जिक्र किया कि 76 साल की उम्र में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री ऐसी राजनीतिक सोच का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिन्होंने 17 करोड़ की आबादी वाले इस देश को देहाती जूट उत्पादक से एशिया-पैसिफिक को तेजी से उभरती इकोनॉमिक्स में बदल दिया। पहले 1996 से 2001 के कार्यकाल के बाद 2009 से पद पर रहते हुए वह दुनिया में किसी देश की सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली महिला प्रमुख हैं। उन्हें फिर से सिर उठा रहे इस्लामवादियों और एक समय में हस्तक्षेप करने वाली सेना दोनों के पर कतरने का श्रेय दिया जाता है। कैम्पबेल ने लिखा कि मार्गरेट थैचर या इंदिरा गांधी से ज्यादा बार चुनाव जीत चुकीं हसीना जनवरी में भी इस पद पर बने रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शेख हसीना की हत्या की 19 बार कोशिश

रिपोर्ट के मुताबिक टाइम मैगजीन में चार्ली कैम्पबेल ने जिक्र किया कि शेख हसीना के प्रधानमंत्री रहते हुए 19 बार हत्या की कोशिश की गई है। हाल के महीनों में मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के समर्थकों की सुरक्षा बलों से झड़प हुई है जिसके बाद सैकड़ों लोगों की गिरफ्तारी हुई। आपको बता दें कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) एक कट्टर इस्लामिक पार्टी है, जिसका झुकाव पाकिस्तान की तरफ ज्यादा रहता है। वहीं बीएनपी के समर्थकों और सुरक्षा बल के झड़प में पुलिस वाहनों और सरकारी बसों में आग लगायी गयी और कई लोगों की हत्या की गयी। बीएनपी ने 2014 और 2018 की तरह तब तक चुनाव का बहिष्कार करने का संकल्प लिया है।

जमानत पर रिहा आतंक से जुड़े आरोपियों की जीपीएस एंकलेट से होगी ट्रैकिंग, ऐसा करने वाला पहला राज्य

जम्मू, 5 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में जमानत पर रिहा होने वाले आतंक से जुड़े आरोपियों की ट्रैकिंग अब जीपीएस एंकलेट से की जाएगी। उधमपुर के एक आरोपी पर यह प्रयोग किया गया है। इसके साथ ही ऐसा करने वाला जम्मू कश्मीर देश का यह पहला राज्य बन गया है। इस तरह के उपकरण का प्रयोग अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड में जमानत, पेरोल तथा नजरबंदी के आरोपी की ट्रैकिंग के लिए किया जाता है। जीपीएस ट्रैकर एंकलेट को आरोपी की एड़ी में फिक्स किया जाता है जिससे उसके मूवमेंट की हर पल की जानकारी रहती है। राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) के अनुसार यूएपीए मामले में बंद उधमपुर के गुलाम मोहम्मद भट पर एंकलेट का प्रयोग किया गया है।

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर सख्त हुई केरल पुलिस, दर्ज किए 54 मामले

तिरुवनंतपुरम, 5 नवंबर (एजेंसियां)। कोच्चि में कलामासेरी के पास एक ईसाई प्रार्थना सभा में हाल ही में हुए विस्फोटों के बाद केरल पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सोशल मीडिया के माध्यम से सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ सामग्री फैलाने के लिए 54 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने शनिवार को कहा कि मलप्पुरम जिले में सबसे अधिक 26 मामले दर्ज किए गए हैं। वही, एर्नाकुलम जिले में 15 और तिरुवनंतपुरम में पांच मामले दर्ज किए गए हैं।

कई फर्जी प्रोफाइलों की हुई पहचान

पुलिस ने अपने एक आधिकारिक बयान में बताया कि त्रिशूर और कोट्टायम में दो-दो मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि पथानामथिट्टा, अलाप्पुझा, पलक्कड़ और कोझिकोड ग्रामीण में एक-एक मामला सामने आया है। पुलिस ने कहा कि उन्होंने कई फर्जी प्रोफाइलों की भी पहचान की है, जिसका इस्तेमाल भड़काऊ पोस्ट को शेयर करने के लिए किया गया था।

राज्य साइबर सेल लगातार रखे हुए है नजर

पुलिस ने कहा कि सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ सामग्री फैलाने वाले फेक प्रोफाइलों के आईपी एड्रेस की पहचान करने के लिए सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (पूर्व में ट्विटर), व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से अनुरोध किया गया है। केरल पुलिस ने बताया कि राज्य में साइबर सेल ऐसे हैंडलों की पहचान करने के लिए लगातार चौबीसों घंटे काम कर रहा है।

कई धमाकों से दहल उठा था केरल

मालूम हो कि केरल के एर्नाकुलम स्थित एक कन्वेंशन सेंटर में 29 अक्टूबर को एक के बाद एक कई धमाके हुए थे। यह धमाके उस समय हुए जब कलामासेरी इलाके में ईसाइयों की प्रार्थना सभा हो रही थी। धमाके के समय घटनास्थल पर 2000 लोग मौजूद थे, जिनमें से तीन की मौत हो गई। वहीं, 45 अन्य लोग घायल हो गए थे।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 6 नवंबर - 2023

बीएचयू की शर्मनाक घटना

देर रात अपने साथी के साथ वाराणसी के हिंदू विश्वविद्यालय यानी बीएचयू में एक छात्रा हास्टल जा रही थी कि रास्ते में उससे छेड़छाड़ की जैसी घटना सामने आई है उसने सभ्य नागरिकों को झकझोर कर रख दिया है। इसके साथ ही यह भी साफ हो गया है कि महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध को लेकर सरकार और पुलिस किस हद तक लापरवाही बरत सकती है। एक ओर जहां यूपी सरकार यह दावे करती नहीं थकती कि उसके राज में अपराधियों के हौसले पस्त पड़ गए हैं और उत्तर प्रदेश अब अपराध मुक्त राज्य बन चुका है। वही बीएचयू की यह घटना कैसे हो जाती है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि बीएचयू परिसर में रात में बाहर से अपराधी तत्त्व न सिफ घुस कर घूमते हैं, बल्कि काफी देर तक छात्राओं से बदसलूकी करके फरार भी हो जाते हैं। खबरों के अनुसार जो तीन युवक मोटरसाइकिल से परिसर में घुसे थे, उन्हें रोकने-टोकने या पूछताछ करने वाला वहां कोई नहीं था। नतीजतन अपराधियों ने अपने एक दोस्त के साथ टहल रही छात्रा को हथियार के बल पर काबू में कर लिया। उसके दोस्त से मारपीट की और छात्रा को अलग ले जाकर जबर्दस्ती बदसलूकी की। छात्रा किसी तरह जान बचा कर एक प्राध्यापक के घर में घुस गई, तब जाकर कहीं उसे मदद मिल सकी। वाराणसी का कोई आम इलाका होता तो एक बार इस घटना पर संतोष किया जा सकता था लेकिन आम इलाकों के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित माने जाने वाले विश्वविद्यालय परिसर में अपराधियों ने बेलगाम होकर अपनी कृत्य को अंजाम दिया है, जो अत्यंत गंभीर और शर्मनाक है। बता दें कि बीएचयू परिसर उत्तर प्रदेश के सबसे व्यवस्थित और सुरक्षित क्षेत्रों में शुमार है। यदि वह परिसर भी छात्राओं के लिए सुरक्षित नहीं है तो फिर भगवान भी मालिक नहीं हैं। ऐसी घटनाओं से सरकार के उस दावे को ही पलीता लग जाता है जो यह कहते नहीं अघाती कि उसके राज्य में अपराधी कोई हरकत करने से पहले सौ बार सोचते हैं। बता दें कि विश्वविद्यालय में 2017 में इसी तरह की घटना हुई थी, जिसमें एक छात्रा से कुछ मोटरसाइकिल सवारों ने बुरी तरह छेड़छाड़ की थी। उस समय भी घटना के खिलाफ विद्यार्थियों ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया था। तब यूपी के लठैत पुलिस ने छात्रों पर जमकर लाठियां बरसाई थी। उसके बाद मामला शांत करने के लिए तब आश्वासन दिया गया था कि ऐसी वारदात पर लगाम लगाने के लिए सीसीटीवी लगाने से लेकर अन्य सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे। ताजा घटना के बाद भी जब विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच व्यापक गुस्सा देखा गया और उन्होंने आरोपियों को गिरफ्तार करने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की, तब फिर से वैसे ही आश्वासन दोहराए गए कि सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता और सख्त की जाएगी। ऐसे में सवाल तो बनता है कि अपने दावों को लेकर राज्य सरकार कितना गंभीर है? बुधवार को हुई घटना के बाद भी महज सीसीटीवी लगवाने का आश्वासन अब तक जारी है। पिछले वर्षों में कई घटनाओं के बावजूद अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल क्यों नहीं की गई यह सवाल अपनी जगह अब भी खडा है। अगर राज्य को अपराध-मुक्त बनाने की सरकार की मंशा है तो आपराधिक तत्त्वों की अच्छे से मरम्मत किए जाने की जरूरत है, ताकि अपराधियों के मन में सख्ती का खौफ बना रहे और वे अपराध करने से पहले बार-बार सोचें। बुधवार को जिस तरह परिसर में घुस कर अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया, उससे यही लगता है कि उनके भीतर कानून का कोई डर नहीं बचा है। आंखों देखी हकीकत के सामने आम जनता कैसे यह मान ले कि राज्य में अपराध पर नकेल कस दी गई है और लोग सुरक्षित हैं? छात्राओं से छेड़छाड़ या यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर रोक लगाने और परिसर में पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के लिए आखिर कितनी ऐसी घटनाओं का इंतजार करना पडेगा! जबकि ऐसी किसी पहली घटना के बाद ही सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन को हर स्तर पर ऐसे सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने चाहिए थे, ताकि भविष्य में किसी अन्य छात्रा के साथ इस तरह की होने वाली वारदात से बचाया जा सके।

पंचायत से पार्लियामेंट तक के चुनाव एक साथ हों

रघु ठाकुर

भारत सरकार की ओर से एक देश एक चुनाव की चर्चा शुरू हुई थी और इसके लिये बड़ी तत्परता के साथ भारत सरकार ने एक कमेटी का भी गठन किया था जिसके अध्यक्ष रामनाथ कोविन्द पूर्व राष्ट्रपति जी हैं। तथा अन्य कई मंत्री और गणमान्य लोग इसके सदस्य बनाये गये थे। इस समिति की रपट अखबारों में 26 अक्टूबर 23 को प्रकाशित हुई है। मुझे खुशी है कि इस रपट में उन मुद्दों को शामिल किया गया है जिन्हें मैं पहले भी उठाता रहा हूँ। इसीलिये स्पष्ट कर दूँ कि मैं और मेरी लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी देश के सभी चुनाव पंचायत से लेकर संसद तक जिसमें जनपद, नगर निगम, नगर पालिका, मंडी कमेटी आदि सभी शामिल हैं एक साथ कराये जाने के पक्ष में शुरू से हैं। और चुनाव सुधारों को लेकर मैं लगातार 1982-83 से अपने स्तर और अपनी क्षमता भर सक्रिय रहा हूँ। इस विषय को लेकर मैंने बहुत सारे धरने किये हैं, कई बार लेख लिखे हैं और दिल्ली में भी कई बार विचार गोष्ठियां आयोजित की हैं। जिनमें पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर भा.ज.पा. के पूर्व अध्यक्ष स्व. कुशाभाऊ ठाकरे, श्री राम बहादुर राय और अनेकों सांसद, पूर्व मंत्री, पत्रकार, बुद्धिजीवी शामिल होते रहे हैं। यहाँ तक की जब 1998 में लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी का गठन हुआ तब भी पार्टी के मूल कार्यक्रम और घोषणा पत्र में उसे शामिल किया था। मैं किसी गर्वोक्ति के लिये यह नहीं लिख रहा हूँ बल्कि सार्वजनिक स्मृति की याद के लिये लिख रहा हूँ। अभी कुछ दिन पूर्व राष्ट्रीय सहारा अखबार में में इस विषय पर मेरा आलेख भी छपा था। जैसी कि आजकल राजनैतिक परंपरा है कि सरकार की हर बात का विरोध किया जाये, इस परंपरा का निर्वहन देश के प्रतिपक्ष ने बखूबी किया है। प्रतिपक्ष की ओर से कुछ दलों द्वारा बनाये गये एक नये गठबंधन, जिसका संक्षिप्त नाम इंडिया (ण्छण्क्ण्ण्।) रखा गया है उनके द्वारा भी इसका विरोध निम्न आधारों पर किया गया :-एक देश एक चुनाव संघीय ढाँचे के खिलाफ है। पूर्व राष्ट्रपति को इस कमेटी का अध्यक्ष बनाकर उनका अपमान किया गया है। इंडिया गठबंधन के एक महत्वपूर्ण सदस्य दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा है कि वन नेशन वन-इलेक्शन के बजाय नेशन वन एजुकेशन, वन नेशन वन हेल्थ एजुकेशन होना चाहिये। प्रतिपक्ष गठबंधन समर्थक कुछ बुद्धिजीवी पत्रकारों ने इस आशय के लेख लिखे हैं कि एक चुनाव के होने से कुछ विशेष खर्च नहीं बचेगा और न ही प्रशासन पर कोई असर पड़ेगा। एक मित्र ने तो यह भी लिखा है कि डॉ. लोहिया कहते थे कि कौमें पांच साल इंतजार नहीं करती और इसलिये पांच वर्ष में एक चुनाव लोहिया के विचार के खिलाफ है। मैं मानता हूँ कि भारत सरकार इस मुद्दे को अचानक कोई राष्ट्रहित की भावना से लेकर नहीं आई है। बल्कि अपने राजनैतिक लाभ और आगामी चुनाव का मुद्दा बनाने के लिए लाई गई है। बिना शक भाजपा व केन्द्र सरकार की यही नीयत है। परन्तु अपने स्वार्थ की नीयत से अपने चुनाव के लाभ के लिये सरकारें पहले भी ऐसे कदम उठाती रही हैं। 1946 में डॉ. लोहिया ने गोवा की आजादी का आंदोलन शुरू किया था और 1947 में देश आजाद हुआ। आजाद देश के प्रधानमंत्री स्व. नेहरू बने तथा उन्होंने 14 वर्ष तक गोवा के मुद्दे पर चुप्पी रखी और एक प्रकार से गोवा मुक्ति आन्दोलन का समर्थन न करके विरोध जैसा ही कार्य किया। परन्तु जब 1962 के चुनाव के समय उन्हें तिब्बत और चीनी हमले का मुद्दा गहराता दिखने लगा तो उन्होंने चुनाव के कुछ समय पूर्व मुम्बई में गोवा को मुक्त कराने और सेना तथा पुलिस को भेजने की घोषणा कर दी। 1930 के दशक से ही कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी प्रेस की आजादी और बाद में बैंकों के राष्ट्रीयकरण आदि सवालों को उठाती रही तथा सोशलिस्ट पार्टी बनने के बाद इन मुद्दों को लेकर पार्टी द्वारा आंदोलन भी किये गये, जेलें भरी गई, गिरफ्तारियां दी गई, परन्तु 1970 में अपनी पार्टी के अंदर लड़ने के लिये इंदिरा गाँधी ने प्रेस के मुद्दे का हल और बैंकों के राष्ट्रीयकरण की घोषणा कर दी तथा इसके फलस्वरूप 1971 के चुनाव में विशाल बहुमत हासिल कर लिया। कहने का तात्पर्य यही है कि सरकारें अपने चुनावी लाभ के लिये अच्छे मुद्दों को स्वतः विलंबित रखती है और जरूरत पड़ने पर उन्हें बाहर ले आती है। ये बुरी नियत से उठाये गये अच्छे कदम कहे जा सकते हैं। इसी परंपरा का अनुपालन श्री नरेन्द्र मोदी जी कर रहे हैं। अब पहले हम इन आरोपों पर विचार करें जो प्रतिपक्ष द्वारा लगाये जा रहे हैं। पंचायत से संसद तक एक साथ चुनाव होने से देश के संघीय ढांचे पर कोई प्रतिकूल असर होगा, ऐसा मुझे नहीं लगता। निसंदेह एक पूर्व राष्ट्रपति को किसी कमेटी का अध्यक्ष बनाना यह सामान्य परंपरा नहीं है। हो सकता है, भारत सरकार के नियंत्रकों ने सोचा हो कि उन्हें इससे दो फायदे हैं, एक कमेटी की गंभीरता और उसका वजन बढ़ेगा, दूसरा राष्ट्रपति जी अनुसूचित जाति से आते हैं अतः प्रतिपक्ष द्वारा सीधा और तीखा हमला नहीं हो सकेगा, और अगर होगा तो भाजपा उसे जातिवाद की तरफ मोड़ सकेगी। शायद यही वजह है कि जिस प्रतिपक्ष ने श्री रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति पद के लिये नहीं चुना था वही प्रतिपक्ष उनके सम्मान के लिये चिंतित हो उठा है। यह परंपरा के विपरीत तो है परन्तु संविधान के विपरीत नहीं है। ऐसे गैर परंपरा और गैर संवैधानिक कामों के अन्य उदाहरण प्रतिपक्ष की सरकारों के भी दिये जा सकते है। जहाँ तक एक देश में एक शिक्षा और एक देश में एक चिकित्सा का प्रश्न है तो यह लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के द्वारा अनेक दशकों से उठाये जा रहे मुद्दे है। यह नारा तो डॉ. लोहिया ने 1960 के दशक से लगाना शुरू किया था कि हो या चपरासी की संतान सबकी शिक्षा एक समान चिकित्सा और संपूर्ण सरकारी चिकित्सा की माँग भी लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी करती रही है तथा उसको लेकर भी पार्टी लगातार सक्रिय और संघर्षरत रही हैं परन्तु क्या प्रतिपक्षी गठबंधन में शामिल दलों ने उसे अपने कार्यक्रम में शामिल किया है? दिल्ली के एक अल्पसंख्यक भाई ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी लिखी है कि मुख्यमंत्री जी समान शिक्षा, समान चिकित्सा की बात उठाने से पहले अपनी सरकारों में यह कानून बनाये और अपने दल के सांसदों, विधायकों, मंत्रियों के बच्चों को केवल सरकारी शिक्षण संस्थानों में शिक्षा और सरकारी अस्पतालों में ईलाज की अनिवार्यता लागू करें। तब शायद उनकी बात का कोई असर होगा। वरना देश इसे नकली विरोध और पाखण्ड मानेगा। उनकी बात सही है। डॉ. लोहिया का प्रसिद्ध वाक्य है कि, कौमें पांच साल इंतजार नहीं करती इस वाक्य का अर्थ है कि एक चुनाव के बाद अगले चुनाव तक जनता को और राजनैतिक दलों को चुप नहीं बैठना चाहिये। बल्कि आन्दोलन कर सड़कों को गरमाना चाहिये। इसलिये वे कहते थे कि, सड़कें सूनी होगी तो संसद आवारा हो जायेगी परन्तु उन्होंने यह नहीं कहा कि देश में एक के बाद एक चुनाव चलते रहना चाहिये और इसका यह अर्थ निकालना भी गलत है यदि आन्दोलन के चलते कोई सरकारें गिरे और उसके कारण चुनाव हो, जैसे 1973 में गुजरात में चुनाव हुये थे तो वह लोहिया की कल्पना के अनुकूल हो सकता है। 1968 तक लगभग संसद विधानसभा के चुनाव एक साथ ही होते थे। यह तो 1971 में श्रीमती इंदिरा गाँधी की सरकार ने अपने चुनाव में लाभ के लिये एक वर्ष पूर्व ही मध्याविधि चुनाव कराये, उससे यह परिपाटी बिगड़ी। इसी प्रकार आपातकाल में संसद की अवधि वृद्धि किये जाने पर यह परिपाटी और बिगड़ी। इंडिया गठनबंधन समर्थक बुद्धिजीवियों से मेरा अनुरोध है कि वह अपने छोटे राजनैतिक लाभ के लिये डॉ. लोहिया को गलत ढंग से पेश न करें। 2019 के लोकसभा के चुनाव प्रक्रिया में अनुमानित कुल 60 हज़ार करोड़ रूपया खर्च हुआ था और उसके पहले 2018 में हुये कुछ राज्यों की विधानसभा चुनाव में भी इसी प्रकार कई हज़ार करोड़ रू. खर्च हुये थे।

यह निर्विवाद सत्य है कि, पंचायत से संसद तक के चुनाव एक साथ हों तो एक ही खर्च में सारे चुनाव हो जायेंगे। इसके अलावा बार-बार आचार संहिता लगाने से प्रशासनिक कामों में अवरोध और सरकारी कर्मचारियों की अनावश्यक समय की बरबादी भी रूक जायेगी। चुनाव खर्च भी इससे कम होंगे। क्योंकि पंचायत से लेकर जनपद, जिला, नगर पालिका, नगर निगम, मण्डी और फिर विधानसभा और संसद के चुनाव साथ हो तो न केवल सरकारी और गैर सरकारी खर्च कम होगा बल्कि मतदान का प्रतिशत भी अपने आप बहुत बढ़ जायेगा। अभी मतदान के प्रचार के नाम पर जो करोड़ों रूपया खर्च होता है और फिर भी औसतन 60-65 प्रतिशत से ज्यादा मतदान नहीं हो पाता। वह अपने आप बढ़कर 80-90 प्रतिशत तक पहुंच जायेगा। मेरी राय में अच्छा होगा कि केन्द्र सरकार कमेटी की रपट आने के बाद देश में चर्चा कराये और तदानुसार प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर संसद में प्रस्ताव लाये। परन्तु सरकार की नियत भी समिति की रपट को सीधे संसद में ले जाने की या केवल विषय छोड़कर चुप रह जाने की लगती है। और वह जन बहस से बचना चाहती है। क्योंकि उसका तो उद्देश्य एक चुनावी लाभ है।

राहुल गांधी के बढ़ते कद से सपा चिंतित

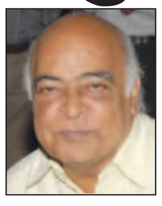

अशोक भाटिया

2024 के लोकसभा के चुनाव अभी दूर है पर सभी दलों ने 5 राज्यों के चुनाव के साथ – साथ 2024 के लिए अपनी जमीन मजबूत करना शुरू कर दी है । उत्तरप्रदेश में कांग्रेस ने जो अन्य दलों के नेताओं को अपने साथ जोड़ने का क्रम शुरू किया है उसमे सबसे ज्यादा प्रभावित सपा प्रमुख अखिलेश यादव है । सपा प्रमुख की अपने वोट बैंक को लेकर चिंता इसलिए भी हो सकती है क्योंकि पिछले कुछ समय से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का कद विपक्षी नेताओं में लगातार बढ़ा है जो कि भाजपा के छिटकने वाले मतदाताओं को भी रिझाकर भविष्य के लिए क्षेत्रीय दलों की जमीन कमजोर कर सकते हैं। देश के जिन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस का सीधा मुकाबला है, वहां अल्पसंख्यक वोट कांग्रेस के खाते में जाने की संभावनाएं पहले से ही प्रबल हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश के संदर्भ में माना जाता है कि विधानसभा चुनावों में सपा-बसपा के पाले में कम-ज्यादा होने वाला मुस्लिम मतदाता लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को भी विकल्प के तौर पर देखता है। कुछ पुष्टि आंकड़े भी करते हैं। लोकनीति-सीएसडीएस के सर्वे के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में पिछले वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में 79 प्रतिशत मुस्लिमों ने सपा को वोट दिया था, जबकि कांग्रेस को सिर्फ चार प्रतिशत मत मिले।इससे पहले, 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में तस्वीर थोड़ी अलग थी। तब सपा-बसपा के गठबंधन को 73 प्रतिशत मुस्लिम मत मिला था, जबकि 14 प्रतिशत ने कांग्रेस पर विश्वास जताया था। तब निस्संदेह मोदी लहर में कांग्रेस बेहद कमजोर थी। अन्य राज्यों में भी उसे लगातार हार मिल रही थी पर आज हालात बदले हुए हैं । गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव की तपिश जैसे-जैसे गर्म हो रही है, वैसे-वैसे उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस के रिश्ते तल्ख होते जा रहे हैं। कांग्रेस उत्तरप्रदेश में सपा के वोटबैंक पर नजर गड़ाए बैठी है और उसी मद्देनजर सियासी तानाबाना बुन रही है। इमरान मसूद, हमीद अहमद और फिरोज आफताब जैसे दिग्गज मुस्लिम नेताओं की एंट्री कराने के बाद कांग्रेस अब सपा के एक बड़े कुर्मी नेता को शामिल कराने जा रही है जो अखिलेश यादव के लिए बड़ा झटका होगा।सपा के राष्ट्रीय महासचिव और कई बार सांसद रहे रवि प्रकाश वर्मा और 2019 में लोकसभा चुनाव प्रत्याशी रहीं उनकी बेटी पूर्वी वर्मा जल्द ही कांग्रेस का हाथ थामेंगी। रवि वर्मा सपा के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे हैं और लखीमपुर खीरी के आसपास के इलाके में मजबूत पकड़ मानी जाती है। रवि प्रकाश वर्मा और उनकी बेटी पूर्वी वर्मा शुक्रवार को समाजवादी पार्टी से इस्तीफा देंगे और उसके बाद 6 नवंबर को वर्मा परिवार अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस का हाथ थामेंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी सपा के लिए रवि वर्मा का पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होना एक बड़ा झटका माना जा रहा है। पूर्व सांसद रवि वर्मा सपा के दिग्गज नेताओं में गिने जाते हैं और पार्टी के गठन के समय से जुड़े हुए हैं। साल 1998 से 2004 तक लखीमपुर खीरी लोकसभा सीट से लगातार तीन बार सपा के टिकट पर सांसद बने और एक बार राज्यसभा सदस्य रहे।रवि वर्मा के पिता बाल गोविंद वर्मा और माता ऊषा वर्मा भी लखीमपुर खीरी सीट से सांसद रह चुकी हैं। इस तरह से लखीमपुर खीरी संसदीय सीट पर रवि वर्मा का परिवार दस बार प्रतिनिधित्व कर चुका है। उनकी बेटी पूर्वी वर्मा 2019 के लोकसभा चुनाव में लखीमपुर खीरी सीट से उतरी थी, लेकिन भाजपा की अजय मिश्रा टेनी से जीत नहीं सकीं।रवि प्रकाश ओबीसी की कुर्मी समुदाय से आते हैं और रुहेलखंड के बड़े नेताओं में उन्हें गिना जाता है। कांग्रेस की नजर उत्तरप्रदेश में जिस तरह सपा के वोटबैंक पर है, उसमें रवि वर्मा की एंट्री अहम रोल अदा कर सकती है। रवि वर्मा की पकड़ जिस तरह से रुहलेखंड के कुर्मी समुदाय के बीच हैं, उसमें बरेली, शाहजहांपुर, धौरहरा, सीतापुर, पीलीभीत, मिश्रिख जैसी संसदीय सीटों पर सियासी समीकरण बदल सकते हैं। इन इलाकों में सपा के लिए 2024 के चुनाव में चिंता बढ़ सकती है। लोकसभा चुनाव के मद्दनेजर कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपने खोए हुए सियासी समीकरण को दुरुस्त करने में जुटी है। इसी मद्देनजर कुर्मी समुदाय को साधने के लिए कांग्रेस पूर्व सांसद रवि वर्मा और उनकी बेटी को शामिल करा रही है। रवि प्रकाश के बाद कुर्मी समुदाय के कई अन्य नेताओं को कांग्रेस में शामिल कराने की रणनीति कांग्रेस ने बनाई है, जिसके लिए अवध और देवीपाटन क्षेत्र के कई बड़े कुर्मी नेताओं से बातचीत कर रखी है।रवि प्रकाश वर्मा जिस रुहेलखंड से इलाके से आते हैं और यहां कुर्मी समुदाय के वोट निर्णायक भूमिका में है। कांग्रेस में रवि वर्मा के शामिल होने से लखीमपुर खीरी के इलाके में ही नहीं बल्कि आसपास के लोकसभा सीटों पर कुर्मी वोटबैंक पर असर पड़ेगा। रवि वर्मा के पिता और मां कांग्रेस में रही हैं लेकिन उन्होंने सपा के साथ अपना सियासी सफर शुरू किया था और अब वो भी घर वापसी करने जा रहे हैं। रवि वर्मा के एंट्री से सपा के साथ कांग्रेस के रिश्ते और भी तल्ख हो सकते हैं।कांग्रेस की नजर सपा के वोटबैंक पर है। बीते दिनों पश्चिमी उत्तरप्रदेश के दिग्गज मुस्लिम नेताओं की एंट्री कराई है, जिसमें सपा से निकाले गए इमरान मसूद, आरएलडी के हमीद अहमद और सपा से चुनाव लड़ चुके फिरोज आफताब शामिल हैं। कांग्रेस इस बात को बाखूबी तौर पर समझ रही है कि उत्तरप्रदेश में अगर उसे दोबारा से खड़ा होना है तो अपने परंपरागत सियासी आधार को दोबारा से हासिल करना होगा। उत्तरप्रदेश में सपा जिस जमीन पर मजबूती से खड़ी है, वो कभी कांग्रेस की हुआ करती थी। इसीलिए कांग्रेस अब अपने कोर वोट बैंक रहे मुस्लिम समुदाय को जोड़ने पर लगी है तो पार्टी के पुराने नेताओं की एंट्री कराई जा रही है। इमरान मसूद और हमीद अहमद हों या फिर अब रवि प्रकाश वर्मा, तीनों ही नेताओं का परिवार कांग्रेस में रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव उत्तरप्रदेश में इन दिनों पीडीए यानि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के फॉर्मूले से भाजपा को मात देना का दावा कर रहे हैं।

भारत ने दिलाई मोटे अनाज को अंतरराष्ट्रीय पहचान

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मोटा अनाज यानी की श्री अन्न आज दुनिया की पसंद बनता जा रहा है। दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि आज समूची दुनिया 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट ईयर के रुप में मना रही है। मोटे अनाज के महत्व और पोषकता को देखते हुए ही इसे श्रीअन्न कहकर पुकारा। देखा जाए तो जब 2018 में भारत ने मोटे अनाज को पोषक अनाज घोषित करने के लिए विश्वव्यापी अभियान चलाया तब पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थे कि संयुक्त राष्ट्र संघ मोटे अनाज के महत्व को समझते हुए 2023 को इंटरनेशनल मिलेट ईयर घोषित कर देगा। यह भी लगभग असंभव लगता था कि देश-दुनिया के देश इतनी जल्दी मोटे अनाज के प्रति जागरुक होंगे। दरअसल हमारे खान-पान के चलते एक के बाद एक बीमारियों से दो चार होने लगे हैं ऐसे में मोटा अनाज एक बेहतर विकल्प के रुप में उभरा है। पर जिस तरह से अभियान चलाकर मोटे अनाज को प्रमोट करने का अभियान चलाया गया है तो देश विदेश में मोटे अनाज का गुणगान होने लगा है। मोटापा, डायबिटीज, विटामिन्स की डेफिसिएंसी, बढ़ती हार्ट डिजिजेज, एनिमिया, डाइजेशन प्राब्लम, कैल्शियम की कमी या यों कहें कि अच्छा खाने के बाद भी खोखले होते शरीर के कारण केमिकल्स पर आधारित दवाओं से अलग हटकर अब लोग मोटे अनाज में विकल्प खोजने लगे हैं।

खरीफ की प्रमुख फसल बाजरा का तो इस साल और अधिक उत्पादन होने जा रहा है। किसान इससे उत्साहित है तो स्टार्टअप्स और खाद्य प्रसंस्करण इकाईयां बेहद उत्साहित है।दरअसल गई शताब्दी के छठें-सातवें दशक तक हमारे यहां खासतौर से गांवों का मुख्य भोजन मोटा अनाज ही रहा है। 1960 के दशक में खाद्यान्न संकट के विकल्प के रुप में हरित क्रांति का दौर आंरभ हुआ और ऐसे में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाना पहली प्राथमिकता बनी और इसके लिए गेहूं को प्रमुख विकल्प माना गया। इसके बाद एक ओर गेहूं के आयात, गेहूं के उत्पादन बढ़ाने और उत्पादन बढ़ाने के नाम पर रासायनिक उर्वरकों का दौर शुरु हुआ। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रचार तंत्र को एग्रेसिव किया गया और आज हमारे कृषि वैज्ञानिकों, नीति नियंताओं और अन्नदाता की मेहनत से देश खाद्यान्न को लेकर आत्मनिर्भर बन गया है। कोरोना त्रासदी से लेकर अब तक जरुरतमंद लोगों तक निःशुल्क खाद्यान्न की उपलब्धता बड़ा सहारा बनी है। हरित क्रांति समय की मांग थी और आज भी है। पर अब समूची दुनिया में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्परिणामों और नित नई बीमारियों से त्रस्त होने के कारण विकल्प तलाशा जाने लगा है और मोटे अनाज को दुनिया के देश बेहतर विकल्प और आशा के रुप में देख रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि एक समय था जब मोटा अनाज प्रमुख भोजन होता था। आज भी दुनिया में कुल उत्पादित मोटे अनाज में हमारे देश की भागीदारी 41 प्रतिशत है। राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, मध्यप्रदेश, तमिलनाडू, आंध्र प्रदेश आदि प्रमुख राज्य है। आज मोटे अनाज के निर्यात में भी भारत प्रमुख देश है। हमारे देश से गए साल 2.69 करोड़ डॉलर का मोटा अनाज अमेरिका को निर्यात किया गया है। मोटे रुप से 13 प्रकार के अनाज को मोटे अनाज के रुप में माना जाता है। इनमें से प्रमुख रुप से 8 अनाजों बाजरा, रागी, कुटकी, संवा, ज्वार, कंगनी, चेना और कोंदों को माना जाता है। कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय के वर्ष 2023-24 के पहले अनुमान के अनुसार खरीफ पोषक मोटे अनाजों का उत्पादन 351.37 लाख टन अनुमानित है जोकि 350.91 लाख टन औसत मोटे अनाजों की तुलना में थोड़ा सा अधिक है। वर्ष 2023-24 के दौरान श्री अन्न का उत्पादन 126.55 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है। मोटे अनाज को प्रमोट करने के विश्वव्यापी प्रयास आरंभ हो गए हैं। युवा एंटरप्रोन्योर स्टार्टअप्स के माध्यम से आगे आ रहे हैं। लोगों को मिलेट रेसिपी भाने भी लगी है। लोग इनके महत्व को समझने लगे हैं। पुरानी पीढ़ी के लोगों को याद होगा कि राजस्थान में तो खासतौर से एक समय था जब घर पर मेहमान आने पर ही गेहूं की चपाती बनती थी। धीरे धीरे मोटे अनाज का उत्पादन और उपयोग दोनों ही प्रभावित हुए। यह सब तो तब रहा जब कि बाजरा आदि मोटे अनाज के खेती में कम पानी और कम लागत आती है तो दूसरी और मोटा अनाज प्राकृतिक स्वास्थ्यवर्द्धक तत्वों से भरपूर रहे हैं और इनकी उपयोगिता को आज वैज्ञानिक सिद्ध कर रहे हैं।

सावधान! ये सड़कें सीधे यमलोक पहुंचा देती हैं!

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में हर साल लाखों की संख्या में लोग अपनी जान गवां देते हैं। भारत सड़क दुर्घटना में जान गंवाने के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर है अमेरिका और चीन समेत दुनिया के सभी देश हमसे पीछे हैं। भारत में सड़क हादसे अपने आप में एक गंभीर समस्या है। अभी हाल ही में भारत में कई सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें कई लोगों की जान चली गई।वर्ल्ड बैंक के आंकड़ों के अनुसार भारत में दुनिया के केवल एक फीसदी वाहन हैं, इसके बावजूद पूरे विश्व में होने वाले हादसों का 11 फीसदी देश में ही घटित होते हैं। यहां स्वीडन का जिक्र जरूरी है पिछले साल सड़क हादसों में करीब 250 मौतें ही स्वीडन में हुईं, लेकिन देश इस आकड़ें से भी दुखी है और वह आने वाले सालों में इन आंकड़ों को भी वो खत्म करना चाहता है। यही कारण है कि विज़न ज़ीरो का सपना स्वीडन ने देखा है एक भारत है जहां करीब दो लाख लोग हर साल सड़क हादसों में अपनी जान गंवा रहे हैं और किसी के माथे पर कोई चिंता की लकीर तक नहीं है । एक और तो भारत सरकार सड़क यातायात को सुगम और सुरक्षित साबित करने के बड़े दावे करती है परन्तु वास्तविकता यह है कि भारतीय सड़कें बेहद असुरक्षित हैं जो हर रोज न जाने कितने लोगों के जीवन को लील रही है और लोगों को घायल कर रही हैं। इनमें से बड़ी संख्या में ऐसे भी हैं जो आजीवन विकलांग या शारीरिक रूप से पूरी तरह असमर्थ हो जाते हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा भारत में 2022 के दौरान होने वाले सड़क हादसों को लेकर जो वार्षिक रिपोर्ट जारी की गई है वह बेहद चिंताजनक है। स्थिति की गम्भीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत में कहीं न कहीं औसतन हर घंटे 53 दुर्घटनाएं होती हैं जिनमें 19 लोगों की मौत हो जाती है यानि प्रतिदिन करीब 240। ये चिंता जनक आंकड़े चेतावनी के रूप में लिये जाने चाहिये और इन दुर्घटनाओं को टालने के लिये जरूरी कदम उठाने होंगे।

सड़कें न केवल सुरक्षित हो वरन वाहनों की स्थिति भी ठीक होना चाहिये तथा वाहन चालन भी दोषरहित हो तभी सड़क यातायात को सुरक्षित कर नागरिकों के अमूल्य जीवन बचाये जा सकते हैं। हर वर्ष राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस विभागों द्वारा ऐसी रिपोर्ट जारी होती है। साल 2022 के आंकड़े सड़क दुर्घटनाओं और उनके चलते होने वाली मौतों की संख्या व घायलों की तादाद में बड़ी बढ़ोतरी को दर्शाते हैं। ये आंकड़े एशिया पेसिफिक रोड एक्सीडेंट डाटा के अंतर्गत जारी किये गये हैं। इसके अनुसार साल 2022 के दौरान देश भर में 4,61,312 सड़क दुर्घटनाएं हुई। इनमें 1,68,491 लोगों की मौत हुई और 4,43,366 लोग घायल हुए। उसके पहले साल की तुलना में दुर्घटनाएं 11.9 प्रतिशत बढ़ी हैं। 9.4 फीसदी अधिक लोगों की मृत्यु हुई जबकि घायलों की संख्या के लिहाज से यह 15.3 प्रतिशत की वृद्धि है।

मन में लड्डू फूटने का मौसम

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

बड़बोलू भैया जब भी बात करते हैं आंकड़ों की बरसात करते हैं। उनका मानना है कि सामने वाले से झूठ भी बोलो तो आंकड़ों का चोला ओढ़कर बोलो। इससे झूठ भी सच लगने लगता है। इन दिनों वे भुखमरों को सुखजियो, बेरोजगारों को रोजगारों, बलात्कारियों को चमत्कारियों के रूप में दर्शाते हुए हर सुबह टीवी खिड़की पर दिख जाते हैं। आजकल वे हवाई किलों के विकासी बम चौतरफा फोड़ रहे हैं और बेमौसम बरसात हो जाने पर नेहरू जी व खानदान का आगा-पीछा गिनने की कला साधकर स्वयं को पहुँचा हुआ एनलिस्ट समझते हैं। अंदाज उनका ऐसा था मानों उनसे बहस करने वालों को कालर से रंगेहाथों पकड़ लिया हो। बाकी खिसियानी हँसी के साथ पेश होने के आलावा और क्या कर सकते थे । वे जारी रहे – देश को स्वतंत्रता 2014 के बाद, दाढ़ी वाले दिव्य पुरुष के उद्भव से हुआ। उससे पहले आदमी नंगा और गुफाओं में रहता था। इसलिए जनता को समय-काल का ध्यान रखना चाहिए, खासकर उनको जो मतदाताओं के रूप में आगे चलकर भेड़चाल का हिस्सा बन जाते हैं। देखो आगे, चलो पीछे। यही नीति है, यही मन्त्र है, इसी में जान बचाने का फार्मुला छिपा हुआ है। देश को प्रेम करने के लिए सर कटाने की नहीं, दाढ़ी बढ़ाकर आँसू बहाने की कला आनी चाहिए। याद रखिए यही वह कला है, जो बिना डिएनए बदले मतदाताओं को भेड़ बनाता है और मिमियाना डिफाल्ट कर देता है। बड़बोलू भैया एक नयी व्यवस्था का प्रचार कर रहे हैं। उनकी मानें तो जान कर खुश होना पड़ेगा कि नये लोकतंत्र में विपक्ष नहीं होगा। क्या जरुरत है विपक्ष की। बिना मतलब की रस्साकशी। पता नहीं कुछ ईमानदार कैसे बेवकूफों की तरह विपक्ष को मरने नहीं देते और सत्ता पक्ष है कि उन्हें जीने नहीं देते। चलिए किसी न किसी दिन विपक्ष खेत का नजरबट्टू बनकर जरूर बनेगा। तब संसद की शोभा के लिए विपक्ष की कुर्सियों पर वही पुतले रख देंगे। वैसे भी देश में सत्ता पक्ष को छोड़कर शेष मृत पुतलों की ही भूमिका निभा रहा है। बहस की जगह भजन कीर्तन चलेगा और देश में दैवीय ऊर्जा बहेगी । जिस तरह शादी की बस में सब खुशी-खुशी यात्रा करते हैं, वहीं संसद में होगा। अभी सारा भ्रष्टाचार वोट के कारण होता है। विपक्ष नहीं होगा तो वोट का झंझट ख़त्म। किसको वोट दें किसको नहीं, यह सोचने के तनाव से जनता भी मुक्त हो जाएगी। देश मजबूत हाथों में है यह मिडिया, टीवी, ईडी वगैरह से सबको पता चल चल जाएगा। सरकार के लिए न कोई लाड़ला होगा न लाड़ली। जो पैसा बचेगा उससे एक नयी बुलेट ट्रेन खरीदेंगे, विकास तेज होगा। आपाधापी में कुछ लोग छूट जाते हैं। हमारे लाड़ले विधायकों, सांसदों ने बड़े त्याग किये हैं। आपातकाल में जेल गये थे। उनके प्रति सरकार का यानी देश कुछ कर्तव्य बनता है।

पांडवों ने बनाया था अंबरनाथ मंदिर

आपने बहुत से मंदिरों के बारे में सुना होगा लेकिन आज हम जिस मंदिर के बारे में बता रहें है वह मंदिर 11 वी शताब्हदी में राजा मम्मबानी ने बनवाया था। हम बात कर रहे हैं महाराष्ट्र के अंबरनाथ शिव मंदिर की जो मुंबई के पास स्थित है। इस मंदिर का स्थान अंबरनाथ है। इसका दूसरा नाम अंबरेश्वर है। इस मंदिर में भगवान शिव की पूजा की जाती है।

महाराष्ट्र के अंबरनाथ मंदिर में भगवान शिव की पूजा की जाती है। मंदिर में मिले एक शिलालेख के अनुसार शिलाहाट के राजा मम्बानी ने इसे 1060 ई. में बनवाया था। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह मंदिर पांडव वंश का है। यह मंदिर हिंदू मूर्तिकला का एक अद्भुत उदाहरण है। अंबरनाथ शिव मंदिर जैसा दुनिया में कोई दूसरा मंदिर नहीं है। मंदिर के बाहर दो नंदी हैं। मंदिर के प्रवेश द्वार पर तीन मुखमंडप हैं। इस मंदिर में 20 सीढ़ियाँ हैं जो गभरा नामक मुख्य कक्ष तक जाती हैं, जिसमें केंद्र में एक शिवलिंग है। महाशिवरात्रि के दिन, भगवान शिव का आशीर्वाद लेने के लिए एक बड़ा मेला आयोजित किया जाता है। अंबरनाथ शिवालय मंदिर का निर्माण स्थानीय काले पत्थर और चूने से किया गया है। यह मंदिर मध्य भारत की नागर और द्रविड़ वास्तुकला का मिश्रण है। लोग अक्सर इस मंदिर की तुलना माउंट आबू के प्रसिद्ध दिलावरा मंदिरों से करते हैं क्योंकि उनकी वास्तुकला और सजावट मिलती जुलती है।

पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, पांडवों ने अपने निर्वासन के सबसे कठिन समय में कुछ वर्ष अंबरनाथ में बिताए, जहां उन्होंने एक ही रात में इस पुराने मंदिर को पत्थरों से बनाया था। कौरवों द्वारा लगातार उनका पीछा किए जाने के कारण उन्हें इस स्थान से भागना पड़ा।

मंदिर में दर्शन करने का समय

दिन भर मंदिर दर्शन के लिए खुला रहता है। माघ माह में शिवरात्रि के अवसर पर यहां विशाल मेला लगता है। इस मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया है, हालांकि इसे पांडवों द्वारा एक ही पत्थर से बनाया गया था।

कैसे पहुँचें

अंबरनाथ रेलवे से जुड़ा हुआ है जो मध्य रेलवे का हिस्सा है, रेलवे स्टेशन से दूरी 2 किलोमीटर है। अंबरनाथ से आप 15 रुपये में एक शेयरिंग ऑटो ले सकते हैं। निकटतम हवाई अड्डा मुंबई हवाई अड्डा है, जो मंदिर से 50 किलोमीटर दूर है।

अन्य पर्यटन स्थल

अंबरनाथ और बदलापुर के बीच स्थित चिखलोली बांध गर्मियों में ठंडा होने के लिए एक लोकप्रिय स्थल है। पहाड़ों और झीलों का शांत दृश्य, साथ ही ताजी हवा जो आपकी आत्मा को सुकून देगी, आपको तरोताजा कर देगी। छोटे झरने जहाँ आप तैर सकते हैं और अपने दोस्तों और परिवार के साथ ढेर सारी तस्वीरें खींच सकते हैं।

विशाल पत्थर को काटकर बनाया गया था एलोरा का कैलाश मंदिर

औरंगाबाद में एक ऐसा मंदिर स्थित जो अपने आप में बेहद रहस्यमयी माना जााता है। इसकी खासियत ये है कि ये मंदिर अपने किसी चमत्कार के लिए नहीं बल्कि अपने निर्माण की वजह से प्रसिद्ध है। जी हां, अगर वैज्ञानिकों की मानें तो ये मंदिर करीब 1900 साल पुराना तो कुछ इसे 6 हज़ार साल पुराना मानते हैं। सिर्फ यही नहीं। कहा ये भी जाता है कि अगर कोई हूबहू ऐसा मंदिर बनाना चाहेगा तो उसे कम से कम 200 साल से भी ज्यादा वक्त लगेगा।

पर इस मंदिर में ऐसा क्या ख़ास पहले ये बताते हैं। कैलाश मंदिर की खास बात ये है कि इस विशालकाय मंदिर को तैयार करने में करीब 150 साल लगे तो वहीं कुछ लोगों का कहना है कि ये मंदिर सिर्फ 18 साल में बनकर तैयार हो गया था। जो आज के समय में संभव नहीं है। आपको बता दें कि मंदिर के निर्माण में करीब 7000 मजदूरों ने लगातार इस पर काम किया।

कैलाश मंदिर एलोरा का कैलाश मंदिर महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में प्रसिद्ध एलोरा की गुफाओं में स्थित है। यह एलोरा के 16 वीं गुफा की शोभा बढ़ा रही है। इसका काम कृष्णा प्रथम के शासनकाल में पूरा हुआ। कैलाश मंदिर में अति विशाल शिवलिंग देखा जा सकता है।

भगवान शिव को समर्पित है मंदिर कैलाश मंदिर को हिमालय के कैलाश का रूप देने का भरपूर प्रयास किया गया है। शिव का ये दो मंजिला मंदिर पर्वत चट्टानों को काटकर बनाया है। यह मंदिर दुनिया भर में एक ही पत्थर की शिला से बनी हुई सबसे बड़ी मूर्ति के लिए प्रसिद्ध है। इसी के साथ बता दें कि ये मंदिर 90 फीट है इस अनूठे मंदिर की ऊंचाई, 276 फीट लम्बा, 154 फीट चौड़ा है। और आजतक इस मंदिर में कभी पूजा किए जाने का प्रमाण नहीं मिलता। आज भी इस मंदिर में कोई पुजारी नहीं है। कोई नियमित पूजा पाठ का कोई सिलसिला नहीं चलता।

पत्थर को काटकर बनाया था मंदिर इसके निर्माण में करीब 40 हज़ार टन वजनी पत्थरों को काटकर 90 फुट ऊंचा मंदिर बनाया गया। इस मंदिर के आंगन के तीनों ओर कोठरियां हैं और सामने खुले मंडप में नंदी विराजमान है और उसके दोनों ओर विशालकाय हाथी और स्तंभ बने हैं। वहीं अगर मंदिर के इतिहास पर गौर करें तो। ये शिव मंदिर मालखेड स्थित राष्ट्रकूट वंश के नरेश कृष्ण प्रथम ने 760-753 ई में निमित्त कराया था। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर को बनाने वाले शिल्पकारों ने एक विशालकाय शिला को ऊपर से तराशना शुरू किया था। आमतौर पर पत्थरों को सामने से तराशा जाता है, लेकिन इस मंदिर के लिए वर्टिकल यानि ऊपर से नीचे की तरफ तराशा गया।

कैसे पहुँचे?

कैलाश मंदिर, औरंगाबाद शहर से 30 किमी दूर स्थित है। मंदिर का सबसे नजदीकी हवाईअड्डा औरंगाबाद ही है जो दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, तिरुपति, अहमदाबाद और तिरुवनंतपुरम जैसे शहरों से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा रेलमार्ग से हैदराबाद, दिल्ली, नासिक, पुणे और नांदेड़ जैसे शहरों से भी औरंगाबाद पहुँचा जा सकता है। कैलाश मंदिर से औरंगाबाद रेलवे स्टेशन की दूरी लगभग 28 किमी है।

महाराष्ट्र की सार्वजनिक परिवहन सेवा की बसों के माध्यम से राज्य के लगभग सभी बड़े शहरों से औरंगाबाद पहुँचने के लिए बस सेवा उपलब्ध है। पुणे से मंदिर की दूरी लगभग 250 किमी है। इसके अलावा मुंबई से कैलाश मंदिर लगभग 330 किमी की दूरी पर स्थित है।

धनतेरस पर नमक के 5 उपाय

बरसेगा धन... खत्म होगी कलह, कम खर्च में बनेगा बड़ा काम!

दीपावली नजदीक है। दिवाली से ठीक 2 दिन पहले कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनतेरस का पर्व मनाया जाता है, जिसमें माता लक्ष्मी, गणेश और भगवान धन्वंतरि की पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माना जाता है कि समुद्र मंथन में भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर बाहर निकले थे, इसलिए इस दिन बर्तन की खरीदारी को बड़ा शुभ माना गया है। इसी दिन से दिवाली की शुरुआत भी मानी जाती है और दीपोत्सव का त्योहार शुरू किया जाता है। धनतेरस के दिन कई तरह की वस्तुओं को खरीदने की विशेष मान्यता है। इसी में से एक नमक है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, नमक खरीदना बहुत शुभ है, जिससे रोग व्याधि, दरिद्रता दूर होती है। घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है और माता लक्ष्मी का आगमन होता है। इससे वर्ष भर धन की प्राप्ति होती है।

नमक से करें पांच खास उपाय

1. मां लक्ष्मी का होगा आगमन: पौराणिक मान्यता है कि धनतेरस के दिन नमक खरीदने से घर में माता लक्ष्मी का आगमन होता है, जिससे घर में धन लाभ और सुख समृद्धि बढ़ती है।

2. घर की दरिद्रता को करें दूर: धनतेरस के दिन कांच की कटोरी में नमक लेकर घर के ईशान कोण पर रख दें। इससे घर में बरकत आती है और घर की दरिद्रता का नाश होता है। मां की कृपा बनती है। घर की दरिद्रता को दूर करने का यह अचूक उपाय है।

3. घर में नमक का पोछा लगाएं: वास्तु शास्त्र के अनुसार, धनतेरस के दिन पानी में नमक डालकर पोछा लगाने से निगेटिव एनर्जी यानी नकारात्मक ऊर्जा दूर जाती है। घर में सुख समृद्धि का आगमन होता है। गृह कलह खत्म होती है।

4. इस उपाय से रिश्ते होते हैं मधुर: यदि नवविवाहित पति-पत्नी के बीच मनमुटाव की स्थित है तो ऐसे में धनतेरस के दिन कांच के एक बर्तन में सेंधा नमक के टुकड़े को रखने से आपसी कलह ठीक होती है। दोनों के बीच प्रेम स्थापित होता है

5. बुरी नजर से बचाता है नमक: कहते हैं कि जिन बच्चों को बार-बार नजर लग रही हो उनके सर के ऊपर से नमक फेरने से बच्चे की और घर की सभी नकारात्मक शक्ति दूर हो जाती है। घर में छोटा बच्चा हो तो धनतेरस के दिन यह उपाय जरूर करें।

धनतेरस में सोना चांदी नहीं बल्कि इन 5 वस्तुओं को घर लाने से मिलेगी मां लक्ष्मी की कृपा

धनतेरस और दिवाली को खरीददारी का विशेष महत्त्व रहता है। इस दिन का इंतजार लोग पहले से ही करने लगते हैं। और धनतेरस की शुभ घड़ी आते ही खरीददारी में जुट जाते हैं। जिनमें सोना, चांदी, अलग – अलग धातु के बर्तन , वाहन, कपड़े जमीन सहित कई तरह की वस्तुएं खरीदते हैं और प्रदोष काल में मां लक्ष्मी और धनकुबेर की पूजा करते हैं।

लेकिन कुछ विशेष वस्तुएं है। जिनको धनतेरस को घर लाना यानी खरीददारी करना बहुत शुभ माना जाता है। आप कुछ खरीदें या नहीं लेकिन हर व्यक्ति को धनतेरस को यह वस्तुएं जरूर खरीदनी चाहिए।

1. मिट्टी और धातु की मूर्ति।

मिट्टी की मूर्ति पंच तत्वों का प्रतीक होती है इसलिए मिट्टी के प्रतिमा का पूजन करने से घर में धन – धान्य और सुख समृद्धि आती है। मिट्टी के प्रतिमा के अलावा आप अष्ट धातु और सोने, चांदी की भी प्रतिमा घर ला सकते हैं।

2. झाड़ू अवश्य खरीदें

धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदना चाहिये यह साफ सफाई का प्रतीक होता है। और जहां साफ़ सफाई यानी स्वच्छता होती है वहां मां लक्ष्मी का स्थान होता हैं इसलिए धनतेरस को झाड़ू खरीदना शुभ माना जाता है।

3. पीतल धातु के बर्तन।

धनतेरस में पीतल के बर्तन खरीदने चाहिए यह अत्यन्त शुभ होता है। पीतल धातु भगवान धनवंतरी की प्रिय धातु है पीतल का इस्तेमाल कई तरह से लाभ प्रद होता है।

4. साबुत खड़ी धनिया।

साल भर माता लक्ष्मी और धनकुबेर की कृपा पाने के लिए धनतेरस को धनिया अवश्य खरीदें और दोनों को चढ़ाएं इससे आप के घर में कभी भी धन की कमी नहीं आएगी और माता लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहेगी।

5. कौड़ी

प्राचीन काल से कौड़ी को रूपये यानी धन के तौर पर देखते आ रहे हैं यह धन का प्रतीक है इसलिये धनतेरस को कौड़ी जरूर मां लक्ष्मी को चढ़ाएं इससे धान लाभ की प्राप्ति होगी। इस प्रकार इन वस्तुओं के घर लाने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है और घर में सुख सांति स्थापित होती है साथ ही कुबेर भगवान की कृपा बनी रहती है

धनतेरस पर वाहन खरीदने से पहले जरूर करें यह काम

धनतेरस में आप वाहन की खरीददारी कर रहे हैं तो अपने राशि के शुभ रंग अनुसार ही वाहन खरीदें। इस धनतेरस वाहन खरीदी करने वाले जातकों के राशि अनुसार ये रंग शुभ होंगे।

राशि अनुसार ये रंग शुभ

मेष राशि- इस राशि के जातकों का शुभ रंग लाल है। इसलिए लाल रंग का वाहन खरीदें।

वृषभ राशि- इस राशि वालों के लिए सफेद, सुनहरा या पीला रंग शुभ माना जाता है। इसलिए धनतेरस के दिन इन रंगों वाहन क्रय करें

मिथुन राशि- हरा रंग मिथुन राशि वालों के लिए अच्छा माना जाता है। इसलिए धनतेरस पर इस रंग का वाहन खरीदना मिथुन राशि वालों के लिए शुभ होगा।।

कर्क राशि- इस राशि वालों के लिए लाल, सफेद या हल्का पीला रंग शुभ होगा। इसलिए इस राशि वाले धनतेरस के दिन इसी रंग का वाहन खरीदें।

सिंह राशि- इस राशि का शुभ रंग लाल होता है। इसलिए इन्हे

लाल रंग के वाहन की खरीददारी धनतेरस में करनी चाहिए।

कन्या राशि- इस राशि का शुभ रंग हरा और पीला है इसलिए धनतेरस में वाहन क्रय करते समय इसी रंग का चुनाव करें

तुला राशि- इस राशि के जातक को सफेद और नीले रंग के वाहन की खरीददारी धनतेरस पर करनी चाहिए।

वृश्चिक राशि- इस राशि वालों के लिए शुभ रंग लाल या मैरून होता है। धनतेरस के दिन लाल या मैरून रंग के वाहन खरीदना बेहद शुभ होगा

धनु राशि। इस राशि के जातक को सिंदूरी, केसरिया और पीले रंग के वाहन धनतेरस में खरीदने चाहिए।

मकर, कुम्भ, मीन-राशियों के जातकों पर भगवान शनि की कुदृष्टि बनी हुई है इसीलिए इन्हें काले रंग के वाहन की खरीदी करनी चाहिए जो बेहद शुभ होगा

तिथि और शुभ मुहूर्त

इस बार की त्रयोदशी की तिथि 10 नवम्बर से शुरू हो रही है इसलिए धनतेरस की शुरुआत 10 नवम्बर 2023 को दोपहर 12 बजकर 35 मिनट से शुरू होगी। जो दूसरे दिन यानी 11 नम्बर को दोपहर 1 बजकर 56 मिनट तक रहेगी।

अमला पॉल को मिला ब्वॉयफ्रैंड जगत देसाई

इसी साल अजय देवगन की फिल्म 'भोला' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली अमाला पॉल की गिनती साऊथ की बड़ी अभिनेत्रियों में होती है, जहां उसने तमिल, मलयालम और तेलुगु भाषाओं की अनेक फिल्मों मैं अभिनय किया है।

इन दिनों वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में है। दरअसल, उसने अपने फैन्स को अचानक सरप्राइज देते हुए अपने जीवन में आए नए प्यार का खुलासा किया है। वह तलाक के करीब 6 साल बाद दोबारा शादी करने जा रही है। उसने हाल ही में अपने ब्वॉयफ्रैंड जगत देसाई के साथ सगाई की है और अब शादी के बंधन में बंधने की तैयारी कर रही है। अमाला ने कुछ दिन पहले ही अपना 32वां बर्थडे मनाया और इसी खास दिन जगत ने घुटनों पर बैठकर अमाला को शादी के लिए प्रपोज किया। अमाला ने जगत के प्रपोजल को स्वीकार किया और जगत ने घुटनों पर बैठकर रिंग पहनाकर उसे अपना बना लिया।

अमाला ने सोशल मीडिया पर इन प्यार भरे पलों की तस्वीरें फैन्स के साथ शेयर की हैं। तस्वीरों में दोनों ही बेहद खुश नजर आ रहे हैं। अमाला गुलाबी रंग के जम्पसूट में बेहद ग्लैमरस लग रही है, तो जगत नीली जींस और सफेद टी-शर्ट में दिख रहा है।

अमाला की तरह जगत

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से नहीं है। वह गुजरात का रहने वाला है और एक हॉस्पिटैलिटी कम्पनी में सीनियर ऑफिशियल के तौर पर

काम करता है। फिलहाल जगत गोवा में रह रहा है। गौरतलब है कि अमाला ने पहली शादी खुद से 12 साल बड़े निर्देशक ए. एल. विजय से साल 2014 में शादी की थी लेकिन उनका रिश्ता 2017 में तलाक के मोड़ पर आकर खत्म हो गया था।

बोल्ड एक्ट्रैस ने

अमला ने एक ऐसी दमदार अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई है जिसे कहानी की जरूरत होने पर कैसा भी बोल्ड सीन करने से कोई ऐतराज नहीं होता। जल्द ही वह साऊथ की फिल्म 'आडुजीविदम' में नजर आने वाली है, जिसमें वह अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन की पत्नी की भूमिका निभा रही है। फिल्म के ट्रेलर से पता चलता है कि इसमें अमाला के काफी बोल्ड सीन होने वाले हैं। ट्रेलर में एक चुम्बन दृश्य भी दिखाया गया है। अमाला और पृथ्वीराज के अंतरंग दृश्यों ने विवाद भी पैदा कर दिया है, लेकिन अमाला ने इसके जवाब में कहा है कि फिल्म की कहानी सुनाते समय उन्हें इस सीन के बारे में बताया गया था और उसने इसमें अभिनय किया क्योंकि फिल्म और कहानी को इसकी आवश्यकता थी। उसने यह भी कहा कि फिल्म ' अदाई' में वह बिना कपड़ों के अभिनय कर चुकी है तो चुम्बन सीन करना कोई बड़ी बात नहीं थी। साफ है कि अमाला अपने किरदार में उतरने के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार रहती है।

किसी ने नहीं किया मेरे जैसा 'एक्शन व डांस : कैटरीना कैफ

शराज बैनर के तहत अब तक बनी फिल्में बहुत बड़ी हिट रही हैं, जिनमें टाइगर' से लेकर ' पठान' तक शामिल हैं। इन फिल्मों को ' स्पाई यूनिवर्स' कहा जा रहा है और इनकी पहली महिला जासूस बनने का सौभाग्य कैटरीना कैफ के पास है, जो 'टाइगर' सीरीज की फिल्मों में जोया का किरदार निभाती है।

अपने इस किरदार से कैट ने दिखा दिया है। कि किसी मायने में पुरुषों से कम नहीं है। वह एक खतरनाक और बुद्धिमान जासूस है, जो एक्शन के मामले में भी हीरो से पीछे नहीं है। कैटरीना ने भी जोया के किदार को अपना लिया है और निर्माताओं ने भी लगातार 'टाइगर' सीरीज की हर फिल्म में उसके किरदार को एक पायदान ऊपर रखा है।

कैट को इस रोल में अविश्वसनीय स्टंट और एक्शन करने में मजा आया और उसका कहना है कि ऐसा पहले कभी किसी और एक्ट्रैस ने नहीं किया। जल्द ही कैट 'टाइगर 3' में इस एक्शन के दायरे को और भी आगे बढ़ाती नजर आने वाली है, जो दीवाली के मौके पर रिलीज होने जा रही है। यही नहीं, उसने खुलासा किया है कि इस फिल्म में कुछ बड़े एक्शन सीन करने से पहले उसने एक लम्बी तैयारी की। फिल्म के ट्रेलर में सलमान खान की तरह कैटरीना भी खूब मारधाड़ करती दिखी है। हाल ही में उसने फिल्म में अपने किरदार पर बात की और बताया कि यह उसके लिए कितना चुनौतीपूर्ण रहा।

'टाइगर 3' में अपने एक्शन को लेकर कैटरीना कहती है, यह फिल्म दिखाती है कि जब अपने परिवार या देश या मानवता को बचाने की बात आती है तो ऐसा कुछ भी नहीं है, जो एक महिला नहीं कर सकती। जोया जैसा किरदार लोगों को यह बताने के लिए महत्वपूर्ण और जरूरी है कि लड़कियां पालन-पोषण करने वाली होने के साथ-साथ खतरनाक रक्षक भी बन सकती हैं।

उसने कहा, जोया मेरे करियर के सबसे पसंदीदा किरदारों में से एक है। मुझे अच्छा लगता है कि कैसे वह अपने धैर्य और साहस से किसी की भी बराबरी कर सकती है। वह लड़ाई से पीछे नहीं हटती और जब एक्शन की बात आती है। तो वह किसी पुरुष जितनी ही अच्छी हो सकती है।

जोया की एक्शन शैली भी अनोखी है और वह कुछ बहुत ही जटिल एक्शन दृश्यों को आसानी से कर सकती है, जैसा आप ट्रेलर में भी देख सकते हैं। जोया का मुकाबला दुश्मनों की सेना से है और वह अकेले ही लड़ती है। कैटरीना को यह बात बहुत पसंद है कि यशराज बैनर ने हर फिल्म के साथ जोया के किरदार को और अधिक आक्रामक बनाया है।

हॉलीवुड एक्ट्रैस मिशेल ली के साथ भी कैटरीना की फाइटिंग के सीन्स शूट किए गए हैं। कैट कहती है, मुझे एक शैली के तौर पर एक्शन पसंद है और जासूस की भूमिका निभाना सपने के सच होने जैसा है। मुझे पता था कि यह मेरी विरासत का हिस्सा बनने जा रहा है, इसलिए मैं हमेशा इस फ्रैंचाइजी के लिए अपना 200 प्रतिशत देती हूं। 'टाइगर 3' के लिए, मेरी एक्शन की तैयारी कम से कम दो महीने यानी 60 दिन की थी। हम चाहते थे कि जोया चुस्त दिखे, उसमें अधिक गति और अधिक ताकत हो। मुझे वास्तव में कड़ी मेहनत से गुजरना पड़ा और यह निश्चित रूप से मेरे अब तक के करियर का सबसे कठिन प्रशिक्षण था।

उसने कहा, जब आप जोया को एक्शन करते हुए देखेंगे तो आपको एहसास होगा कि इस तरह के दृश्यों को पहले किसी महिला द्वारा करने का प्रयास नहीं किया गया होगा। दुनिया की कुछ बेहतरीन एक्शन टीमों द्वारा बनाए गए इन सीन्स को मैं दर्शकों को बड़े पर्दे पर दिखाने के लिए बेहद उत्साहित हूं। कैटरीना केवल अपने एक्शन ही नहीं, 'टाइगर 3' में अपने डांस पर मिल रही तारीफों से भी फूली नहीं समा रही। फिल्म का गीत 'लेके प्रभु का नाम' रिलीज हो चुका है, जिसको मिल रही प्रतिक्रिया से कैटरीना बेहद उत्साहित है। उसने कहा, एक कलाकार के रूप में इतने वर्षों तक जिस एक चीज ने मुझे आगे बढ़ाया, वह है मेरे प्रशंसकों, मीडिया और दर्शकों का प्यार । सफलता का असली पैमाना उस प्यार में है जो व्यक्ति को लोगों से स्वाभाविक रूप से मिलता है। 'लेके प्रभु का नाम' हम सभी के लिए एक अद्भुत एहसास है। मेरे लिए डांस करना मेरे सच्चे जुनूनों में से एक है और दर्शकों का प्यार देखना पूरी तरह से खुशी की बात मैं इसे एक बड़ी प्रशंसा के रूप में लेती हूं क्योंकि गाने और डांस हमारी संस्कृति तथा हमारी फिल्मों का हिस्सा हैं और हमेशा से ये पसंद किए जाते रहे हैं। मैं हमारे गानों से लोगों की अपेक्षाओं से वाकिफ हूं और यह मुझे हर बार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है।

हर दीवाली पर मां को गिफ्ट देती हैं मालविका मोहनन

मालविका मोहनन ने दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग, खासकर मलयालम और तमिल सिनेमा में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। एक सिनेमाई परिवार में जन्मी, उनके पिता प्रसिद्ध छायाकार के.यू. मोहनन थे, मालविका ने तब अभिनय में कदम रखा, जब उन्हें मलयालम फिल्म 'पट्टम पोल' में दुलकर सलमान के साथ अभिनय करने का प्रस्ताव मिला। तब से, उन्होंने विभिन्न भाषाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है, जिससे वह भारतीय सिनेमा में एक उभरता सितारा बन गई हैं। वह अपनी जीवंत दिवाली और पोषित पारिवारिक परंपराओं को बड़े प्यार से याद करती हैं, जिनका वह अभी भी पालन करती हैं। मालविका ने बताया, मुंबई में बड़े होते हुए, दिवाली मेरे लिए साल का एक प्यारा समय था। ऐसा लगा कि यह सभी त्यौहारों में सबसे अधिक उत्सवपूर्ण है। नए कपड़ों, रंगोली, पटाखों और विभिन्न स्नैक्स को अद्भुत व्यवस्था ने इसे एक बहुत ही विशेष स्मृति बना दिया है। उन्होंने आगे कहा, जब हम बच्चे थे, हमारे माता-पिता हमारे लिए बहुत प्यारे उपहार खरीदते थे। यह एक पोषित परंपरा थी। अब जब हम बड़े हो गए हैं, भूमिका बदल गई है। मैं इस बात पर ध्यान देती हूं कि हर दिवाली पर मैं अपनी मां को कुछ न कुछ जरूर दूं, कोई ऐसी चीज जिस पर उनकी नजर रही हो या कोई आभूषण। इससे उन्हें बहुत खुशी मिलती है और अब वापस देने में सक्षम होने से मुझे खुशी होती है। मालविका ने कहा, हम दिवाली के समय शहर में रहने का निश्चय करते हैं। हम सुनिश्चित करते हैं कि बहुत सारी सामाजिक चीजें एक साथ करें क्योंकि साल के बाकी दिनों में ऐसा नहीं होता। हम दोस्तों के साथ बोर्ड गेम खेलने का आनंद लेते हैं। यह कुछ ऐसा है, जो वास्तव में हमारे लिए विशेष हैं।

1 कन्नड़, 3 तमिल और 3 मलयालम फिल्मों में नजर आ चुकी मालविका मोहनन रजनीकांत के साथ फिल्म 'पेश' और विजय थलपति के साथ 'मास्टर' जैसी फिल्में कर चुकी है। वह अत्यंत बोल्ड और ग्लैमरस होने के बावजूद, भारतीय परिधान साड़ी ब्लाउज वाले फोटोशूट में भी एकदम देसी लगती हैं।मेरे डैडी के.यू. मोहनन साऊथ के जाने- माने सिनेमेटोग्राफर हैं, इसलिए ग्लैमर वर्ल्ड के साथ बचपन से ही मेरा रिलेशन रहा है। मैने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। 2013 में मुझे पहली बार मलयालम फिल्म 'पेट्टाम पोल' में काम करने का अवसर मिला। उसके बाद 2019 में मैंने पहली तमिल फिल्म 'पेट्टा' की, जिसमें मैं रजनी सर के अपोजिट लीड रोल में थी। 'बियॉन्ड द क्लाऊड्स' (2017) मेरी पहली फिल्म हिंदी फिल्म थी।

मैं एक्टिंग पैसे के लिए नहीं कर रही, बल्कि यह मेरी हॉबी है। 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' के बाद मुझे काफी हिंदी फिल्मों के ऑफर मिले, जिनमें कुछ तो काफी बड़े हीरोज के साथ थीं, लेकिन वे मुझे कुछ खास नहीं लगीं, इसलिए मैं इंतजार करती रही।फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी एक आर्मी ऑफिसर का किरदार निभा रहे हैं और मैं उनकी लव इंटरेस्ट के किरदार में हूं। ऑडियंस को मेरे इस किरदार में कई सारे वेरिएशन्स देखने को मिलेंगे। वैब सिरीज से मैंने दूरी नहीं बनाई। फिल्मों के कंपैरिजन में मुझे वैब सीरीज में काम करना ज्यादा अच्छा लगता है लेकिन मैं फिल्मों की तरह वेब सीरीज के अपने किरदारों को लेकर भी काफी अलर्ट रहती हूं। मुझे अच्छे रोल्स वाली वैब सीरीज का इंतजार है।अक्षय कुमार की बड़ी फैन मैं चाहती हूं कि यहां हर बड़े-छोटे एक्टर के साथ काम करूं लेकिन मैं अक्षय कुमार की बहुत बड़ी फैन रही हूं, इसलिए चाहती हूं कि उनके साथ कम से कम एक फिल्म अवश्य करूं । मैं सिर्फ फिल्में करने के लिए ही फिल्में नहीं करती। मैं काफी सिलैक्टिव हूं। जब तक मुझे नहीं लगता कि जो फिल्म में करने जा रही है. उसमें मेरा किरदार कुछ खास है, तब तक मैं उसके लिए हां नहीं कहती।

स्टार विजय देवरकोंडा के साथ रोमांटिक रिलेशनशिप से चर्चा में रश्मिका की 'लव लाइफ'

रश्मिका मंदाना कुछ समय से अपनी फिल्मों के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में है। अटकलें हैं कि वह साऊथ के स्टार विजय देवरकोंडा के साथ रोमांटिक रिलेशनशिप में है। अभी ये अटकलें जारी ही थीं कि दोनों ने हाल ही में अपने फैन्स को एक ऐसा संकेत दिया, जिसके बाद ये अटकलें सच साबित होती नजर आ रही हैं। फैन्स का मानना है कि इस जोड़े ने परिवार में एक- दूसरे के साथ दशहरा उत्सव मनाया है।

दरअसल, विजय ने हाल ही में हैदराबाद में अपने घर पर अपने परिवार के साथ दशहरा उत्सव मनाया। उसने फैन्स के साथ इस अवसर के कुछ खूबसूरत पल शेयर करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया लेकिन इन तस्वीरों के आने के बाद फैन्स ने एक बार फिर यह समझ लिया है कि रश्मिका भी देवरकोंडा परिवार के दशहरा उत्सव का हिस्सा थी।

जश्न की किसी भी तस्वीर में विजय के न दिखने के बावजूद, दशहरे की शाम रश्मिका को हैदराबाद एयरपोर्ट पर देखा गया। वह मुंबई जा रही थी और उसके माथे पर तिलक था, जिससे अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह विजय के घर पर पूजा में शामिल हुई होगी क्योंकि विजय के परिवार ने भी ठीक उसी तरह का तिलक लगाया हुआ था।

अब फैन्स वीडियो के कमेंट सैक्शन में दोनों के रिश्ते को परिवार की मंजूरी मिलने के कयास लगाने बारे कमैंट कर रहे हैं।

विजय ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें उसे पीले कुर्ते में देखा जा सकता है। पूरा परिवार खुशी से भरे पलों को एंजॉय कर रहा है। पहले शॉट में पुजारी तिलक लगाता है और दूसरे में पूरा परिवार पूजा के लिए एक साथ आता है। विजय के इंस्टाग्राम पोस्ट को लाल दिल के साथ कैप्शन दिया गया, 'हैप्पी फैमिली पूजा, आप सभी 44 को हैप्पी दशहरा ।

रश्मिका की अगली फिल्में

रश्मिका जल्द ही हिंदी फिल्म 'एनिमल' में नजर आएगी। निर्देशक संदीप रैड्डी वांगा की इस फिल्म में रश्मिका के साथ रणबीर कपूर मुख्य भूमिका में है। इसके अलावा रश्मिका ने हाल ही में निर्देशक राहुल रवींद्रन के साथ अपनी अगली फिल्म 'द गर्लफ्रैंड' की फर्स्ट लुक शेयर की थी।

मुझे लगा था कि मेकर्स इसे नहीं दिखाएंगे : निमृत कौर अहलूवालिया

'छोटी सरदारनी' छोड़ने के तीन महीने बाद 'बिग बॉस' के लिए बातचीत शुरू हुई और इसका मेरी हैल्थ पर बहुत बुरा असर पड़ा। 'छोटी सरदारनी' फेम निमृत कौर अहलूवालिया 'बिग बॉस 16' की सबसे मजबूत कंटेस्टेंट्स में से एक थीं। शो के दौरान उन्होंने अपनी मैंटल हैल्थ को लेकर बात की थी। अब हाल ही में निमृत ने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि उनकी मैंटल हैल्थ के बारे में नैशनल

एक्ट्रेस की हैल्थ पर पड़ा बुरा असर

निमृत कौर अहलूवालिया ने बताया कि ₹शो के दौरान यह उनके लिए कितना भारी समय था। 'छोटी सरदारनी' छोड़ने के तीन महीने बाद 'बिग बॉस' के लिए बातचीत शुरू हुई और इसका मेरी हैल्थ पर बहुत बुरा असर पड़ा। जैसे ही शो खत्म हुआ, मैं ब्रेक लेना चाहता थी और ऐसा कुछ नहीं करना चाहती थी, जिसके लिए मुझे बहुत ज्यादा समय लगाना पड़े।

दरअसल निमृत ने रियलिटी शो में अपनी मैंटल हेल्थ और दवा लेने के बारे में खुलासा किया था जहां कई लोगों ने उन्हें इस चीज के लिए आगे बढ़ने की हिम्मत दी, वहीं कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने निमृत को ट्रोल किया। हालांकि, अब निमृत अहलूवालिया ने चौंकाने वाला खुलासा किया टैलीविजन पर टैलीकास्ट किया और बताया कि उन्हें नहीं पता था कि उनके मानसिक स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं को टी.वी. पर दिखाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि शो में आने से पहले ही मुझे बताया गया था कि अगर ऐसा समय आता है, जब चीजें खराब होती हैं और मुझे डॉक्टर्स से बात करने की जरूरत महसूस होती है, तो टीम मदद करेगी। कम से कम मुझे तो यही बताया गया था। साथ ही, मुझे कहा गया था कि इसे टी.वी. पर नहीं दिखाया जाएगा।

लेकिन क्योंकि मैं घर के अंदर थी, तो मुझे इस बात की जानकारी नहीं थी कि यह बाहर लोगों को दिखाया गया है।

आपकी सुंदरता को बढ़ाएगी 'सदाबहार साड़ी'

त्यौहारों के साथ-साथ इन दिनों शादियों का सीजन भी शुरू हो चुका है। ऐसे में महिलाओं को अक्सर ऐसी ड्रेसेज़ की तलाश रहती है, जो उन्हें बेहतर लुक देने के साथ-साथ ट्रेंडी भी दिखाएं। बदलते फैशन के दौर में भले ही आजकल आऊटफिट्स में कई तरह के ऑप्शन है, लेकिन साड़ी आज भी महिलाओं की पहली पसंद बनी हुई है।

साड़ी एक ऐसी पारंपरिक पोषाक है, जो महिलाओं को भीड़ से हटके लुक देती है। ऐसे में अगर आप भी स्टाइलिश और मॉडर्न लुक चाहती है, तो आज आपको साड़ियों के ही कुछ ऐसे बेहतरीन ऑप्शन दिखाते हैं, जिन्हें आप आसानी से ट्राई कर सकती है ट्रैंडी होने के साथ-साथ ये साड़ियाँ एवरग्रीन' यानी सदाबहार है, जिन्हें आप किसी भी फक्शन त्यौहार या पार्टी में पहन सकती है।

सॉटन साड़ी

आपको भीड़ से अगर कुछ हटके पहनना है तो सॉटन की साड़ी एक अच्छा ऑप्शन रहेगी। अदिति राव हैदरी की व्हाइट फ्लोरल प्रिंटेड सॉटन साड़ी आप पहन सकती हैं। फुल नैक ब्लाऊज के साथ सिपल नेकपीस आपकी लुक को और भी निखार देगा।

ऑर्गेजा साड़ी

फ्लोरल प्रिंट की अगिन्ज साड़ी भी आपको भीड़ से कुछ अलग लुक देगी। अगर आप कुछ ट्रेडिशनल पहनने की तलाश में हैं, तो कंगना रनौत की यह मल्टी साड़ी पहन सकती हैं। सिपल नेकपीस, डॉक मेकअप आपकी ओवरऑल लुक को और भी ज्यादा निखार देगा।

शिमरी साड़ी

लाइटवेट साड़ियों को बात करें तो उनमें शिमरी भी काफी ऊपर आती है। ऐसे में अगर आप भी कुछ लाइटवेट साड़ियों की तलाश में हैं, तो जाह्नवी कपूर की यह सिल्वर शिमरी साड़ी पहन सकती हैं। प्लॉजग नैकलाइन के साथ आप भी भीड़ से एक अलग लुक ट्राई कर सकती हैं।

टिश्यू साड़ी

ऐसी सिपल, हल्की-फुल्की साड़ी की भी दीवाज से लेकर आम लड़कियां दीवानी हैं। हाल ही में दुर्गा पूजा में शामिल हुई एक्ट्रेसेज ज्यादातर टिश्यू साड़ी में ही नजर आई। लेकिन नियॉन ग्रीन कलर की टिश्यू साड़ी काजोल की कैस को

काफी पसंद आई। आप भी एक्ट्रेस की यह लुक ट्राई कर सकती हैं।

केप स्टाइल साड़ी

हाल ही में शादी के बाद पहली बार लैक्मे फैशन वीक का हिस्सा बनी परिणीति भी कैप स्टाइल साड़ी पहने रैंप पर उतरी हाफ स्लीव ब्लाऊज के साथ उन्होंने नेट फैब्रिक की केप स्टाइल साड़ी पहनी।

बनारसी सिल्क साडी

अगर आप चाहती है कि हर कोई आपकी लुक को देखकर आपकी तारीफ करे, तो आप सिल्क बनारसी साड़ी कैरी कर सकती है। आप चाहें तो खुशी कपूर की पर्पल गोल्डन सिल्क बनारसी साड़ी पहन सकती है।

रफल साड़ी

इस तरह की साड़ी आजकल काफी ट्रेड में है। खास बात यह है कि रफल साड़ी बहुत ही लाइट वेट होती है। आप इसे बहुत आसानी से किसी भी पार्टी, वैडिंग में कैरी करके बेहतरीन लुक पा सकती हैं। मिनिमल ज्यूलरी, लाइट मेकअप और अपने पसंदीदा हेयरस्टाइल के साथ आप पार्टी की जान बन सकती हैं।

'डर्मेटोलॉजिस्ट' बन कर संवारें भविष्य

डर्मेटोलॉजिस्ट अब कॉस्मैटिक डर्मेटोलॉजी के क्षेत्र में काम करने लगे हैं। कॉस्मेटोलॉजी के तहत लोग जवां दिखने के लिए उपचार लेते हैं, इसलिए लेजर, फिलर्स तथा बोटोक्स के इस्तेमाल का गहन ज्ञान होना जरूरी है।

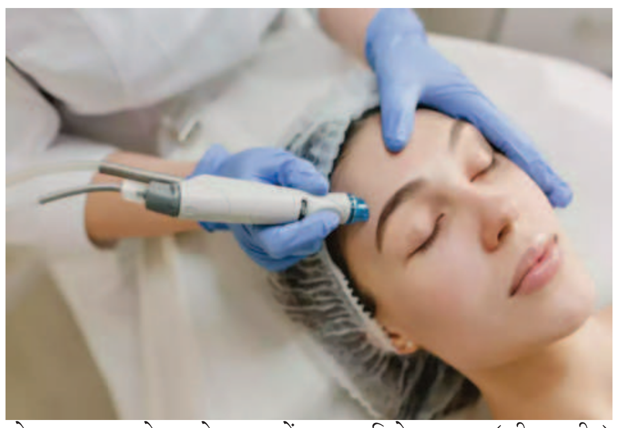

योग्यता

मैडीसिन की विभिन्न शाखाएं हैं, जिनमें से अपनी पसंद के किसी भी क्षेत्र में करियर बनाया जा सकता है। इनमें से कुछ शाखाएं जहां युवाओं में अधिक लोकप्रिय हैं, तो कुछ कम परंतु हर शाखा में काम करने वाले चिकित्सकों को समाज में बेहद सम्मान की नजर से देखा जाता है। अपने कार्य के दौरान उन्हें समाज तथा मानवता के कल्याण की दिशा में कुछ करने का खास मौका भी मिलता है। यदि आपकी भी मैडीसिन के क्षेत्र में रुचि है तो डर्मेटोलॉजी भी एक उत्तम विकल्प है।

कार्यक्षेत्र

त्वचा तथा उसके रोगों से संबंध रखने वाली मैडीसिन की शाखा को डर्मेटोलॉजी कहा जाता है। इसके तहत त्वचा, बाल, नाखून, म्यूकस मैम्ब्रेन संबंधी रोगों को दूर करने के लिए मैडीकल तथा सर्जीकल उपायों एवं विधियों का प्रयोग किया जाता है। झाइयों से लेकर त्वचा संबंधी वंशानुगत विकारों के अलावा त्वचा कैंसर जैसी गम्भीर व्याधि का उपचार भी डर्मेटोलॉजिस्ट ही करते हैं।

कॉस्मैटिक क्षेत्र में मांग

चूंकि आज के दौर में अनेक लोग अपने रंग-रूप से संतुष्ट नहीं होते, ऐसे में कॉस्मैटिक उपचारों की मांग इन दिनों काफी बढ़ चुकी है, जिसमें झुर्रियां दूर करने से लेकर, दाग-धब्बे छुपाने, त्वचा में कसाव पैदा करने, टैटू हटाने के लिए किए जाने वाले उपचार आदि शामिल होते हैं। बुनियादी तौर पर कहें तो डर्मेटोलॉजिस्ट बढ़ती उम्र के लक्षणों को दूर करने में भी सहायता करते हैं। इस क्षेत्र में बढ़ती मांग तथा आय की वजह से अनेक जो छात्र इस क्षेत्र में भविष्य बनाना चाहते हैं, उनके लिए 11वीं तथा 12वीं कक्षा में बायोलॉजी, फिजिक्स एवं कैमिस्ट्री विषयों सहित विज्ञान का अध्ययन करना लाजिमी है। 12वीं कक्षा पास करने के उपरांत उन्हें एम.बी.बी.एस. डिग्री प्राप्त करनी होगी।

इसके बाद उनके पास निम्न विकल्प होंगे-

पहला तीन वर्षीय एम.डी. इन डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी एंड लैप्रसी अथवा दो वर्षीय डिप्लोमा कोर्स इन डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी एंड लैप्रसी।

दूसरा हाऊस जॉब (बतौर प्रशिक्षु डॉक्टर काम करना) करें, साथ ही नैशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन का प्राइमरी एग्जाम पास करने के बाद तीन वर्षीय नैशनल बोर्ड ऑफ मैडीकल एग्जामिनेशन्स (डी.एन.बी.) डिग्री इन डर्मेटोलॉजी पूरी करें।

तीसरा विकल्प : हाऊस जॉब करें तथा डर्मेटोलॉजी में डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद दो वर्षीय डी.एन.बी. प्रोग्राम पूरा करें।

कौशल

डर्मेटोलॉजिस्ट्स को सौंदर्य की समझ के साथ ही रोगियों को समझाने के लिए काऊंसलिंग में भी माहिर होना चाहिए। सर्जरी करने वाले डर्मेटोलॉजिट्स को अपने कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए बेहद दक्ष होना पड़ता है। इस पेशे में उच्च स्तर के धैर्य की आवश्यकता होती है तथा अपने रोगियों के साथ नम्र एवं सुहृदय व्यवहार करने में भी उन्हें समर्थ होना चाहिए।

पारिश्रमिक

सरकारी अस्पतालों में नियुक्त एम.डी. इन डर्मेटोलॉजी' प्रतिमाह 50 से 60 हजार रुपए तक कमाते हैं। किसी प्रतिष्ठित संस्थान में बतौर प्रोफैसर या डिपार्टमैंट हैड नियुक्त डर्मेटोलॉजिस्ट प्रतिमाह डेढ़ लाख रुपए तक प्राप्त करते हैं। निजी क्षेत्र में काम करने वाले डर्मेटोलॉजिस्ट्स की आय अस्पताल, उनके पद तथा कार्य के स्तर एवं उनके अनुभव पर निर्भर करती है। आमतौर पर यह 25 हजार रुपए प्रतिमाह से अधिक होती है।

संस्थान

ऑल इंडिया इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज

क्रिश्चियन मैडीकल कॉलेज, वेल्लूर

मौलाना आजाद मैडीकल कॉलेज, बेंगलूर मैडीकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीच्यूट

करियर डेवलपमेंट के लिए ऐसे चुनें मेंटॉर

आजकल इतने सारे करियर ऑप्शन है कि ज्यादातर युवा कंफ्यूज हो जाते हैं कि किस फील्ड में आगे बढ़ना चाहिए. हालांकि, अपने करियर को लेकर उलझन में रहना स्वाभाविक हो सकता है. ऐसे में एक

अच्छे मेंटॉर की सलाह आपके लिए बेहतर साबित हो सकती है. एक अच्छी सलाह आपको कामयाबी की राह पर तेजी से आगे बढ़ने में कैसे मदद कर सकती है. आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बता रहे हैं कि कैसे आप बेहतर मेंटॉर से मदद ले सकते हैं...

ऐसे चुनें मेंटॉर

कई स्टडीज कहती हैं कि ऐसे स्टूडेंट्स, इंप्लॉई या एस्पिरेंट, जिन्हें मेंटरिंग मिलती है, वे बाकी लोगों से 5 गुना ज्यादा बार प्रमोट हो पाते हैं. इतना ही नहीं उनमें अपनी स्टडी या जॉब को लेकर ज्यादा सटिस्फेक्शन रहता है. इससे उन्हें अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में बढ़िया बैलेंस बनाने में भी आसानी होती है.

क्या होती है मेंटरिंग?

एक अनुभवी पेशेवर या सलाहकार को मेंटॉर कहा जाता है. आप अपने करियर और पर्सनालिटी डेवलपमेंट पर राय लेने के लिए अपने मेंटॉर खुद चुन सकते हैं. उनकी सलाह आपको दूसरों से आगे रखने और समय पर अपने गोल्स तय करने में बहुत मददगार साबित होती हैं.

किसे चुनें मेंटॉर?

अपना आप मेंटॉर अपने किसी ऐसे सीनियर व्यक्ति को बनाएं, जो आपकी इंडस्ट्री या पढ़ाई को लेकर अच्छी समझ रखते हों. जो करियर में सफल हो और इंडस्ट्री में सम्मान के साथ देखे जाते हों. मेंटॉर के पास अनुभव के साथ- साथ उदाहरण भी होने चाहिए, जिसमें उन्होंने किसी की उलझन को आसान किया हो या किसी के काम को आसान किया हो.

कैसे चुनें मेंटॉर?

आपको सबसे पहले इस बात पर विचार करना जरूरी है कि आपके करियर और पर्सनालिटी को मेंटॉर की कितनी जरूरत है? इसके अलावा आप जिसे मेंटॉर के रूप में देखते हैं, क्या वह व्यक्ति आपकी कितनी हेल्प कर पाएगा? आप अपना लक्ष्य निर्धारित करें. आपका मेंटॉर आपका फैवरेट टीचर, ट्यूशन टीचर, भाई-बहन या घर के बड़े सदस्य भी हो सकते हैं. अपने नेटवर्क में ऐसे सीनियर और सफल लोगों के बारे में और रिसर्च करें. इससे आपका संपर्क करने का दायरा और अनुभवी व्यक्ति से संपर्क होने की संभावनाएं बढ़ेगी.

ऐसे तैयार करें एलीवेटर पिच

मेंटॉर को अपनी अचिवमेंट और काम के बारे में भी समय-समय पर बताते रहें, ताकि वे आपकी जरूरतों और मजबूती को बेहतर तरीके से समझकर सलाह दे पाते हैं. एलीवेटर पिच में अपने बारे में 30-40 सेकंड का एक छोटा सा परिचय होता है.

इसमें अपने लक्ष्यों, भविष्य और अपने नजरिए के बारे में बताना भी शामिल कर सकते हैं. इससे आप मेंटॉर को भी यह समझने का मौका मिलता है कि आपके लक्ष्य में उनकी सलाह कितनी मददगार साबित होगी.

तैयार रहें हर 'बदलाव' के लिए

कुछ लोग परिवर्तन के हर प्रयास का प्रतिरोध करते हैं। दुर्भाग्य से भले ही प्रतिरोध करने वाले लोग बहुत कम तथा मुट्ठी भर हों लेकिन वे बहुत जल्दी गति में बाधा डाल कर परिवर्तन को बीच रास्ते में ही रोक सकते हैं। यहां कुछ उपाय बताए जा रहे कि हैं, जिनकी मदद से आप लोगों को अपने पक्ष में कर सकते हैं:

तथ्य के आधार पर बात करें : परिवर्तन आवश्यक और संभव है, यह दिखाने के लिए प्रमाण दें। कई स्रोतों से तथ्य एकत्रित करें और विवरणों पर खास ध्यान दें। छोटी-सी गलती भी परिवर्तन की मुहिम के बारे में अविश्वास जगा सकती है।

विरोधी तर्क : यह जानकारी रखें कि आपके विरोधी क्या कह रहे हैं। उनकी चिंताओं को स्वीकार करने के लिए तैयार रहें और अपने पक्ष में एक प्रबल तार्किक मसौदा प्रदान करें।

बड़ी तस्वीर : यदि थोड़े

समय के लिए हो, तो बदलाव असुविधाजनक होता है। बड़ी तस्वीर की ओर देखें और बताएं सुझाया परिवर्तन लम्बी सफलता!

अवधि के लिए अच्छा क्यों है ।

दोहराव और दबाव : संदेश पर कायम रहें, अपने सर्वश्रेष्ठ तर्क दोहराएं और परिवर्तन का विरोध करने वाले लोगों को बदलने के लिए आवश्यक दबाव का इस्तेमाल करें।

'प्रेरणा' है सफलता की कुंजी

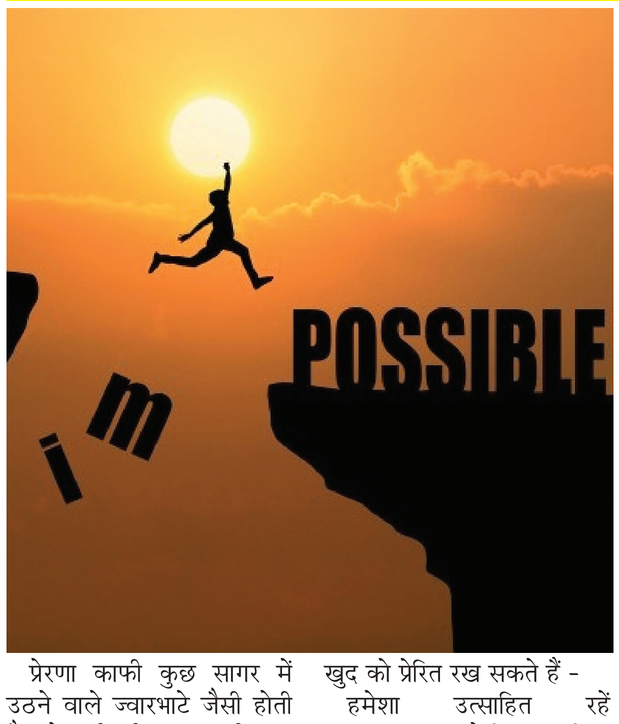

प्रेरणा काफी कुछ सागर में उठने वाले ज्वारभाटे जैसी होती है, जो उसी की तरह आती तथा जाती रहती है। अच्छी बात है कि इसका असर हमेशा के लिए नहीं जाता, लेकिन जाने के बाद हाथ पर हाथ धर कर इसके लौटने की प्रतीक्षा में बैठे रहना सही नहीं होता। यहां दिए जा रहे टिप्स का पालन करके आप जब तक चाहें खुद को प्रेरित रख सकते हैं -

हमेशा उत्साहित रहें

भावनात्मक रूप से जितना अधिक उत्साहित रहेंगे, उतना ही प्रेरित भी महसूस करेंगे। काम में भावनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सही भावनाओं की सहायता से आप अपने आस- पास मौजूद लोगों को भी प्रेरित करते हैं।

सकारात्मक सोच का लाभ

जो लोग अपनी या अपने काम से जुड़ी कमियों के बारे में चिंता करते रहते हैं, उनके भीतर मौजूद रही-सही प्रेरणा भी जाती लगती है । हमेशा सकारात्मक सोच का पालन करें। कमियों पर अफसोस करने के स्थान पर सोचें कि किस तरह से आप उन्हें दूर करके किसी काम को पूरा कर सकते हैं। अपनी क्षमताओं पर विश्वास करके ही जीवन में सफलता हासिल की जा सकती है। प्रेरित करने वाला लेखन रोज पढ़ना खुद को लम्बे समय तक प्रेरित रखने का उत्तम साधन है।

ध्यान रखें कि आप केवल अच्छा लेखन पढ़ें जो आपको प्रोत्साहित करने का काम करे। अपने लक्ष्य से संबंधित लेखन पढ़ना और भी बेहतर होगा। इससे आपकी जानकारी भी बढ़ेगी और आप जीवन में आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित भी होंगे। प्रेरक सोहबत में रहें सहकर्मी तथा साथ रहने वाले लोग प्रेरणा के स्तर को ऊपर उठाने या गिराने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए जरूरी है कि अच्छी सोहबत में रहा जाए। नकारात्मक लोगों के साथ न रहें ।

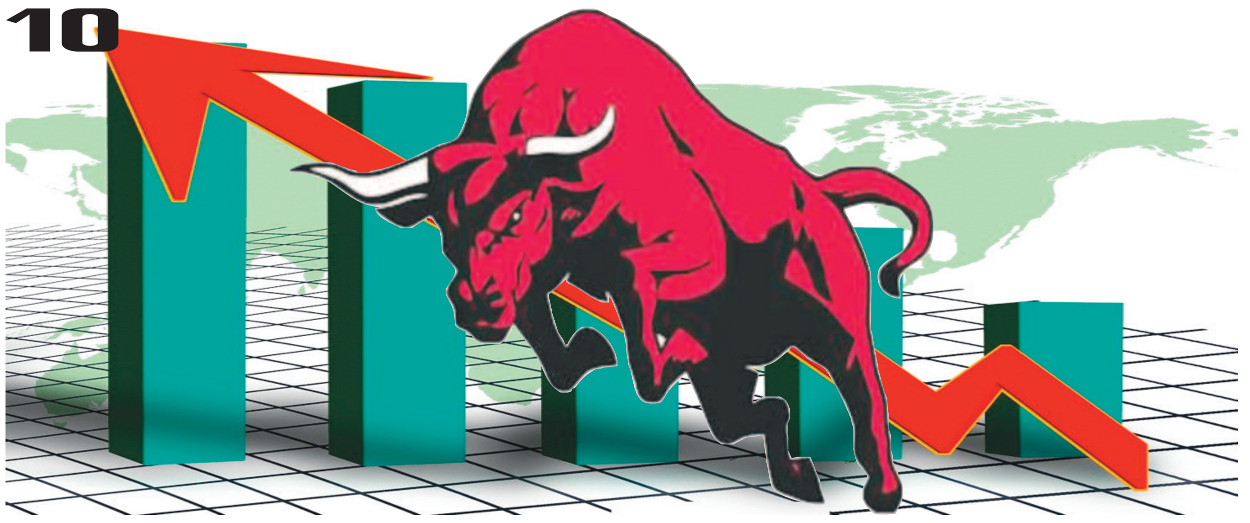

चैटजीपीटी की लंका लगाने आया नया चैटबॉट ! मस्क का ग्रोक मजाकिया अंदाज में देगा जवाब, सच के सिवाय कुछ नहीं बोलेगा

नई दिल्ली , 5 नवंबर (एजेंसियां)। दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस टूल्स की मांग तेजी से बढ़ रही है और टेक्नोलॉजी सेक्टर की कंपनियां इस मौके को भुनाने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। चैटजीपीटी समेत कई एआई टूल्स बाजार में मौजूद हैं। अब एक और टूल ग्रोक की एंट्री हुई है।शख्स एलन मस्क की कंपनी एक्सएआई ने अपना पहला लार्ज लैंग्वेज एआई मॉडल, ग्रोक लॉन्च किया है। मस्क ने ट्वीट करके एक्सएआई के नए चैटबॉट ग्रोक के बारे में बताया। खास बात है कि ये एआई टूल ओपन एआई, गूगल और डीप माइंड जैसे एआई मॉडल को विकसित कर चुके इंजीनियर्स के एक ग्रुप ने बनाया है।

ग्रोक में क्या खास

ग्रोक का मतलब है सहजता से समझना। इस एआई टूल को लॉन्च करने के लिए एलन मस्क लंबे समय से प्रयास कर रहे थे। एलन मस्क ने एक ट्विटर पर अपनी पोस्ट में कहा कि एक्सएआई का ग्रोक अन्य एआई मॉडल की तुलना में 'ज्यादा जिज्ञासु' और 'सच बताने वाला' है। मस्क ने कहा कि उनका ये टूल यूजर्स को सच बताता है। एलन मस्क ने अपने एआई टूल को मौजूदा अन्य टूल्स से सर्वश्रेष्ठ होने का दावा किया है। उन्होंने इसे चैट जीपीटी और गूगल के बार्ड से भी अच्छा बताया है।

चैटजीपीटी से कितना अलग ग्रोक

ग्रोक में यूजर्स को रियल टाइम इनफार्मेशन एक्सेस मिलता है जबकि चैट जीपीटी में ऐसा नहीं है। इसके अलावा, जेनरेटिव एआई मॉडल आवाज के जरिए भी जानकारी देगा। इसे मजाकिया अंदाज में रिएक्शन देने के लिए भी तैयार किया गया है। एलन मस्क ने 4 महीने पहले एक्सएआई की शुरुआत की थी। तब मस्क ने कहा था कि एआई 5 साल में ह्यूमन इंटेलिजेंस से आगे निकल जाएगा। एक्सएआई की टीम को मजबूत करने के लिए एलन मस्क ने डीपमाइंड, ओपन एआई, गूगल रिसर्च, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च और टेस्ला में काम कर चुके लोगों को शामिल किया।एक्सएआई के अनुसार, ग्रोक को इंसानों की मदद करने के लिए तैयार किया गया है ताकि वे दुनियाभर का ज्ञान हासिल कर सकें। ग्रोक-1 एलएलएम द्वारा संचालित है, जिसे 4 महीने की अवधि में विकसित किया गया है।ग्रोक का बीटा एडिशन फिलहाल में अमेरिका में सीमित संख्या में यूजर्स के लिए उपलब्ध है। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में, इसे एक्स प्रीमियम+ ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इसकी डेस्कटॉप सदस्यता लेने के लिए प्रति माह 1,300 रुपये चुकाने होंगे।

29 महीने बाद देश में बेरोजगारी 10% बढ़ी

कोरोना महामारी के बाद यह दर सबसे ज्यादा, मई 2021 में यह 11.84% थी

नई दिल्ली , 5 नवंबर (एजेंसियां)। देश में 29 महीने बाद 15 साल से अधिक उम्र के लोगों के बीच बेरोजगारी दर 10% से ज्यादा हो गई है। कोविड-19 के बाद यह दर सबसे ज्यादा है। इससे पहले मई 2021 में यह दर 11.84% दर्ज की गई थी। ताजा दर में अप्रत्याशित बढ़ोतरी गांवों में बेरोजगारों की संख्या बढ़ने से हुई है। दरअसल, ग्रामीण इलाकों में मनरेगा के तहत दिया जाने वाला रोजगार एक महीने में रोजगार 28.16% घटा है। योजना के तहत सितंबर में 19.53 करोड़ लोगों को रोजगार मिला था। अक्टूबर में संख्या घटकर 14.03 करोड़ रह गई। वहीं, अगर शहरों में बेरोजगारी की बात करें तो यहां सितंबर में बेरोजगारी दर 8.9% थी, जो अक्टूबर में घटकर 8.4% रह गई।

देश में 97 लाख नए लोग काम ढूंढ रहे

सीएमआईई की रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर में देश में 97 लाख नए लोग काम तलाश रहे थे। इनमें 81 लाख नए बेरोजगार ग्रामीण क्षेत्रों से थे। ग्रामीण श्रमशक्ति की बात करें तो अक्टूबर में नए और पुराने 1.52 करोड़ मजदूर जुड़े। इससे कुल बेरोजगार ग्रामीण मजदूरों की संख्या एक महीने में 1.93 करोड़ से बढ़कर 3.45 करोड़ हो गई। बेरोजगारी की यह स्थिति इसलिए चौंकाने वाली है क्योंकि पिछले पांच सालों में सितंबर से अक्टूबर के बीच औसतन बेरोजगार 50 लाख ही बढ़े थे। ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरों को छोटे व्यापारियों के यहां दिहाड़ी और वेतनभोगी के रूप में रोजगार मिलता है। अक्टूबर के आंकड़े बताते हैं कि छोटी दुकानों में दिहाड़ी मजदूरों की संख्या में 1.03 करोड़ की कमी आई। वेतनभोगी मजदूरों की संख्या भी 46 लाख घटी। खेतिहर मजदूरों की संख्या में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई।

2017-18 में बेरोजगारी दर 45 साल के सबसे ऊपरी लेवल पर पहुंची थी

बेरोजगारी को सरकार की नजर से देखें तो उसके पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे डेटा के मुताबिक, 2017-18 में बेरोजगारी दर 45 साल के सबसे ऊपरी लेवल 6.1% तक पहुंच गई थी। यानी, उस साल हर 10,000 वर्कर में 610 बेरोजगार थे, लेकिन अगले साल यानी 2018-19 में उनका आंकड़ा घटकर 5.8% (580 प्रति 10,000) पर आ गया।

2013 से 2019 के बीच बेरोजगारी दर में लगातार गिरावट का रुझान

आईएलओ के डेटाबेस के मुताबिक, 2008 में हर 10,000 वर्कर में 536 बेरोजगार थे, जिनकी संख्या 2010 में 565 पर पहुंच गई। लेकिन, 2013 से 2019 के बीच इसमें लगातार गिरावट का रुझान बना रहा। 2013 में बेरोजगारी 567 वर्कर प्रति 10,000 से 2019 में 527 पर आ गई लेकिन 2020 में बेरोजगारों की संख्या तेज उछाल के साथ 711 पर पहुंच गई।

'ये तकनीक लाने के लिए विदेशी कंपनियों में रुचि

निकट भविष्य में..', भारत में हाईपरलूप को लेकर बोले अफसर

नई दिल्ली , 5 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में हाइपरलूप अल्ट्रा हाई स्पीड ट्रेनों को चलने की संभावनाओं को लेकर नीति आयोग के सदस्य वीके सारस्वत ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा, निकट भविष्य में हाइपरलूप तकनीक अपनाने की संभावनाएं नहीं है क्योंकि यह तकनीक बहुत निम्न स्तर पर है। साथ ही वर्तमान समय में आर्थिक रूप से ये व्यवहार्य भी नहीं है। नीति आयोग के सदस्य वीके सारस्वत ने रविवार को यह बयान दिया।

बता दें सारस्वत वर्जिन हाइपलूप प्रौद्योगिकी की तकनीकी और वाणिज्यिक व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए एक समिति का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने इस संबंध में कहा, कुछ विदेशी कंपनियों ने भारत में टेक्नोलॉजी को लाने में अपनी रुचि दिखाई है।

साक्षात्कार में उन्होंने कहा, जहां तक हमारा सवाल है, विदेशों से जो प्रस्ताव आए थे वे सभी व्यवहार्य विकल्प नहीं है। ये टेक्नोलॉजी अपने बहुत निचले स्तर पर है।हाइपरलूप एक हाई स्पीड ट्रेन है, जो ट्यूब में वैक्यूम में चलती है उसके लेकर जो ऑफर आए हैं वे सभी परिपक्वता के बेहद निचले स्तर परे हैं। हम उस तरह की तकनीक पर निवेश नहीं कर सकते। महाराष्ट्र ने हाइपरलूप को एक सार्वजनिक बुनियादी ढांचा माना है और मुंबई-पुणे हाइपरलूप परियोजना के लिए मूल परियोजना प्रस्तावक के रूप में वर्जिन हाइपरलूप-डीपी वर्ल्ड कंसोर्टियम को मंजूरी दी है।

सारस्वत बोले, हम भी जल्द बड़े उत्पादक होंगे

चीन से लिथियम आयात पर भारत की निर्भरता पर जवाब देते हुए नीति आयोग सदस्य सारस्वत ने कहा, भारत में लिथियम आयन बैटरी का उत्पादन बहुत कम है, इसलिए निर्भरता चीन और अन्य स्रोतों से बैटरी के आयात पर है। लेकिन ज्यादातर यह चीन से है क्योंकि प्रतिस्पर्धा के लिहाज से चीनी बैटरियां सस्ती हैं। उन्होंने कहा, भारत ने देश में बैटरी विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन दिया है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है अगले वर्ष भारत की बड़ी कंपनियां देश में लिथियम-आयन बैटरी के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर उत्पादन करेंगे। लिथियम-आयन का लगभग 75 प्रतिशत आयात चीन से होता है।

अब भारत में रॉकेट बनाएगी स्वीडन की साब कंपनी

डिफेंस सेक्टर का पहला 100 पर्सेंट एफडीआई मंजूर

नई दिल्ली , 5 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग को हाल ही में बड़ा बूस्ट मिला है। सरकार ने पहली बार डिफेंस सेक्टर में किसी 100 पर्सेंट एफडीआई के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। एफडीआई का यह प्रस्ताव भारत में ही रॉकेट के विनिर्माण से जुड़ा हुआ है। इसका मतलब हुआ कि प्रस्ताव देने वाली फेमस विदेशी डिफेंस कंपनी जल्दी ही मेड-इन-इंडिया रॉकेट बनाने वाली है।

बनाई जा चुकी है नई कंपनी

सरकार ने जिस प्रस्ताव को मंजूरी दी है, वह स्वीडन की कंपनी साब का है। साब ने रॉकेट मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी लगाने के लिए एफडीआई का यह प्रस्ताव दिया है। इसके लिए साब एफएफवी इंडिया नाम से एक नई कंपनी रजिस्टर कराई गई है। कंपनी भारत में कार्ल-गुस्ताफ एम4 सिस्टम रॉकेट की नई पीढ़ी का विनिर्माण करने वाली है। इस एफडीआई प्रस्ताव की वैल्यू 500 करोड़ रुपये से कम बताई जा रही है।

इस राज्य में बन सकता है प्लांट

साब अभी तक कार्ल-गुस्ताफ एम4 सिस्टम का विनिर्माण सिर्फ स्वीडन में करती है। इस रॉकेट का इस्तेमाल भारतीय सेना पहले से कर रही है। भारत के अलावा अमेरिका और यूरोप के कई देश भी इस रॉकेट का इस्तेमाल करते हैं। ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में साब की रॉकेट फैसिलिटी हरियाणा राज्य में बनाई जा सकती है। साब की वेबसाइट पर बताया गया है कि उसकी भारतीय फैसिलिटी में अगले साल से मैन्युफैक्चरिंग की शुरुआत हो सकती है।

दशकों पुरानी है भागीदारी

भारतीय सेना दशकों से साब के रॉकेट का इस्तेमाल कर रही है। कार्ल-गुस्ताफ सिस्टम के लिए भारतीय सेना और साब के बीच सबसे पहले 1976 में एग्रीमेंट हुआ था। इस एफडीआई प्रस्ताव से पहले साब भारतीय कंपनियों म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड और एडवांस्ड वीपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड के साथ मिलकर भारतीय सेना के लिए हथियार व आयुध बना रही थी।

यह पहला ऐसा मामला होगा, जब डिफेंस सेक्टर में किसी 100 पर्सेंट एफडीआई के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई हो। भारत में अभी तक ऑटोमैटिक रूट से डिफेंस सेक्टर में 74 फीसदी तक एफडीआई अलॉउड है। उससे ऊपर एफडीआई के लिए मामला-दर-मामला आधार पर मंजूरी दी जाती है। सरकार ने 2015 में एफडीआई से जुड़े नियमों को आसान बनाया था।

बिजली खपत 9.4 प्रतिशत बढ़ी, अप्रैल से अक्टूबर में लगभग 984.39 अरब यूनिट पहुंचा आंकड़ा

नई दिल्ली , 5 नवंबर (एजेंसियां)। सरकार ने बताया है कि अप्रैल से अक्टूबर की छमाही में भारत की बिजली खपत बढ़कर 984.39 अरब यूनिट हो गई है। मुख्य रूप से आर्थिक गतिविधियों और मौसम की स्थिति में सुधार के कारण चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में बिजली की खपत 9.4 प्रतिशत बढ़ी।

अप्रैल-अक्तूबर अवधि में बिजली की मांग

भारत की बिजली खपत एक साल पहले की तुलना में लगभग 84 यूनिट बढ़ी। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 में अप्रैल से अक्टूबर अवधि में बिजली की खपत 899.95 बिलियन यूनिट थी। इस वित्तीय वर्ष में अप्रैल-अक्तूबर अवधि के दौरान बिजली की सबसे अधिक मांग लगभग 241 गीगावॉट से अधिक रही। 2022 की समान अवधि में बिजली की मांग केवल 215.88 गीगावॉट थी।

पिछले साल की तुलना में कितनी मांग बढ़ी

अक्तूबर में देश की बिजली खपत लगभग 22 प्रतिशत बढ़कर 138.94 बिलियन यूनिट (बीयू) हो गई। त्योहारों और बढ़ी हुई आर्थिक गतिविधियों के कारण बिजली की मांग बढ़ रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, एक साल पहले इसी महीने में बिजली की खपत 113.94 अरब यूनिट थी। अक्तूबर 2021 में 112.79 बिलियन यूनिट की मांग दर्ज की गई थी।

औद्योगिक घराने ने बताए बिजली की मांग के आंकड़े

टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के एक प्रवक्ता ने कहा, 'पिछले कुछ महीनों में बिजली की खपत काफी बढ़ गई है।' अक्टूबर 2023 में, टाटा पावर-दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के परिचालन क्षेत्र में बिजली की खपत लगभग 10.16 प्रतिशत बढ़कर 845 एमयू (मिलियन यूनिट) हो गई, जबकि अक्टूबर 2022 में 767 मिलियन यूनिट मांग दर्ज की गई थी।

हल्की गर्मी के कारण बिजली की खपत कम

टाटा के प्रवक्ता ने बताया, मुख्य रूप से इस साल सर्दियों की शुरुआत में देरी के कारण मांग अधिक बनी हुई है। अक्तूबर के महीने में त्योहारी गतिविधियों के कारण भी मांग में वृद्धि हुई है। प्रवक्ता ने कहा कि इस साल हल्की गर्मी रही, जिसके कारण अप्रैल-मई के दौरान बिजली की खपत पिछले साल की समान अवधि की तुलना में काफी कम थी।

जुलाई से मांग बढ़ने की शुरुआत

प्रवक्ता ने बताया कि अत्यधिक आर्द्र परिस्थितियों के कारण जुलाई से मांग बढ़ने लगी थी। बिजली मंत्रालय ने अनुमान लगाया था कि गर्मियों के दौरान देश की बिजली की मांग 229 गीगावॉट तक पहुंच जाएगी, लेकिन बेमौसम बारिश के कारण अप्रैल-जुलाई में मांग अनुमानित स्तर तक नहीं पहुंची।अधिकतम आपूर्ति जून में हुई, जब कुल बिजली खपत 224.1 गीगावॉट की नई ऊंचाई पर जा पहुंची।

लोगों का डूबेगा पैसा या भरेगी तिजोरी? जानिए इस हफ्ते कैसा रहेगा शेयर बाजार का हाल

नई दिल्ली , 5 नवंबर (एजेंसियां)। घरेलू कंपनियों का तिमाही रिपोर्ट कार्ड, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

इसके अलावा वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के रिसर्च हेड संतोष मीणा ने कहा, 'घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे बाजार की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहेंगे। यदि विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध रूप से लिवाल रहते हैं, तो इससे बाजार की तेजी को और समर्थन मिल सकता है।'

इजराइल-हमास युद्ध का सीमित असर

मीणा ने कहा, 'हालांकि भू-राजनीतिक चिंताएं बनी हुई हैं, लेकिन उनका बाजार के कुल रुझान पर सीमित प्रभाव पड़ा है।

वैश्विक बाजारों का जुझारूपन इस सकारात्मक धारणा को कायम रखने की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा।' वृहद आर्थिक मोर्चे पर औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों की घोषणा शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद की जाएगी।

ये तय करेंगे बाजार की दिशा

मास्टर कैपिटल सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा ने कहा, 'वैश्विक और घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक घटनाक्रम, एफआईआई के साथ घरेलू संस्थागत निवेशकों का रुख, कच्चे तेल का भंडार, डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, इजराइल-हमास संघर्ष और दूसरी तिमाही के नतीजे इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इन कंपनियों के आएंगे रिजल्स

नंदा ने बताया कि आगामी दिनों में कुछ बड़ी कंपनियां मसलन एचपीसीएल, एनएचपीसी, आईआरसीटीसी, पावर ग्रिड, टाटा पावर, अशोक लेलैंड, कोल इंडिया, हिंडाल्को, एलआईसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा केमिकल्स अपनी तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 580.98 अंक या 0.91 प्रतिशत के लाभ में रहा। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 183.35 अंक या 0.96 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स शुक्रवार को 282.88 अंक या 0.44 प्रतिशत चढ़कर 64,363.78 अंक पर बंद हुआ।

विदेशी निवेशक लगातार निकाल रहे भारतीय शेयर बाजार से अपना पैसा, क्या है वजह?

नई दिल्ली , 5 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला नवंबर में भी जारी है। पश्चिम-एशिया में तनाव तथा बढ़ती ब्याज दरों के बीच एफपीआई ने नवंबर के पहले तीन कारोबारी सत्रों में भारतीय शेयर बाजारों से 3,400 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। इससे पहले एफपीआई ने अक्टूबर में भारतीय शेयर बाजारों से 24,548 करोड़ रुपये और सितंबर में 14,767 करोड़ रुपये निकाले थे। हालांकि, आगे चलकर एफपीआई का बिकवाली का सिलसिला थम सकता है, क्योंकि अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नरम रुख की वजह से बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी थमी है।

बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी थमी

एफपीआई मार्च से अगस्त तक इससे पिछले छह महीने के दौरान लगातार शुद्ध लिवाल रहे थे। इस दौरान उन्होंने शेयर बाजारों में 1.74 लाख करोड़ रुपये डाले थे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, 'फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पावेल की नरम टिप्पणी के बाद बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी का रुख पलट गया है। बाजार ने उनकी इस टिप्पणी की व्याख्या ब्याज दरों में बढ़ोतरी के सिलसिले पर रोक के रूप में की है।'

एफपीआई ने 3,412 करोड़ रुपये के शेयर बेचे

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से तीन नवंबर के दौरान 3,412 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। सितंबर की शुरुआत से एफपीआई लगातार बिकवाल बने हुए हैं। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक एवं प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, 'इजराइल-हमास संघर्ष और अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी की वजह से एफपीआई बिकवाल रहे हैं।'

सोने और डॉलर का रुख कर सकते हैं निवेशक

विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा परिदृश्य में एफपीआई निवेश के अधिक सुरक्षित विकल्प सोने और अमेरिकी डॉलर की ओर रुख कर सकते हैं। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 1,984 करोड़ रुपये डाले हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	तुला....	04-57 बजे
चंद्र-	कर्क में	वृश्चिक.	07-06 बजे
मंगल	तुला में	धनु.....	09-20 बजे
बुध-	तुला पें	मकर..	11-27 बजे
गुरु-	मेष में	कुंभ...	13-17 बजे
शुक्र-	कन्या में	मीन --	14-55 बजे
शनि-	कुंभ में	मेष--	16-31 बजे
राहु-	मेष में	वृष--	18-16 बजे
केतु-	तुला में	मिथुन..	20-16 बजे
		कर्क...	22-28 बजे
		सिंह...	00-41 बजे
		कन्या..	02-47 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय - 06-19
सूर्यअस्त - 17-39
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- नवमी - 05 -51- राततक उपरान्त दशमी
मास - कार्तिक कृष्ण पक्ष , सोमवार 06 November
नक्षत्र - आश्लेषा - 13- 22- तक उपरान्त मघा
योग - शुक्ल - 14 - 24 - तक उपरान्त ब्रह्म
करण- तैतिल - 16 -33 - तक उप- गर
विशेष:- वृश्चिक मे बुध-16-25 से
व्रत -त्योहार - गण्ड मूल नक्षत्र

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 07:43 से 09:09 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत.	06:19 - 07:43	शुभ	चंचल.	17:39 - 19:16	शुभ
काल.	07:43 - 09:09	अशुभ	रोग	19:16 - 20:51	अशुभ
शुभ.	09:09 - 10:34	शुभ	काल	20:51 - 22:25	अशुभ
रोग	10:34 - 11:59	अशुभ	लाभ	22:25 - 23:59	शुभ
उत्पात	11:59 - 13:25	अशुभ	उत्पात	23:59 - 01:34	अशुभ
चंचल	13:25 - 14:51	शुभ	शुभ	01:34 - 03:09	शुभ
लाभ	14:51 - 16:16	शुभ	अमृत.	03:09 - 04:43	शुभ
अमृत	16:16 - 17:39	शुभ	चंचल.	04:43 - 06:19	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें । कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है । अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें । आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे । सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे ।आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैं।आपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे । एक साथ काफी कुछ करने का प्रयास कर रहे हैं।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आपकी किस्मत आपके साथ है आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे । सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगे । आपका आत्मविश्वास देकने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा । खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें । आज कोई दोस्त मिल सकता है । दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही है। छोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें । एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा । अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी । घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें । सफलता की कुंजी प्राथमिकताएं तय करने से मिलेगी।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप बहुत सृजनात्मक अनुभव करेंगे । खूबसूरती की प्रशंसा के साथ साथ खुद भी कुछ खूबसरत चीज बनाना चाहेंगे । दिन कलाकारों के लिए विशेष अच्छा है । हालाँकि ,आज शुरू किये हुए कार्यों को आज ही पूरा कर लें । क्योंकि अचानक आप विकर्षित सा अनुभव करने लगेंगे ,यह भावना काफी सामान्य है लेकिन आप इसके कारण बिना बात निराश सा अनुभव करेंगे ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है। लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें ,आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे । यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं । इससे आपको बहुत अच्छा लगेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप किसी असम्भाव्य साझेदारी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं । इससे आपको रोमांस,रोमांच और साहसी होने की अनुभूति तो होगी परन्तु यह देखना होगा कि यह साझेदारी कितनी सफल होगी । किसी अप्रत्याशित श्रोत से समर्थन-सहायता प्राप्त हो सकती है । हालाँकि यह अवसर बहुत कम समय तक ही मिलेगा ,इसलिए आपको जल्दी ही फैसला लेना होगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज दिनभर आपका मूड बदलता रहेगा लेकिन आपका भाग्य आपके साथ है ,इसका एक नुक्सान यह है कि आप भाग्य के भरोसे पर अधिक रह सकते हैं । इस बात का ध्यान रखें कि इसके कारण परियोजनाओं की तैयारी में कोई कमी ना रहे । वित्तीय फायदे तो होंगे किन्तु अनावश्यक खर्च ना करें । वित्तीय लाभ का यह सिलसिला अधिक समय तक नही चलेगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा ।आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें । अब समय आ गया है कि अच्छे खान-पान का महत्व समझें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज का दिन बहुत व्यस्त रहेगा । बहुत सारे काम कतार में हैं । हालाँकि आप अपनी तरफ से उन सब कामों को निपटाने की पूरी कोशिश करेंगे फिर भी सम्भावना यही है कि सब काम पूरे नही हो पायेंगे और आपको इस कारण तनाव होगा । काम पूरे करने में और किसी की सहायता लेने से ना हिचकें,नही तो आप समय पर काम पूरा नही कर पायेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा । आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं । प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए । किसी गंभीर या कडवी स्थिति से बचने की कोशिश करना ही बेहतर रहेगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

पीएम मोदी ने की आचार्य विद्यासागर महाराज से मुलाकात, मां बम्लेश्वरी मंदिर में की पूजा-अर्चना

राजनांदगांव, 5 नवंबर (एजेंसियां)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपने एक संक्षिप्त प्रवास पर राजनांदगांव जिले के दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डोंगरगढ़ पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रगिरी में आचार्य विद्यासागर महाराज से मुलाकात की। इससे पहले पीएम ने मां बम्लेश्वरी मंदिर में पहुंचकर पूर्जा-अर्चना की।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपने एक संक्षिप्त प्रवास पर राजनांदगांव जिले के दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डोंगरगढ़ पहुंचे हैं। पीएम मोदी ने डोंगरगढ़ में आचार्य विद्यासागर महाराज से चंद्रगिरी पर्वत में मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे मुलाकात कर आशीर्वाद लिया और चर्चा की। इससे पहले पीएम ने मां बम्लेश्वरी मंदिर में पहुंचकर पूर्जा-अर्चना की। प्रधानमंत्री डोंगरगढ़ से मध्य प्रदेश के लिए रवाना हुए।

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डोंगरगढ़ दौरे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जैन वोटर को साधने और विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के लिए यह संक्षिप्त दौरा माना जा रहा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डोंगरगढ़ दौरे को लेकर डोंगरगढ़ को छावनी में तब्दील कर दिया गया। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डोंगरगढ़ आगमन को लेकर भारी संख्या में बल तैनात की गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डोंगरगढ़ दौरे के कई मायने निकाले जा रहे हैं। कुछ माह पहले देश में हुए जैन मुनियों की हत्या के बाद समाज आक्रोशित था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आचार्य विद्यासागर महाराज से मुलाकात को इससे भी जोड़कर देखा जा रहा है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में विधानसभा के चुनाव है इस मुलाकात को उससे भी जोड़कर देखा जा रहा है।

चुनाव में महादेव बुक एप मामला पकड़ रहा जोर

भाजपा बोली- सीएम ने छत्तीसगढ़ को किया शर्मसार

रायपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने सीएम बघेल पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने छत्तीसगढ़ को शर्मसार किया है। ईडी की कार्रवाई के बाद मुख्यमंत्री बघेल को इस्तीफा दे देना चाहिए। वहीं कांग्रेस ने कहा कि ईडी और भाजपा ने मिलकर मुख्यमंत्री की छवि खराब करने के लिए साजिश रची है।

महादेव बुक एप मामले पर ईडी की कार्रवाई के बाद कांग्रेस-भाजपा में सियासी तलवारें खींच गई है। आरोप-प्रत्यारोप के साथ ही एक-दूसरे पर बयानबाजी शुरू हो गई है। कांग्रेस ने कहा है कि जिस ड्राइवर के बयान पर मुख्यमंत्री पर आरोप लगाया गया है, वह भाजपा का कार्यकर्ता है। ईडी और भाजपा ने मिलकर मुख्यमंत्री की छवि खराब करने के लिए साजिश रची है। वहीं, भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने छत्तीसगढ़ को शर्मसार किया है। ईडी की कार्रवाई के बाद मुख्यमंत्री बघेल को इस्तीफा दे देना चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने राजीव भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के इशारों पर ईडी ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की छवि खराब करने के उद्देश्य से एक दुर्भावनापूर्वक पत्र जारी किया। इसमें ईडी ने सिर्फ एक आरोपित के बयान के आधार पर मुख्यमंत्री के खिलाफ बिना किसी प्रमाण के, बिना किसी जांच के पैसे लेने का पत्र हड़बड़ी में जारी कर दिया।

आगे बोले कि जिस ड्राइवर के बयानों के आधार पर मुख्यमंत्री पर अनर्गल आरोप लगाए गए हैं, उनके साथ कई भाजपा नेताओं की तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर मौजूद है। महादेव बुक पर एकमात्र छत्तीसगढ़ पुलिस कार्रवाई कर रही है। अभी तक राज्य पुलिस ने 449 आरोपियों की गिरफ्तारी की है। महादेव एप के संचालन का केंद्र बिंदु उत्तर प्रदेश का नोएडा शहर है।

भाजपा विधायक व पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि महादेव एप के तार कहीं-न-कहीं कांग्रेस आलाकमान से भी जुड़े हो सकते हैं। अगर कांग्रेस नेतृत्व में शर्म बाकी हो तो उसे मुख्यमंत्री बघेल से तुरंत इस्तीफा दिलवाना चाहिए। इस पर चुनाव आयोग को भी संज्ञान लेकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ महतारी को शर्मसार और बदनाम करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी है।

आगे बताया कि मुख्यमंत्री बघेल को महादेव एप से 508 करोड़ रुपए दिए जाने का खुलासा होना बहुत शर्मनाक है। प्रदेश के लोगों को, युवाओं को सट्टा खिलाकर उन्हें सट्टे के दलदल में धकेलकर उससे लिए गए पैसों को चुनाव में लगाना बेहद आपराधिक षड्यंत्र है, लेकिन मुख्यमंत्री बघेल और कांग्रेस के नेताओं को इसमें कोई आपत्ति नहीं है।

राहुल गांधी भी इस मामले पर जवाब दें

बृजमोहन ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, महासचिव प्रियंका वाड्रा और राहुल गांधी भी इस मामले पर जवाब दें। अब तो यह सच भी प्रदेश को बताया जाना चाहिए कि क्या कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व तक महादेव एप की आपराधिक कमाई का हिस्सा पहुंच रहा था।

राहुल का पीएम मोदी पर निशाना

कहा- देश में सिर्फ एक जाति गरीब, तो खुद को क्यों कहते हैं ओबीसी

जगदलपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता ने बस्तर के जिला मुख्यालय जगदलपुर में चुनावी रैली में कहा कि भाजपा नेता आदिवासियों को वनवासी इसलिए कहते हैं क्योंकि दिखाना चाहते हैं, आदिवासियों की जगह कहां होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी देश से वनवासी शब्द हटा देगी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी से सवाल किया है कि यदि वह कहते हैं कि देश में सिर्फ एक ही जाति 'गरीब' है, तब वह खुद को बार-बार ओबीसी क्यों कहते हैं? कांग्रेस नेता ने बस्तर के जिला मुख्यालय जगदलपुर में चुनावी रैली में कहा कि भाजपा नेता आदिवासियों को वनवासी इसलिए कहते हैं क्योंकि दिखाना चाहते हैं, आदिवासियों की जगह कहां होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी देश से वनवासी शब्द हटा देगी।

गांधी ने कहा, भाजपा नेता आदिवासियों को वनवासी कहते हैं। उन्होंने कहा, मोदी, आरएसएस और भाजपा नेताओं ने आदिवासियों के लिए शब्द निकला है, वनवासी। आदिवासी और वनवासी में बहुत बड़ा फर्क है..आदिवासी का मतलब है कि जो इस देश के पहले असली मालिक हैं।

यदि भाजपा इस शब्द का प्रयोग करेगी तो उसे आपके जल जंगल जमीन आपको वापस देनी होगी। केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा, मोदी कहते हैं अपनी जमीन अदाणी जी को दे दो। अदाणी जी, आपकी जमीन छीन लेते हैं व विरोध करते हैं तो भाजपा सरकार गोलियां चलवाती है।

भिलाई में तीन जगहों पर ईडी की छापेमारी

बीएसपी के रिटायर्ड कर्मचारी समेत कई लोगों के आवास पर मारी रेड

भिलाई, 5 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने आज सुबह भिलाई के मैत्री विहार के बीएसपी रिटायर्ड कर्मचारी, टीचर समेत एक अन्य के घर में छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि ईडी की टीम अभी जांच कर रही है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने भिलाई में तीन मकानों पर छापेमारी की है। ईडी की टीम भिलाई के मैत्री विहार के बीएसपी रिटायर्ड कर्मचारी, टीचर समेत एक अन्य के घर में जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि चार अलग अलग गाड़ियों में ईडी टीम भिलाई पहुंची।

बता दें कि दो दिनों पूर्व ईडी की टीम ने हाउसिंग बोर्ड के ब्लाक 15 निवासी असीम दास उर्फ बप्पा के घर की जांच में करोड़ों नगदी जब्त किया थे, ईडी की करवाई महादेव ऑनलाइन सट्टा एप्प से जोड़कर देखा जा रहा है।

'कांग्रेस नहीं चाहती थी कि अयोध्या में राम मंदिर बने'

सुकमा में बरसे सीएम योगी आदित्यनाथ

सुकमा, 5 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस नहीं चाहती थी कि अयोध्या में राम मंदिर बने। अगर कांग्रेस चाहती तो लंबे समय तक उनकी सरकार रही उन्होंने राम मंदिर का निर्माण नहीं करने दिया विवाद खड़ा किया। वे राम भक्तों को पिटवाते थे। उनके सहयोगी गोली चलवाते थे।

एएनआई, सुकमा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को छत्तीसगढ़ के सुकमा में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नहीं चाहती थी कि अयोध्या में राम मंदिर बने। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस के सहयोगी राम भक्तों पर गोली चलवाते थे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लंबे समय से कांग्रेस की सरकार रही, लेकिन उन्होंने राम मंदिर का निर्माण नहीं कर विवाद खड़ा किया।

कांग्रेस ने खड़ा किया विवादः सीएम योगी आदित्यनाथ

कांग्रेस नहीं चाहती थी कि अयोध्या में राम मंदिर बने। अगर कांग्रेस चाहती तो लंबे समय तक उनकी सरकार रही उन्होंने राम मंदिर का निर्माण नहीं करने दिया विवाद खड़ा किया। वे राम भक्तों को पिटवाते थे। उनके सहयोगी गोली चलवाते थे। उन्होंने तो कहा कि राम हुए की नहीं हम ये भी नहीं जानते। ये लोग भागवान राम के अस्तित्व पर ही प्रश्न खड़ा कर रहे थे।

असम सीएम ने भूपेश सरकार पर बोला हमला

पूछा- क्या कांग्रेस को अकबर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से भी ज्यादा प्रिय हैं?

राजनांदगांव, 5 नवंबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मोहला-मानपुर की सभा में प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और नक्सलियों के बीच ईलू-ईलू का संबंध है। उन्होंने कवर्धा के कांग्रेस प्रत्याशी मंत्री मोहम्मद अकबर को लेकर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या कांग्रेस को अकबर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से भी ज्यादा प्रिय हैं?

राजनांदगांव असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को मोहला-मानपुर की सभा में प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा।

कांग्रेस और नक्सलियों के बीच ईलू-ईलू का संबंध

इस दौरान सरमा ने कहा कि कांग्रेस और नक्सलियों के बीच ईलू-ईलू का संबंध है। उन्होंने कवर्धा के कांग्रेस प्रत्याशी मंत्री मोहम्मद अकबर को लेकर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या कांग्रेस को अकबर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से भी ज्यादा प्रिय हैं?

अकबर के खिलाफ बोलने पर कांग्रेस ने जताया विरोध

असम के सीएम बिस्वा कांग्रेस की शिकायत पर चुनाव आयोग के नोटिस के बाद यहां सभा ले रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों जब मैंने एक सभा में अकबर के बारे में बोला तो कांग्रेस ने मेरे खिलाफ शिकायत की। अगर मैंने टीएस सिंहदेव या बघेल या किसी कांग्रेस नेता के खिलाफ कुछ बोला होता तो शिकायत दर्ज करना समझ में आता। मुझे लगता है कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस के लिए अकबर भूपेश बघेल से अधिक महत्वपूर्ण हैं।उन्होंने दावा करते हुए कहा कि कांग्रेस और नक्सलियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ में भाजपा विजय हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार छत्तीसगढ़ियों के लिए नहीं, गांधी परिवार के लिए काम कर रही है। कांग्रेस की सरकार को बदलना है। अगर ऐसा नहीं किया तो हमारी संस्कृति नहीं बचने वाली है। कांग्रेस केवल मतांतरण और तुष्टीकरण की राजनीति करती है। बिस्वा ने इसके बाद कौडीकसा और अंबागढ़ चौकी में भी सभा ली।

पहले कार से युवकों को टक्कर मारी, फिर जवान ने खुद को मार ली गोली, दिल दहलाने वाली घटना

कोलेबिरा, 5 नवंबर (एजेंसियां)। पूरे मामले की जांच के लिए खुद डीआईजी अनूप बिरथरे कोलेबिरा थाने पहुंचे थे. जांच के दौरान कोलेबिरा थाना प्रभारी कुमार इंद्रेश समेत चार पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया है. मृतक पुलिसकर्मी सत्यजीत बगैर वर्दी पहने सरकारी हथियार के साथ थाना से निकला था. इसकी सूचना उसने थानेदार को नहीं दी थी.

झारखंड के सिमडेगा में सनसनीखेज घटना सामने आई है. यहां एक पुलिसकर्मी ने पुलिस की जिप्सी में अपनी रायफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली. पुलिसकर्मी कोलेबिरा थाने में पदस्थापित था. सूचना मिलते ही डीआईजी अनूप बिरथरे खुद कोलेबिरा थाने पहुंचे और घटना की जांच की. इस मामले में कोलेबिरा थाना प्रभारी कुमार इंद्रेश समेत चार पुलिस कर्मियों को लापरवाही बरतने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है.

गुरुवार की दोपहर पुलिसकर्मी सत्यजीत कश्यप ऑटो पर सवार होकर पुतरीटोला बरसलोया की ओर जा रहा था. इसी क्रम में लसिया गांव के समीप उसका कार पर से नियंत्रण छूट गया और उसने मोटरसाइकिल पर जा रहे रमेश साहू और जितेंद्र साहू नामक दो युवकों को टक्कर मार दी. दोनों को टक्कर मारने के बाद वह भागने लगा. वहीं, आक्रोशित भीड़ उसका पीछा करने लगी.

जंगल में छिप गया था पुलिसकर्मी

जैसे ही भीड़ करीब पहुंची, पुलिसकर्मी ने अपने सरकारी हथियार (इंसास राइफल) निकाल कर दनादन हवा में फायरिंग कर दी. इसके बाद वह कार को सड़क पर ही छोड़कर जंगल की ओर फरार हो गया. इधर, मामले की सूचना मिलते ही कोलेबिरा थाने की पुलिस ने जंगल में सर्च अभियान चलाया और जवान सत्यजीत कच्छप को हिरासत में ले लिया. इसके बाद उसे पुलिस जिप्सी में बैठाकर उसे कोलेबिरा थाना लाया जा रहा था. हालांकि, पुलिसकर्मियों ने एक गलती कर दी, सत्यजीत से उसका हथिय़ार वापस नहीं लिया. थाना पहुंचते ही जब सभी जवान एक-एक कर जिप्सी से उतरने लगे, इसी दौरान उसने अपनी रायफल से खुद को गोली मारकर जान दे दी.

डीआईजी ने मामले की जांच की

पूरे मामले की जांच के लिए खुद डीआईजी अनूप बिरथरे के साथ-साथ एफएसएल की टीम भी कोलेबिरा थाने पहुंची थी. जांच के दौरान कोलेबिरा थाना प्रभारी कुमार इंद्रेश समेत कोलेबिरा थाने के चार पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया है. अंशु कुमार को कोलेबिरा थाने का नया प्रभारी बनाया गया है.

सत्यजीत कच्छप बगैर वर्दी पहने सरकारी हथियार के साथ थाना से निकला था. बिना सूचना के जवान द्वारा सरकारी हथियार लेकर थाने से बाहर जाना, कोलेबिरा थानेदार की गलती मानी गई. इसके साथ ही गुरुवार की रात जब उसे हिरासत में लिया गया, तब भी उसका सरकारी हथियार जब्त नहीं किया गया.

कुत्ते ने पहुंचाया सलाखों के पीछे, पुलिस में केस करने वाला ही निकला पत्नी का हत्यारा

अनगड़ा, 5 नवंबर (एजेंसियां)। घटना अनगड़ा थाना क्षेत्र के राजा डेरा पंचायत के जिन्तुबेड़ा गांव की है. पत्नी की हत्या को पति ने ही अंजाम दिया है. आरोपी पति ने अपना जुर्म कुबूल किया है. पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेजा है. पत्नी को मारने के पीछे पति की शराब की बुरी लत बताई जा रही है. रांची से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. जिले के अनगड़ा थाना इलाके में पति ने 2 सप्ताह पहले अपनी पत्नी के गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. पत्नी का शव उसके खेत में एक गड्ढे में दफन मिला है. शव मिलने का खुलासा तब हुआ जब गड्ढे को खोदकर कुत्ते उसे नोच रहे थे. सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है. पुलिस ने इस वारदात में सनसनीखेज खुलासा भी किया है.

पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि अनगड़ा थाना क्षेत्र के राजा डेरा पंचायत के जिन्तुबेड़ा गांव निवासी शंकर महतो की डेढ़ साल पहले जिले के पिठोरिया थाना क्षेत्र के सिद्दी चंदवे गांव की रहने वाली सविता देवी से शादी हुई थी. शंकर महतो शराब के नशे का आदी है. पति के शराब पीने से सविता परेशान रहती थी. कई बार वह शंकर से शराब छोड़ने की बात कह चुकी थी.

20 अक्टूबर को सविता का अपने पति शंकर महतो से शराब पीने को लेकर विवाद हो गया. सविता ने शंकर से शराब पीने से रोका. इस बात से नाराज होकर शंकर ने उसकी लाठी से पिटाई कर दी. पिटाई से उसकी मौके पर ही मौत हो गई. पत्नी की हत्या के बाद आरोपी शंकर ने उसके शव को खेत में ही ठिकाने लगा दिया. उसने खेत में गड्ढा खोदकर शव को दफना दिया. वारदात के बाद किसी को शक न हो इसके लिए उसने 25 अक्टूबर को अनगड़ा थाने पर पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी. रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस सविता की तलाश में जुट गई. 2 नवंबर को स्थानीय ग्रामीणों ने शंकर के खेत में कुत्तों द्वारा किसी संदिग्ध चीज को छीना-छपटी करते हुए देखा. ग्रामीणों ने कुत्तों को भगाकर जब पास जाकर देखा तो उनके होश उड़ गए. कुत्ते गड्ढे में से एक महिला का शव खींचकर उसे नोंच रहे थे. ग्रामीणों ने सूचना पुलिस को दी. पुलिस ने गड्ढे से शव को बाहर निकलवाकर उसकी शिनाख्त की. शव शंकर की पत्नी सविता का निकला. पुलिस को शंकर पर शक हुआ. उसे हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई. शंकर ने अपना गुनाह कुबूल करते हुए पूरी वारदात पुलिस को बताई. पुलिस ने आरोपी पति को जेल भेजा है.

अज्ञात हमलावरों ने दो गार्ड को उतारा मौत के घाट

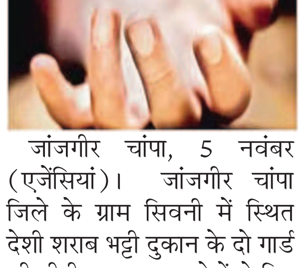

जांजगीर चांपा, 5 नवंबर (एजेंसियां)। जांजगीर चांपा जिले के ग्राम सिवनी में स्थित देशी शराब भट्टी दुकान के दो गार्ड की बीती रात अज्ञात लोगों ने सिर पर वार कर हत्या कर दी है। सूचना मिलने के बाद मौके पर एसडीओपी,थाना प्रभारी सहित पुलिस स्टाफ मौके पर पहुंची हुई है।

जांजगीर चांपा जिले के ग्राम सिवनी में स्थित देशी शराब भट्टी दुकान के दो गार्ड की बीती रात अज्ञात लोगों ने सिर पर वार कर हत्या कर दी है। सूचना मिलने के बाद मौके पर एसडीओपी,थाना प्रभारी सहित पुलिस स्टाफ मौके पर पहुंची हुई है। वहीं, एफएसएल की टीम को बुलाया गया है। मामला चांपा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी अनुसार, बीती रात सिवनी गांव में देशी शराब भट्टी दुकान की सुरक्षा में लगे दोनों गार्ड जिनका नाम युदुनंद पटेल उम्र 28 साल, जय कुमार सूर्यवंशी उम्र 27 साल जोकि देशी शराब भट्टी के सामने दोनों एक साथ खाट पर सोए हुए थे। जिसके बाद अचानक अज्ञात लोगों ने दोनों गार्ड की हत्या कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं, बिलासपुर जिले से एफएसएल की टीम को बुलाया गया है।

उसके बाद आगे की जांच पड़ताल शुरू की गी। वहीं, देशी शराब भट्टी दुकान से किसी भी प्रकार की शराब की बोतल या पैसे की चोरी तो नहीं हुई है। इसकी जांच पड़ताल पुलिस कर रही है।

सास से किचकिच के बाद बहू ने 3 बच्चों को तालाब में फेंका, फिर खुद लगाई छलांग, मौत

हैदर नगर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां एक महिला ने घरेलू विवाद में अपने तीन मासूम बच्चों को तालाब में फेंक दिया. इसके बाद खुद भी छलांग लगा दी. इस घटना में मां और दो बच्चों की मौत हो गई. वहीं, एक बच्चे की जान बच गई. घटना हैदरनगर थाना क्षेत्र के करीमनडीह गांव की है. मृतक महिला का नाम निर्मला देवी है. उसकी उम्र 32 साल बताई जा रही है.

मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. हैदर नगर थाने की पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. घटना के बारे में महिला के पति को सूचना भेज दी गई है. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. इस घटना को लेकर गांव वाले भी हैरान हैं. झारखंड के पलामू की ये घटना है.

जिन बच्चों की जान गई है, उनके नाम लाडली कुमारी (8 साल) और करण कुमार (6 साल) हैं. वहीं, गांव वालों ने 4 वर्षीय बेटे गुड्डू कुमार को तालाब में डूबने से बचा लिया. मृतक महिला निर्मला देवी का पति जवाहिर राम चार दिन पहले सिकंदराबाद मजदूरी करने के लिए गया था. पति के बाहर कमाने जाते ही महिला का अपनी सास समेत अन्य पारिवारिक सदस्यों के साथ विवाद होने लगा. इसके बाद गुस्से में निर्मला अपने तीन मासूम बच्चों के साथ तालाब में कूद गई.

पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

इधर, मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. हैदर नगर थाने की पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है. पुलिस अफसर मामले की जांच में जुटे हैं. घटना के बाद करीमनडीह गांव में सन्नाटा पसर गया है. परिजन के आंखों से आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे है.

कूड़े के ढेर में मिले तीन शिशुओं के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा; जांच में जुटी पुलिस

इस्लामाबाद, 5 नवंबर (एजेंसियां)। शनिवार को कराची के उत्तरी नाजिमाबाद इलाके में कूड़े के ढेर में तीन नवजात शिशुओं के शव पाए गए। पुलिस के मुताबिक, शारिया नूरजहां स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) कमर कियानी ने डॉन को बताया कि शवों को उत्तरी नाजिमाबाद के ब्लॉक-एल में कूड़े के ढेर में फेंक दिया गया था, जहां वह पानी और कुछ रसायनों से भरे जार में डूबे नजर आए।

शवों के पास बरामद हुए चिकित्सा उपकरण

अधिकारी ने कहा कि हो सकता है कि शवों का इस्तेमाल शहर में एक चिकित्सा संस्थान द्वारा चिकित्सा प्रयोजनों के लिए किया गया हो, लेकिन उन्हें उचित तरीके से दफनाने की बजाय कचरे में फेंक दिया गया हो। स्थानीय अखबार डॉन के मुताबिक, एसएचओ ने कहा कि शवों के पास कुछ चिकित्सा उपकरण भी पाए गए।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

एसएचओ नूरजहां ने कहा कि आम तौर पर, शहर में बरामद नवजात शिशुओं के शव शॉपिंग बैग या चादर में लपेटे जाते हैं। उन्होंने कहा कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए अब्बासी शहीद अस्पताल भेज दिया गया है और पुलिस आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू करने के लिए मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

तीन सालों में अज्ञात 576 शिशुओं को दफनाया

जून 2023 में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईधी फाउंडेशन ने कराची में 576 नवजात शिशुओं को दफनाया है। इसमें 2021 में 200, 2022 में 289 और 2023 की पहली छमाही में न्यूनतम 87 छात्रों को दफनाया गया है। इसमें यह भी कहा गया कि शिशु हत्या के आधिकारिक रिकॉर्ड बहुत ही ज्यादा थे।

इजरायल की कार्रवाई के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

वाशिंगटन, 5 नवंबर (एजेंसियां)। इजरायल- हमास युद्ध को 30 दिन पूरे हो चुके हैं, लेकिन युद्ध में थमने के आसार नहीं दिख रहे और मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसी बीच, पिछले महीने हमास के हमले के जवाब में गाजा में इजरायल के सैन्य अभियान की आलोचना करने के लिए शनिवार को हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी अमेरिकी शहरों की सड़कों पर इकट्ठा हो गए।

युद्ध विराम और घेराबंदी खत्म करने का आह्वान

न्यूयॉर्क, नैशविले, सिनसिनाटी, लास वेगास और यहां तक कि ओरोनो, मेन के विरोध प्रदर्शनों में गाजा में युद्ध विराम और घेराबंदी को समाप्त करने की मांग की गई। ये प्रदर्शन एशियाई और यूरोपीय राजधानियों में व्यापक विरोध प्रदर्शन इजरायली सरकार द्वारा बमबारी में मानवीय रोक के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका के आह्वान को अस्वीकार करने के एक दिन बाद हुआ। विरोध

प्रदर्शन 'मृतकों का शोक मनाओ; जीवित लोगों के लिए आखिरी दम तक लड़ो' और 'गाजा को जीवित रहने दो!' जैसे संदेशों के साथ किया जा रहा था। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, इजरायल के विनाश के लिए यहूदी विरोधी आह्वान के रूप में इसकी निंदा की गई है।

अब तक 9000 से अधिक गाजावासियों की मौत

राजधानी और अन्य जगहों पर भी खुलकर विरोध प्रदर्शन हुआ, जब जनमत सर्वे में हमास के खिलाफ सैन्य अभियान में इजरायल के लिए समर्थन दिखाया गया। हालांकि, इस सर्वे के बाद फलस्तीनियों की चिंता काफी बढ़ गई थी। मालूम हो कि हमास के हमले में लगभग 1,400 इजरायली मारे गए और इजरायल के बमबारी अभियान में अब तक 9,000 से अधिक गाजावासियों की मौत हो गई है।

फलस्तीनी समर्थन में हुई नारेबाजी

फलस्तीनी समर्थन ने सिनसिनाटी पर धावा बोल दिया और मार्च करने वाले सैकड़ों लोगों ने सड़कों को जाम कर दिया, चौराहे बंद कर दिए और पुलिस की उपस्थिति में फलस्तीनी समर्थक नारे लगाए। रैली और मार्च में अलग-अलग समूहों के लोग एक साथ नजर आए थे। यह कार्यक्रम सिनसिनाटी सोशलिस्ट्स द्वारा आयोजित किया गया था, लेकिन इसमें मुसलमान, काले कार्यकर्ता, कॉलेज के छात्र और शांति समर्थक भी शामिल हुए थे। सैन फ्रांसिस्को में, हजारों प्रदर्शनकारियों, जिनमें से कई यूनियन सदस्य, जिनमें शिक्षक और स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारी भी शामिल थे, सिटी हॉल के सामने सिविक सेंटर प्लाजा में भर गए। कई लोगों ने गाजा में चल रहे युद्ध में मारे गए हजारों फलस्तीनियों के सम्मान में फलस्तीनी झंडे लहराए और फुटपाथ पर फैली एक वेदी पर स्मृति चिन्ह और फूल छोड़े। 200 से अधिक प्रदर्शनकारियों का समूह यूटा में प्रोवो सिटी लाइब्रेरी के सामने इकट्ठा हुए, जिनमें मुसलमान, अरब अमेरिकी और आप्रवासी समेत की लोग शामिल हुए। उनमें से कई ने फलस्तीनी ध्वज के हरे, सफेद और लाल रंग के कपड़े पहने थे।

महिला ने जमकर मनाया तलाक का जश्न, पार्टी रखी, फिर दोस्तों पर उड़ा दिए 4 लाख रुपये

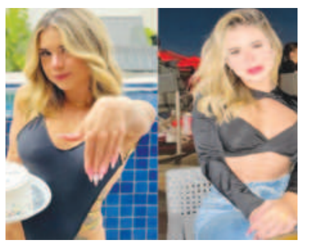

वाशिंगटन, 5 नवंबर (एजेंसियां)। पति-पत्नी के रिश्ते में प्यार और विश्वास का होना बहुत जरूरी होता है। इसके बिना ये रिश्ता ज्यादा समय तक चल ही नहीं सकता। आपने देखा होगा कि अक्सर शादीशुदा कपल किसी न किसी वजह से एक दूसरे से अलग हो जाते हैं, तलाक ले लेते हैं। ये आज के समय में आम बात हो गई है, लेकिन इससे दिक्कतें तो होती हैं। जिसके साथ आपने एक अच्छा समय बिताया हो, वो अलग हो जाए तो दुख तो होता ही है, पर दुनिया में कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो तलाक होने पर खुश हो जाते हैं। ब्राजील में भी ऐसी ही एक महिला है, जिसका तलाक हुआ तो वो ऐसी खुश हुई कि एक बड़ी सी पार्टी ही दे दी और लाखों रुपये खर्च कर दिए। इस महिला का नाम लारिसा सुम्मानी है। वह पेशे से एक मॉडल हैं और सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर वह अक्सर तरह-तरह की तस्वीरें, वीडियोज शेयर करती रहती हैं और अपनी जिंदगी से जुड़े किस्से भी बताती हैं। हाल ही में उन्होंने कुछ तस्वीरें शेयर की थीं और बताया था कि उनका तलाक हो गया है। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, लारिसा की शादी को अभी महज 6 महीने ही हुए थे, लेकिन उन्होंने उसे तलाक दे दिया। उन्होंने बताया कि वह पिछले तीन साल से साथ थे। हैरान करने वाली बात ये रही कि लारिसा अपना तलाक से बहुत खुश हैं और इसीलिए उन्होंने इसका जश्न मनाने के लिए 'डिवोर्स पार्टी' रखी थी, जिसमें अपने दोस्तों को बुलाया था। सबने मिलकर इस डिवोर्स पार्टी में खूब एंजॉय किया।

बीआरआई : चीन को लगा बड़ा झटका

इटली के बाद ये देश भी हुआ बेल्ट एंड रोड परियोजना से बाहर

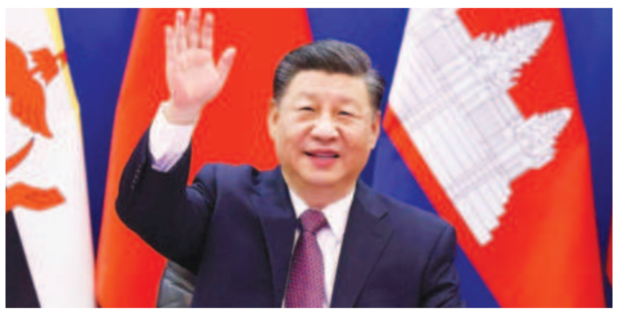

मनीला, 5 नवंबर (एजेंसियां)। चीन पूरी दुनिया में अपना आर्थिक प्रभाव जमाने की कोशिशों में जुटा है और इस लक्ष्य को पाने के लिए उसने एक खरब डॉलर की बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव परियोजना (बीआरआई) की शुरुआत की थी, जिसमें कई देशों में चीन विकास परियोजनाओं का निर्माण करने वाला है। हालांकि अब चीन की यह महत्वकांक्षी परियोजना खटाई में पड़ती दिख रही है। दरअसल कई देश इस परियोजना से हटना शुरू हो गए हैं। बीते दिनों इटली ने बीआरआई से बाहर होने का एलान किया था। अब खबर आई है कि फिलीपींस ने भी चीन की बीआरआई परियोजना से अलग होने की घोषणा कर दी है।

इटली के बाद फिलीपींस भी बीआरआई से बाहर

गौरतलब है कि हाल ही में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बीजिंग में बेल्ट एंड रोड फोरम का आयोजन किया था, जिसमें 23 देशों के प्रमुख शामिल हुए थे। लेकिन फोरम आयोजित होने के कुछ दिनों के भीतर ही इटली और अब फिलीपींस के बाहर होने से चीन की इस अहम परियोजना को बड़ा धक्का पहुंचा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिलीपींस के परिवहन मंत्रालय ने बेल्ट एंड रोड परियोजना से पूरे तरह बाहर होने की घोषणा की है। फिलीपींस और चीन के बीच दक्षिण चीन सागर को लेकर भी विवाद चल रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि इसी वजह से फिलीपींस ने चीन की परियोजना से अलग होने का फैसला किया है। साथ ही हाल के सालों में बेल्ट एंड रोड परियोजना की गति धीमी हुई है। चीन की आर्थिक ताकत कम हुई है और चीन के बढ़ते कर्ज के जाल से भी कई देश सोचने पर मजबूर हुए हैं।

दक्षिण चीन सागर के विवाद का साया

चीन द्वारा दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस की पेट्रोलिंग के खिलाफ सख्त रुख अपनाया गया था, जिस पर फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्दीनांद मार्कोस जूनियर ने चिंता जाहिर की थी। फिलीपींस में बेल्ट एंड रोड परियोजना के तहत चीन 4.19 अरब डॉलर का निवेश करने का एलान किया था। जिसके तहत मिनदानाओ रेलवे प्रोजेक्ट, चिको रिवर पंप इरीगेशन प्रोजेक्ट, कलीवा डैम प्रोजेक्ट, समल आइलैंड-दावाओ सिटी को जोड़ने वाली परियोजना आदि का निर्माण किया जाना था। बताया जा रहा है कि फिलीपींस अब जापान, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के निवेश को मंजूरी देने पर विचार कर रहा है।

क्या है बीआरआई परियोजना

बेल्ट एंड रोड परियोजना की परिकल्पना साल 2013 में की गई थी और यह परियोजना चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दिमाग की उपज मानी जाती है। इस परियोजना के तहत चीन, एशिया, यूरोप और अफ्रीका के बीच जमीनी, समुद्री कनेक्टिविटी बना रहा है, जिसके लिए दुनिया के विभिन्न देशों में रेल, सड़क और जल मार्ग बनाए जा रहे हैं। बीआरआई को मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साल 2018 में चीन की बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव परियोजना अपने चरम पर थी लेकिन अब इसमें 40 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। चीन के बढ़ते कर्ज के जाल से भी कई देश आशंकित हो गए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हो रही भारत की चर्चा

इन दो भारतीय मूल के दावेदारों ने उड़ा दी है सबकी नींद

वाशिंगटन, 5 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने में अब ज्यादा वक्त शेष नहीं रह गया है। वर्ष 2024 में अमेरिका में नया राष्ट्रपति चुना जाना है। ऐसे में चुनावी गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। मगर इस बार अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में सबसे ज्यादा भारत की चर्चा है। इसकी वजह ये है कि भारतीय मूल के दो प्रमुख लोग इस बार अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में मजबूत दावेदारों में हैं। आपको बता दें कि राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवारी की होड़ में भारतवंशी निक्की हेली और विवेक रामास्वामी एक-दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। इन दोनों नेताओं के बीच तनाव भी इस वजह से बढ़ रहा है। जब वे आखिरी बार बहस के मंच पर आमने-सामने थे, तब उनके इस तनाव को नजरअंदाज करना मुश्किल था। बहस के दौरान हेली ने रामास्वामी से कहा, "हर बार जब मैं आपको सुनती हूं, तो आपकी बातों से थोड़ी बेवकूफी झलकती है।" इस पर रामास्वामी ने कहा, "अगर हम यहां बैठकर व्यक्तिगत टीका-टिप्पणी न करें, तो रिपब्लिकन पार्टी में हमारी बेहतर सेवा होगी।" बाद में उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि वह हेली के लिए अगली बार आसान विषय रखेंगे, ताकि उन्हें अपनी राय जाहिर करने में दिक्कत न हो। दोनों बुधवार को पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी को लेकर तीसरी बहस के लिए फिर से आमने-सामने होंगे।

डोनॉल्ड ट्रंप से अभी पीछे हैं रामास्वामी और हेली

अगले साल रिपब्लिकन पार्टी में प्राइमरी चुनाव के लिए मतदान शुरू होने से पहले बड़े दर्शकों के सामने अपना पक्ष रखने के यह उनके पास अंतिम अवसरों में से एक होगा। हेली और रामास्वामी 2024 के लिए नामांकन की दौड़ में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बहुत पीछे हैं, लेकिन दोनों नेता भारतीय मूल के अमेरिकियों के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव का प्रतिनिधित्व करते हैं और भारतीय प्रवासियों के भिन्न विचारों की याद दिलाते हैं। हेली और रामास्वामी भारतीय-अमेरिकियों के बीच विचारों की विविधता का उदाहरण हैं।

संयुक्त राष्ट्र की राजदूत रह चुकी हैं हेली

दक्षिण कैरोलाइना की पूर्व गवर्नर और बाद में संयुक्त राष्ट्र की राजदूत रह चुकीं हेली आम तौर पर पार्टी के पारंपरिक रुख के साथ जुड़ी दिखती हैं, खासकर जब विदेश नीति की बात आती है। हेली (51) ने रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन के लिए निरंतर समर्थन का आह्वान किया है और रामास्वामी (38) को विश्व मामलों में गैर-अनुभवी करार दिया है। वहीं, बायोटेक उद्यमी रामास्वामी ने रिपब्लिकन पार्टी के रुख आलोचना की है और यूक्रेन को समर्थन जारी रखने की आवश्यकता पर सवाल उठाया है। 'प्यू रिसर्च सेंटर' के एक हालिया सर्वेक्षण में पाया गया कि 68 प्रतिशत भारतीय-अमेरिकी पंजीकृत मतदाताओं की पहचान डेमोक्रेट के रूप में और 29 प्रतिशत की पहचान रिपब्लिकन के रूप में हुई है। हो सकता है कि रिपब्लिकन अमेरिका में भारतीय प्रवासियों के बीच जीत हासिल करने की कगार पर न हों, लेकिन करीबी मुकाबले वाले राज्यों में मामूली लाभ भी उल्लेखनीय हो सकता है। प्रवासी भारतीयों के कई ऐसे वर्ग हैं, जो अभी भी भारतीय राजनीति से संबंधित समर्थन, वित्तपोषण और वकालत में लगे हुए हैं। अमेरिकन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल सर्विस की स्कॉलर-इन-रेजिडेंस मैना चावला सिंह ने कहा, "हालांकि, ज्यादातर भारतीय-अमेरिकियों के लिए, राज्य के मुद्दे ज्यादा मायने रखते हैं।"

'अनावश्यक रूप से कोर्ट में लाया गया चुनाव की तारीख का मामला'

मुख्य न्यायाधीश बोले- राष्ट्रपति और ईसीपी को करना चाहिए था फैसला

इस्लामाबाद, 5 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा ने कहा कि देश में आम चुनाव की तारीखों का मामला अनावश्यक रूप से कोर्ट में लाया गया है। उन्होंने कहा कि देश में चुनाव के संबंध में निर्णय पाकिस्तान के राष्ट्रपति और देश के चुनाव आयोग (ईसीपी) द्वारा किया जाना चाहिए था। मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा ने कहा कि अदालत ने इस मामले पर फैसला सुनाते हुए पूरी तरह से सावधान थी कि देश में आम चुनाव को लेकर राष्ट्रपति या चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण न हो। सीजेपी ने शनिवार को जारी फैसले में कहा कि एक मामला जिसे राष्ट्रपति और ईसीपी द्वारा निपटाया जाना चाहिए था, उसे अनावश्यक रूप से इस अदालत में लाया गया।

आठ फरवरी को पाकिस्तान में होंगे आम चुनाव

पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चुनावी निगरानी संस्था को राष्ट्रपति के परामर्श से चुनाव की तारीख पर निर्णय लेने का आदेश दिया, जिसके बाद मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा की अध्यक्षता में चुनाव आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के साथ बैठक की और 8 फरवरी को आम चुनाव कराने पर सहमति व्यक्त की।

पाकिस्तान में जारी है राजनीतिक संकट

मालूम हो कि अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए इमरान खान की सरकार को हटाए जाने के बाद से ही पाकिस्तान में राजनीतिक अनिश्चितता शुरू हो गई थी, जो अभी भी जारी है। हालांकि, शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार ने नौ अगस्त को नेशनल असेंबली को भंग कर दिया था ताकि चुनावी प्राधिकरण को 90 दिनों के भीतर देश में चुनाव कराने की अनुमति मिल सके।

'हमास ने जो किया वह भयावह था फलस्तीनियों के साथ जो हो रहा है वह असहनीय है', बराक ओबामा ने युद्ध को लेकर दिया बयान

वाशिंगटन, 5 नवंबर (एजेंसियां)। पिछले महीने सात अक्टूबर को हमास ने इजरायल के ऊपर हमला किया। उस हमले के बाद इजरायल ने जवाबी हमले से इसे युद्ध का रूप दे दिया जो युद्ध अब तक जारी है। लगभग एक महीने से चल रहे इस युद्ध में दोनों पक्षों से हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इस युद्ध को लेकर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने एकबार फिर इस युद्ध की कड़ी निंदा की है। बराक ओबामा ने कहा है कि यह संघर्ष 'सदियों पुरानी बात' है जो अब सामने आ गई है। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, ओबामा ने इस युद्ध में दो खेमे में लोगों को बांटने के लिए, सोशल मीडिया को दोषी ठहराया। इस बयान में ओबामा ने न केवल 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमले की निंदा की बल्कि उन्होंने फलस्तीन में नागरिकों की पीड़ा के बारे में बात की।

फलस्तीनियों के साथ जो हो रहा है वह असहनीय- ओबामा

ओबामा ने अपने बयान में कहा, हमास ने जो किया वह भयावह था और उसको जस्टिफाइ नहीं किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, और यह भी सच है कि जो फलस्तीनियों के साथ जो हो रहा है वह भी असहनीय है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, यह भी सच है कि यहूदी लोगों का एक इतिहास है जिसे तब तक खारिज किया जा सकता है जब तक कि आपके दादा-दादी, आपके परदादा, या आपके चाचा या आपकी चाची आपको यहूदी विरोधी भावना के पागलपन के बारे में कहानियां न बताएं और जो सच है वह यह है कि अभी ऐसे लोग हैं जो मर रहे हैं जिनका हमास ने जो किया है उससे कोई लेना-देना नहीं है।

'इजरायल-हमास के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण'

ओबामा ने दृढ़तापूर्वक अपने पूर्व सहयोगियों से पूरी सच्चाई स्वीकार करने का आग्रह किया और समर्थन का आह्वान करते हुए कहा कि जब इजरायल-हमास युद्ध की बात आती है तो संतुलन बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। हमास द्वारा 7 अक्टूबर के हमले के बाद गाजा में संघर्ष बढ़ गया है जहां लगभग 2500 आतंकवादियों ने गाजा पट्टी से इजरायल में सीमा पार कई लोगों को बंधक बना लिया है।

चार घंटे बाद आई एंबुलेंस रास्ते में हुआ प्रसव, शिशु की मौत, मां गंभीर

तेलका (चंबा), 5 नवंबर (एजेंसियां)। दुर्गम क्षेत्रों में चिकित्सकों की कमी लोगों की जान पर भारी पड़ रही है। एक और मामला चंबा के तेलका क्षेत्र में सामने आया है। यहां गर्भवती ने एंबुलेंस में नवजात को जन्म दे दिया। सांस लेने में दिक्कत होने के कारण नवजात ने दम तोड़ दिया। अधिक रक्त बहने से महिला गंभीर हालत में है और उसे चंबा मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया है। महिला आईसीयू में है। डलहौजी विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के दावों की इस मामले ने फिर पोल खोल दी है। एक दिन पहले ही जिले की भजोत्र पंचायत में गर्भवती महिला और नवजात की मौत की घटना से लोग अभी उभर नहीं पाए थे कि एक और घटना हो गई। 24 वर्षीय जेतुन पत्नी यासीन अपने मायके मौड़ा गांव में प्रसव के लिए आई थी। दोपहर बाद प्रसव पीड़ा होने पर दोपहर करीब 2:00 बजे फोन कर एंबुलेंस को बुलाया। शाम 6:00 बजे एंबुलेंस पहुंची। बताया जा रहा है कि एंबुलेंस किसी दूसरे मरीज को लेकर गई थी। इस कारण देरी से पहुंची। गर्भवती को लेकर एंबुलेंस मेडिकल कॉलेज के लिए रवाना हुई। एक किलोमीटर की दूरी पर ही गर्भवती महिला ने नवजात को जन्म दे दिया। सांस लेने में दिक्कत होने पर इसकी मौत हो गई। अत्यधिक रक्त बहने से महिला को बेहोशी की हालत में मेडिकल कॉलेज चंबा पहुंचाया गया। जहां पर उसे प्राथमिक उपचार देने के बाद आईसीयू में भर्ती करवाया गया है। पीड़ित परिवार को मलाल है कि यदि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तेलका (सालवां) में डॉक्टर होता तो शायद घटना न होती। कार्यवाहक चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देवेंद्र कुमार ने बताया कि महिला को मेडिकल कॉलेज चंबा पहुंचाया गया।

पुतिन की हत्या, कैंसर का इलाज, बिगड़ेगी अर्थव्यवस्था, बाबा वेंगा ने साल 2024 के लिए की है 7 भविष्यवाणियां

वाशिंगटन, 5 नवंबर (एजेंसियां)। बाबा वेंगा के नाम से दुनिया परिचित है। ये वो महिला है, जिसे दुनिया को अलविदा कहे लगभग तीन दशक हो चुका है। मगर उसके जरिए की गई भविष्यवाणियां आज भी दुनिया की दिशा तय करती हैं। बाबा वेंगा ने अमेरिका पर हुए 9/11 हमले और ब्रिटेन में हुए ब्रेग्जिट की भविष्यवाणी सालों पहले कर दी थी। उनके जरिए 2024 के लिए की गई भविष्यवाणी की जानकारी दुनिया के सामने आ गई है, जो बेहद ही खतरनाक और डराने वाली है। बाबा वेंगा अंधी थीं, उन्हें 'बाल्कन का नास्त्रेदमस' भी कहा जाता है। उनके जरिए की गई 85 फीसदी भविष्यवाणियां बिल्कुल सच साबित हुई हैं। ऐसा कहा जाता है कि जब वह बच्ची थीं, तब एक तूफान की वजह से उन्हें अपनी आंखों की रोशनी गंवानी पड़ी। लेकिन फिर उन्हें जल्द ही अपनी दिव्यदर्शी शक्तियां भी मिल गईं। वह बुल्गारिया की रहने वाली थीं। 1996 में 84 साल की उम्र में उनकी मौत हो गई थी। ऐसे में आइए जानते हैं कि बाबा वेंगा ने 2024 के लिए क्या भविष्यवाणी की है।

1 पुतिन की हो सकती है हत्या

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए बुरी खबर है। बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की है कि अगले साल पुतिन के ही देश के किसी के हाथों उनकी हत्या कर दी जाएगी। क्रेमलिन की तरफ से लगातार पुतिन के कैंसर होने की बातों को खारिज किया जाता रहा है। उनकी सुरक्षा को भी बढ़ाया जा रहा है।

2 यूरोप में आतंकी हमले

बाबा वेंगा ने खतरनाक हथियारों को लेकर भविष्यवाणी की है। उनका दावा है कि अगले साल एक बड़ा देश जैविक हथियारों का टेस्ट करेगा या फिर वह हमला करेगा। उन्होंने इस बात की भी भविष्यवाणी की है कि यूरोप में आतंकियों के जरिए अलग-अलग शहरों में हमले किए जाएंगे।

3 दुनिया पर आर्थिक संकट का खतरा

बुल्गारिया की भविष्यवक्ता का दावा है कि अगले साल एक बड़ा आर्थिक संकट आएगा, जिसकी वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था चौपट हो जाएगी। कर्ज का स्तर, भूराजनीतिक तनाव और आर्थिक शक्तियों का पश्चिम से पूर्व की ओर शिफ्ट होना उन वजहों में शामिल है, जिसके चलते ऐसा हो सकता है।

4 पृथ्वी पर जलवायु संकट

बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की है कि अगले साल प्राकृतिक आपदाएं और खराब मौसम का बुरा असर देखने को मिलेगा। वेंगा के मुताबिक, पृथ्वी के ऑर्बिट में बदलाव होगा। ये बेहद ही कम समय के लिए होगा, मगर इसकी वजह से जलवायु परिवर्तन का भीषण असर दिखेगा। साथ ही रेडिएशन का खतरा पैदा होगा।

5 साइबर अटैक

दुनिया में अगले साल साइबर अटैक का भी खतरा बढ़ने वाला है। अडवांस्ड हैकर्स पावर ग्रिड और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स जैसे महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाएंगे। बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की है कि इसकी वजह से राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा का खतरा पैदा हो जाएगा।

6 कैंसर का इलाज

बाबा वेंगा के मुताबिक, मेडिकल फील्ड से अच्छी खबरें सामने आ सकती हैं। एल्जाइमर समेत असाध्य बीमारियों का नया इलाज मिल पाएगा। उन्होंने ये भी भविष्यवाणी की है कि 2024 में कैंसर का इलाज संभव हो पाएगा।

7 टेक्नोलॉजी में होगी क्रांति

भविष्यवक्ता का दावा है कि अगले साल क्वांटम कंप्यूटिंग में बड़ी खोज होगी। क्वांटम कंप्यूटिंग में तेजी से विकास हो रहा है। इसे लेकर कहा जाता है कि इसके जरिए साधारण कंप्यूटर के बजाय तेजी से परेशानियों को हल किया जा सकता है। अगर ऐसा होता है, तो अगले साल एआई की फील्ड भी बढ़ जाएगी।

बीजेपी ने जारी की 5वीं लिस्ट, अब सिर्फ 1 उम्मीदवार बाकी

जयपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने उम्मीदवारों की पांचवीं लिस्ट जारी की है. 15 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है. पार्टी ने अबतक 199 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है. इसके साथ ही एक सीट पर बीजेपी को उम्मीदवार उतारना बाकी है.

राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने उम्मीदवारों की पांचवीं लिस्ट आज जारी कर दी है. पार्टी ने इस लिस्ट में 15 नामों का ऐलान किया है. बीजेपी ने राजस्थान चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार चयन में कुछ बदलाव किए हैं. पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के प्रति अपनी वफादारी के लिए जाने जाने वाले अशोक परनामी को टिकट नहीं दिया गया है. इसके बजाय, पत्रकार गोपाल शर्मा को सिविल लाइंस निर्वाचन क्षेत्र के लिए उम्मीदवार के रूप में चुना गया है. इसी तरह, बेरोजगार युवा संघ के अध्यक्ष उपेन यादव को शाहपुरा सीट से टिकट मिला है. वसुंधरा राजे के एक और वफादार प्रह्लाद गुंजल को कोटा उत्तर से टिकट दिया गया है.

बीजेपी ने हनुमानगढ़ से अमित चौधरी, कोलायत से अंशुमान सिंह भाटी, सरदारशहर से राजकुमार रिणवा, शाहपुरा से उपेन यादव को टिकट दिया है. पार्टी की इस लिस्ट में राजखेरा से नीरज अशोक शर्मा को मैदान में उतारा गया है. बीजेपी ने राजस्थान चुनाव के लिए कुल 184 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं. पार्टी ने उम्मीदवारों की चार सूचियां जारी की हैं, जिसमें पहली सूची में 41 उम्मीदवार, दूसरी सूची में 83 उम्मीदवार, तीसरी सूची में 58 उम्मीदवार और चौथी सूची में 2 उम्मीदवार शामिल हैं. इन उम्मीदवारों की घोषणा राजस्थान की विभिन्न सीटों के लिए की गई है. पार्टी ने हनुमानगढ़, चूरू, शाहपुरा, विराटनगर, किशनपोल, आदर्श नगर, सिविल लाइंस, राजाखेड़ा, मसूदा, शेरगढ़, बाड़मेर, पचपदरा, मावली, पीपल्दा, कोटा जैसे निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। उत्तर, और सरदारशहर के लिए कैंडिडेट का ऐलान नहीं किया था, जो अब जारी कर दिया है.

राजस्थान में हर पांच साल में सत्ता बदलने की परंपरा

राजस्थान में विधानसभा चुनाव 25 नवंबर के लिए शेड्यूल हैं, जिसमें सभी 200 विधानसभा सीटों पर एक साथ मतदान होगा. नतीजे 3 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे. पिछले तीन दशकों से राजस्थान में कांग्रेस और बीजेपी की सरकार बारी-बारी से बनने की परंपरा रही है. हालांकि, यह देखना बाकी है कि क्या राजनीति के जादूगर कहे जाने वाले अशोक गहलोत इस परंपरा को तोड़कर मुख्यमंत्री के रूप में लगातार दूसरा कार्यकाल हासिल कर पाएंगे, या क्या भाजपा राजस्थान में सत्ता में आएगी.

चुनाव के लिए बीजेपी और कांग्रेस दोनों ने अपने कई उम्मीदवार चुन लिए हैं. बीजेपी ने कुछ सांसदों समेत कई दिग्गज नेताओं को मैदान में उतारा है. दूसरी ओर, कांग्रेस पार्टी ने ज्यादातर अपने मौजूदा नेताओं पर भरोसा किया है, जिसमें अशोक गहलोत और सचिन पायलट प्रमुख चेहरे हैं. हालांकि, अभी तक किसी भी पार्टी ने मुख्यमंत्री पद के दावेदार की घोषणा नहीं की है, जिससे चुनाव तक सस्पेंस बरकरार है.

जीत के लिए आप पार्टी लगा रही दम

जारी कर दी स्टार प्रचारकों की लिस्ट

जयपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। आप ने आगामी राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की है

राजस्थान चुनावों को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आप के संगठन महासचिव संदीप पाठक स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल हैं। आप ने राजस्थान के लिए अपने प्रचारकों की सूची में मनीष सिसौदिया और संजय सिंह का भी नाम रखा है। इसके अलावा निलंबित सांसद राघव चड्ढा भी सूची में शामिल हैं।

एएनआई, जयपुर। आम आदमी पार्टी (आप) ने आगामी राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की है, जिसमें मनीष सिसौदिया और संजय सिंह का भी नाम शामिल है। राज्य में 25 नवंबर को एक ही चरण में विधानसभा के लिए मतदान होना है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आप के संगठन महासचिव संदीप पाठक राजस्थान चुनाव के लिए पार्टी के 20 स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शीर्ष पर हैं। गौरतलब है कि आप ने राजस्थान के लिए अपने प्रचारकों की सूची में मनीष सिसौदिया और संजय सिंह का भी नाम रखा है।

बता दें कि दिल्ली की वापस ली गई शराब नीति मामले में दोनों नेता सिसोदिया और संजय सिंह फिलहाल सलाखों के पीछे हैं। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री जिन्होंने कई अन्य महत्वपूर्ण विभाग भी संभाले थे, कथित शराब घोटाला मामले में गिरफ्तारी के बाद सिसोदिया ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया।

राघव चड्ढा भी लिस्ट में शामिल

दिल्ली और पंजाब में आप सत्ता में है। यहां पंजाब के कई मंत्री भी स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल हैं। इसके अलावा निलंबित सांसद राघव चड्ढा और कई विधायकों ने भी राजस्थान के लिए पार्टी के स्टार प्रचारकों की सूची में जगह बनाई है। इस बीच, आप ने राजस्थान चुनाव के लिए 21 उम्मीदवारों की अपनी तीसरी सूची जारी की।

2018 का हाल ये था

पिछले विधानसभा चुनाव 2018 में, कांग्रेस 99 सीटें जीतकर राजस्थान में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि 200 सदस्यीय सदन में भाजपा 73 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। सपा विधायकों और निर्दलीय विधायकों के समर्थन से आखिरकार अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राजस्थान के साथ-साथ चार अन्य चुनावी राज्यों में वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होनी है।

सीएम के आश्वासन के बाद भी ओएसडी शर्मा रह गए खाली हाथ; छठी लिस्ट के 23 नाम में नहीं मिली जगह

जयपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस ने देर रात 23 प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी। इसमें दिग्गज मंत्री महेश जोशी का टिकट तो कटा ही सीएम अशोक गहलोत के अवास पर शक्ति प्रदर्शन करने वाले उनके ओएसडी लोकेश को भी नहीं मिला।

विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस ने 23 नामों की सूची जारी कर दी। इसमें पीएचईडी मंत्री महेश जोशी का टिकट कट गया। उनकी जगह शहर कांग्रेस अध्यक्ष आरआर तिवाड़ी को टिकट दिया गया। हालांकि तिवाड़ी ने निर्वाचन आयोग में अपना नामांकन कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में दाखिल कर दिया था। उन्हें पहले ही टिकट कंफर्म होने की सूचना दे दी गई थी।

इधर, टिकट कटने के कुछ घंटों पहले डॉ. महेश जोशी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो डाला, जिसमें वे मंदिरों में जाकर आराधना कर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने अपने सरकारी बंगले में जनसुनवाई करते हुए का वीडियो और पोस्ट किया।

वहीं, इस सूची ने सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा के लिए भी दरवाजे बंद कर दिए हैं। लोकेश शर्मा पहले बीकानेर पश्चिम फिर भीलवाड़ा से टिकट की मांग कर रहे थे। इसे लेकर पिछले दिनों लोकेश शर्मा ने सीएम आवास पर अपने समर्थकों के साथ शक्ति प्रदर्शन भी किया था। इसमें कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने शर्मा के समर्थकों को भरोसा दिया था कि पार्टी अपने कार्यकर्ताओं का ध्यान रखेगी।

हवामहल सीट से मंत्री महेश जोशी का टिकट कटा! आर आर तिवाड़ी ने भरा पर्चा

हवामहल, 5 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनाव में जयपुर की हवामहल सीट को लेकर विवाद थम नहीं रहा है. कांग्रेस आलाकमान से बगावत करने के कारण मंत्री डॉ महेश जोशी का टिकट इस सीट से कट गया है, जबकि कांग्रेस के जिलाध्यक्ष आर आर तिवाड़ी ने नामांकन भर दिया है. उनका कहना है कि हाईकमान ने उन्हें इसकी इजाजत दी है.

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की लगातार पैरवी के बाद भी मंत्री डॉ. महेश जोशी को जयपुर की हवामहल सीट से उम्मीदवार नहीं बनाया जा रहा है. बताया जा रहा है कि उनका टिकट कट गया है. कांग्रेस आलाकमान के खिलाफ बगावत करने की वजह से उन पर गाज गिरी है. दूसरी ओर, हवामहल सीट पर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष आर आर तिवाड़ी ने नामांकन भर दिया है, हालांकि अभी तक हवामहल से कैंडिडेट घोषित नही किया गया है, मगर आरआर तिवाड़ी ने पहले ही नामांकन भर दिया. सूत्रों के अनुसार तिवाड़ी को अलाकमान ने दी हरी झंडी दे दी है.

अब महेश जोशी के बीजेपी में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही है. हालांकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से 2 दिन पहले 1 घंटे की मुलाकात के बाद माना जा रहा था कि जोशी को गहलोत ने मना लिया है.

कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की की पांच सूची जारी कर दी, लेकिन 25 सिंतबर को बगावत करने वाले महेश जोशी एवं शांति धारीवाल का नाम उम्मीदवारों की सूची में नहीं है. बता दें कि जोशी जयपुर की हवामहल सीट से कांग्रेस के दावेदार माने जाते रहे हैं.

आर आर तिवाड़ी ने भरा पर्चा

जयपुर की हवामहल सीट चर्चा का विषय बना हुआ है. इस पर कांग्रेस हाईकमान उम्मीदवार तय नहीं कर पा रहा है. मंत्री महेश जोशी पर पार्टी हाईकमान के खिलाफ बगावत करने और करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार का आरोप है. ऐसा बताया जा रहा है कि पार्टी आलाकमान उनसे नाराज है.

इस बीच, आर आर तिवाड़ी ने नामांकन दाखिल करने के बाद कहा कि 31 अक्टूबर को ही पार्टी आलाकमान का दिल्ली से फोन आया था. आलाकमान की हरी झंडी मिलने के बाद नामांकन दाखिल किया है.

आर आर तिवाड़ी द्वारा नामांकन दाखिल करने के बाद महेश जोशी को बड़ा झटका लगा है. इस बीच वह दिल्ली गए हैं. सूत्रों का कहना है कि उन्हें आलाकमान ने बुलाया है. आलाकमान ने उन्हें दिल्ली क्यों बुलाया है. इस बात का राज अभी तक नहीं खुला है.

मंत्री महेश जोशी का लगा झटका

डॉ. महेश जोशी पिछले कई दिनों जयपुर शहर की हवामहल की टिकट की आस लगाए बैठे हैं, लेकिन तीन दिन पहले जब यह पता लगा कि पार्टी आलाकमान ने डॉ महेश जोशी के स्थान पर आर आर तिवाड़ी को उम्मीदवार बनाया गया है, तो उनके समर्थकों ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर जमकर हंगामा मचाया है.

बता दें कि फिलहाल हवामहल विधानसभा सीट के लिए कांग्रेस की ओर से अभी तक कोई प्रत्याशी नहीं बनाया गया है. फिर भी आरआर तिवाड़ी ने पर्चा दाखिल कर दिया है. उधर महेश जोशी के लिए भी एक नामांकन पत्र लिया है. नामांकन के लिए केवल 6 नवंबर का एक दिन शेष बचा है. ऐसे में डॉ महेश जोशी को लेकर सियासी हलकों में अटकलें लगाई जा रही है.

प्रियंका चौधरी को बाड़मेर सीट से भाजपा ने क्यों नहीं दिया टिकट ? सामने आई बड़ी वजह

बाड़मेर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर में भाजपा की अघोषित प्रत्याशी प्रियंका चौधरी ने बाड़मेर सीट से नामांकन दाखिल कर दिया। हालांकि पार्टी ने अभी उनकी दावेदारी को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया है।

पश्चिमी राजस्थान की बाड़मेर सीट भाजपा के लिए चुनौती बन गई है। पार्टी ने अब तक यहां से किसी को उम्मीदवार नहीं बनाया है। इस सीट से डॉक्टर प्रियंका चौधरी मजबूत दावेदार मानी जा रही है। लेकिन अभी पार्टी ने उनका टिकट फाइनल नहीं किया है। इस बीच प्रियंका ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया।

नामांकन से पहले सिणधरी सर्किल पर सभा आयोजित की गई। जिसे संबोधित करते हुए प्रियंका भावुक हो गई। प्रियंका ने कहा कि वह पार्टी की समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ता है। मुझे पूरा भरोसा है कि पार्टी उन्हें जरूर टिकट देगी। मैं आज शुभ मुहूर्त में उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल कर रही हूं। इस सभा में साधु संतों के साथ पूर्व विधायक रावलोत समेत अने लोग मौजूद रहे।

सिणधरी चौराहे पर सभा के बाद प्रियंका चौधरी कलेक्ट्रेट पहुंचीं और नामांकन दाखिल किया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज मैंने भाजपा से फॉर्म भरा है मुझे पूरी आशा है कि पार्टी भरोसा जताते हुए मुझे ही प्रत्याशी घोषित करेगी। जब प्रियंका ने भाजपा के अघोषित उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया तो इस बात का ख्याल रखा कि कोई भी नेता पार्टी के विरोध में नहीं बोले। क्योंकि पार्टी ने अभी तक इस सीट से किसी को भी प्रत्याशी घोषित नहीं किया है।

बता दें कि पार्टी प्रियंका चौधरी को टिकट देने के पक्ष में नहीं है। वहीं कांग्रेस ने यहां से मजबूत प्रत्याशी मेवाराम जैन को प्रत्याशी बनाया है। पार्टी मेवाराम के सामने मजबूत प्रत्याशी को उतारना चाहती है।

पहले इस सीट पर केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी के लड़ने की अटकलें लगाई जा रही थी लेकिन फिलहाल पार्टी की ओर से किसी को प्रत्याशी नहीं घोषित नहीं किया गया है।

कांग्रेस द्वारा मेवाराम जैन को प्रत्याशी घोषित करने के बाद से कैलाश चौधरी ने अपने कदम पीछे खींच लिए। इससे पहले वे इस सीट से मजबूत दावेदार बनकर सामने आ रहे थे।

'हमें गोली चलानी भी आती है...' राजस्थान में भाजपा प्रत्याशी जूते से लड़ेगी चुनाव, वीडियो वायरल

भरतपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनाव में अब प्रत्याशियों के विवादित बयान सामने आ रहे हैं। ताजा मामला राजस्थान की कामां सीट से भाजपा की महिला प्रत्याशी ने दिया है। इससे जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

भरतपुर की कामां सीट से भाजपा की प्रत्याशी नौक्षम चौधरी का विवादित बयान सामने आया है। चुनाव प्रचार के दौरान आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि किसी ने भी ईंट चलाई तो पत्थर से जवाब दूंगी और हमें तो गोली भी चलानी आती है। वीडियो को 3 नवंबर को सोशल मीडिया पर शेयर हुआ। बता दें कि पार्टी ने गुरुवार को जारी हुई तीसरी सूची में नौक्षम चौधरी को कामां से उम्मीदवार बनाया था। वीडियो कामां के विमल कुंड स्थित गुर्जर आश्रम का है।

वीडियो के वायरल होने के बाद नौक्षम चौधरी ने दावा किया कि किसी ने उनके वीडियो को एडिट किया है।

मैंने तो कार्यक्रम मे कामां विधानसभा में पिछले 5 साल से चल रहे जंगलराज और तानाशाही को लेकर बात की है। जिन लोगों ने इस वीडियो को गलत तरीके से शेयर किया है उनके खिलाफ भी हम कार्रवाई करेंगे। वीडियो में नौक्षम ऐलान कर रही है कि हमें गोली भी चलानी आती है सारे काम आते हैं। जूते का जूते से इलेक्शन से लड़ना आता है। इसका ऐलान में आज मंदिर से करती हूं।

विरोध के बाद दी सफाई

उन्होंने आगे कहा कि मेरा बयान था कि जो लोग सताए हुए हैं जिन पर अत्याचार हुए हैं हम उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। सहां जिस तरह आम जन को परेशान किया जा रहा है वह हम होने नहीं देंगे। बता दें कि नौक्षम चैधरी नूंह के पेमा खेड़ा गांव की रहने वाली हैं। \

उन्होंने लंदन से मास कम्यूनिकेशन किया है। लंदन में पढ़ाई करके लौटने के बाद उन्होंने भाजपा ज्वॉइन की। इसके बाद हरियाणा की पुन्हाना सीट से भाजपा के टिकट पर पहला विधानसभा चुनाव लड़ा लेकिन बागियों के चलते वह चुनाव हार गई थी। वहीं कामां से कांग्रेस ने अभी तक प्रत्याशी का ऐलान नहीं किया है। इस सीट से अभी जाहिदा खान विधायक है और सरकार में मंत्री भी रहीं।

मंत्री टीकाराम जूली पर वाटर सप्लायर्स ने लगाया पैसे हड़पने का आरोप

अलवर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में गहलोत सरकार के मंत्री पर एक आरओ वाटर सप्लायर्स ने पैसे न देने का आरोप लगाया है। साथ ही बताया कि पैसे मांगने पर उसे धमकी भी दी गई है। मंत्री टीकाराम जूली पर एक आरओ वॉटर सप्लाई करने वाले मलिक ने तीन लाख 30 हजार रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। साथ ही लगातार चार साल तक आरओ के पानी का कैंपर इस धमकी के आधार पर मंगवाते रहे कि अगर तूने पानी सप्लाई नहीं किया तो तेरा आरओ प्लांट बंद कर दिया जाएगा।

इस संबंध में आरओ प्लांट के मालिक पूरणमल यादव ने बताया कि उसका जय अंबे आरओ वॉटर के नाम से प्लांट है। उसके द्वारा 2019 में मोती डूंगरी स्थित कार्यालय पर पानी सप्लाई किया जा रहा था। एक महीना होने पर जब उनसे पैसा मांगा तो उन्होंने कहा कि साल भर का हिसाब एक साथ कर देंगे, जिसके बिल वाउचर भी मेरे पास हैं। उसके बाद लगातार पैसे की मांग करता रहा, लेकिन उन्होंने कोई पैसा नहीं दिया।

पिछले दिनों मैंने उनसे कहा कि मेरे बच्चे की तबीयत खराब है, मुझे पैसों की जरूरत है। तब उन्होंने पैसे देने से मना कर दिया और कहा कि तेरी इच्छा है जो कर ले, अब तुझे पैसे नहीं मिलेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री के आदमी मेरे गांव में बालेटा गांव गए और मेरे पिताजी को धमकी दी की तेरे छोरे को मना ले नहीं तो उसका काफी नुकसान होगा। इस संबंध में मैंने अपने पिताजी से भी बात की है। तीन-चार दिन पहले मैंने मंत्री टीकाराम जूली को भी पैसे के लिए फोन किया था तो उन्होंने भी कहा कि पैसे के लिए फोन किया होगा। मुकेश से बात कर ले जब मुकेश के पास गया तो उन्होंने कहा कि पानी का भी कोई पैसा लेता है क्या।

बरेली-भुज एक्सप्रेस ट्रेन में संदिग्ध अवस्था में मिले बैग, विभिन्न ब्रांडों की अंग्रेजी शराब जब्त

सिरोही, 5 नवंबर (एजेंसियां)। बरेली-भुज एक्सप्रेस ट्रेन में संदिग्ध अवस्था में मिले बैग से विभिन्न ब्रांडों की अंग्रेजी शराब की 19 बोतलें जब्त की गई। पकड़ी गई शराब की कीमत 33970 रुपये बताई गई है।

दीपावली त्यौहार व विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सवारी गाड़ियों में शराब/मादक पदार्थों की धरपकड़ के लिए रेलवे सुरक्षाबल द्वारा सघन जांच की जा रही है। इसी कड़ी में निरीक्षक विकास कुमार की अगुवाई में टीम द्वारा बरेली-भुज एक्सप्रेस ट्रेन में संदिग्ध अवस्था में मिले बैग से विभिन्न ब्रांडों की अंग्रेजी शराब की 19 बोतलें जब्त की गई। पकड़ी गई शराब की कीमत 33970 रुपये बताई गई है।

रेलवे सुरक्षाबल निरीक्षक विकास कुमार की अगुवाई में गठित टास्क टीम में सहायक उपनिरीक्षक रामदयाल शर्मा, कॉस्टेबल अमरचंद एवं कांस्टेबल विनोद कुमार द्वारा सवारी गाडी सं. 14311 बरेली-भुज एक्सप्रेस ट्रेन को चेक करने के दौरान पिंडवाड़ा-आबूरोड के बीच आगे के सामान्य कोच में 3 बैग संदिग्ध हालात में मिले। बैग को खोलकर तलाशी लेने पर तीनों बैग में अंग्रेजी शराब की 19 बोतलें पाई गई। शराब को जब्त कर अग्रिम कारवाई के लिए आबकारी थाना आबूरोड को सौंप दिया गया।

नाराज कैलाश मेघवाल निर्दलीय लड़ेंगे चुनाव

जयपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा से टिकट न मिलने से नाराज कैलाश मेघवाल ने इस बार का चुनाव निर्दलीय लड़ने का एलान कर दिया है। पार्टी में बगावती सुर और तेज हो गए हैं।

बीजेपी से टिकट न मिलने से नाराज कैलाश मेघवाल ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का मन बना लिया है। कैलाश मेघवाल के इस एलान के बाद से राजनीति तेज हो गई है। साल 2018 के विधानसभा चुनाव में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने भारी अंतर से जीत हासिल की थी। मेघवाल इस बार भी अपनी टिकट पक्की मान कर चल रहे थे, लेकिन ने बीजेपी ने उनको टिकट नहीं दिया। अब मेघवाल के निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा से राजस्थान की राजनीति और दिलचस्प हो गई है।

माना जा रहा है कि बीजेपी ने मेघवाल को टिकट न देरकर कार्रवाई की है। पिछली बार भारी अंतर से जीत हासिल करने के बाद भी 2023 चुनाव के लिए बीजेपी ने उन्हें उम्मीदवारों की लिस्ट में शामिल नहीं किया है। इसके पीछे की बड़ी वजह अनुशासनहीनता मानी जा रही है।

कुछ समय पहले कैलाश मेघवाल ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल के खिलाफ विवादास्पद बयान दिया था। इतना ही नहीं राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस के एक नेता की जमकर तारीफ की थी। इसके बाद से ही मेघवाल पार्टी के निशाने पर आ गए थे। यही वहज है कि इस बार पार्टी ने मेघवाल को अनुशासनहीनता के चलते टिकट नहीं दिया है।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा की बैठक में दीपावली स्नेह मिलन पर चर्चा

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। दीपावली स्नेह मिलन के विषय में राजस्थानी ब्राह्मण सभा द्वारा बैठक आयोजित राजस्थानी ब्राह्मण सभा हैदराबाद - सिकंदराबाद द्वारा किबैठक आज पारीक मंदिर कोलसावाडी में अध्यक्ष प. पुरुषोत्तम लाला की अध्यक्षता में आयोजित की गई। महासचिव रामदेव नागला ने बताया कि गायत्री वन्दना के पश्चात सभा द्वारा 17 दिसंबर को श्रृंग ऋषि भवन में दीपावली स्नेह मिलन व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया एवं सभी 13 उपन्यातियों से मेधावी छात्र-छात्राओं को जो एसएससी व उसके ऊपर की शिक्षा में 85% मार्क्स आए हैं, वह अपनि मार्कशीट की फोटोकॉपी, एक पासपोर्ट साइज़ फ़ोटो व आधार कार्ड की फोटोकॉपी संस्था के पास जमा करवा सकेंगे। इसी क्रम में इस वर्ष जो उच्चशिक्षा में डॉक्टर, इंजीनियर आदि उतरिण छात्र छात्राओं का भी सम्मान किया जाएगा। सभी 13 उपन्यातियों से एक-एक सदस्य को कार्यक्रम के लिए कार्यभार दिया गया है। इस वर्ष सभा द्वारा लक्ष्मीनिवास शर्मा को विप्र रत्न से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने हेतु गोपाल शर्मा को प्रधान संयोजक मनोनीत किया गया एवं अगली बैठक में विभिन्न समितियों की घोषणा कर उन्हें कार्यभार सौंपा जाएगा व अतिथियों के नाम घोषित कि जाएँगी| आज की बैठक में अध्यक्ष प. पुरुषोत्तम लाला, महासचिव रामदेव नागला, प्रधान संयोजक गोपाल शर्मा, कोषाध्यक्ष रामेश्वरलाल जोशी, प्रभुदयाल पांड्या, रामनिवास पाराशर, भगवान व्यास, श्रीलाल पारीक, लक्ष्मीकांत व्यास, दामोदर जोशी, मुरलीधर तिवाड़ी, अरविन्द नाराणीया, मोहनलाल शर्मा, राजन शर्मा दायमा एवं रवि दाधीच उपस्थित थे।

भारत की साऊथ अफ्रीका पर विराट जीत

20 साल बाद भारत की वर्ल्डकप में लगातार आठवीं जीत

साउथ अफ्रीका की सबसे बड़ी हार, जडेजा को 5 विकेट, कोहली का 49वां शतक

कोलकाता, 5 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने एकतरफा मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 243 रन से हराकर वनडे वर्ल्ड कप में लगातार आठवीं जीत दर्ज कर ली है। इसके साथ ही भारत ने पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 फिनिश भी तय कर लिया है। यानी सेमीफाइनल में भारत का सामना चौथे नंबर पर रहने वाली टीम से होगा।

विराट कोहली के रिकॉर्ड 49वें शतक की बदौलत भारत ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। टीम ने 50 ओवर में 5 विकेट खोकर 326 रन बनाए। कोहली ने नाबाद 101 रन बनाए और सचिन तेंदुलकर के 49 वनडे शतकों के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। श्रेयस अय्यर ने 77 रन बनाए।

जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 27.1 ओवर में 83 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए। मोहम्मद शमी को 2 और कुलदीप यादव को 2 विकेट मिले। भारत ने 20 साल बाद किसी वर्ल्ड कप में लगातार आठ मैच जीते हैं। इससे पहले टीम इंडिया ने 2003 वर्ल्ड कप में 8 मैच एक के बाद एक जीते थे।

वनडे इतिहास में साउथ अफ्रीका की सबसे बड़ी हार :

भारत ने साउथ अफ्रीका को 243 रन के अंतर से हराया, ये साउथ अफ्रीका की वनडे क्रिकेट में सबसे बड़ी हार रही। इससे पहले 2002 में टीम को पाकिस्तान ने 182 रन से हराया था। इससे पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया की सबसे बड़ी जीत 2010 में आई थी, तब टीम को 153 रन से जीत मिली थी। वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका की सबसे बड़ी हार भी इससे पहले भारत के खिलाफ ही थी। 2015 में मेलबर्न के मैदान पर टीम ने 130 रन से मुकाबला जीता था।

वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका का सबसे छोटा स्कोर :

साउथ अफ्रीका टीम वर्ल्ड कप में पहली बार 100 रन से कम के स्कोर पर ऑलआउट हुई है। इससे पहले 2007 में टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 149 रन पर ऑलआउट किया था। वनडे में टीम ने अपने दूसरे सबसे छोटे स्कोर की बराबरी की। टीम 83 रन पर तीसरी बार ऑलआउट हुई है, इससे पहले टीम को 2 बार इंग्लैंड ने भी 83 रन पर ढेर किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम 1993 में 69 रन भी सिमट गई थी, ये उनका इतिहास में सबसे छोटा स्कोर है।

हैदराबाद देश का सबसे सुरक्षित और शांतिपूर्ण शहर : तलसानी

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। सनतनगर के विधायक और मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि हैदराबाद देश का सबसे सुरक्षित और शांतिपूर्ण शहर है। उन्होंने सनतनगर निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत रामगोपाल पेटा डिवीजन में पीजी रोड पर आर्य वैश्य भवन में फेडरेशन ऑफ पीजी रोड कॉलोनीज एंड अपार्टमेंट सोसाइटीज के तत्वावधान में आयोजित एक बैठक में भाग लिया। बैठक में गुजराती, जैन, अग्रवाल, माहेश्वरी समाज, राजस्थानी और अन्य समाज के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यहां रहने वाले सभी लोग, चाहे वे किसी भी भाषा या क्षेत्र के हों, अपने हैं। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद यहां बसने वाले कुछ लोगों में थोड़ी चिंता के बावजूद मुख्यमंत्री कल्वाकुंतला चन्द्रशेखर राव के नेतृत्व में साढ़े नौ साल में कई विकास और कल्याण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के साथ तेलंगाना राज्य एक महान राज्य बन गया है। साल। उन्होंने कहा, सभी प्रकार के व्यवसाय बिना किसी समस्या के सुचारू रूप से चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार लोगों की सेवा के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि जो विकास 50 साल में नहीं हुआ वह सत्ता में आने के साढ़े नौ साल के भीतर करके दिखाया है। उन्होंने बताया कि 2014 से पहले पीजी रोड और ड्रेनेज सिस्टम बहुत कठिन थे, लेकिन अब उनमें सुधार किया गया है। उन्होंने कहा कि हर साल बरसात के मौसम में नाला में बाढ़ की समस्या गंभीर होती थी, नाला के विकास और नये पुल के निर्माण से बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान हो गया है। पहले यहां से प्रतिनिधित्व कर चुके मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उन्होंने कई जनसमस्याओं का समाधान किया है जो मंत्री भी नहीं कर सके. उन्होंने बताया कि चूंकि वह हमेशा लोगों के बीच रहते हैं, इसलिए उन्हें जनता के मुद्दों की पूरी समझ है और उन्होंने लोगों की जरूरतों को पहचान लिया है और उसी के अनुरूप विकास कार्यक्रम चला रहे है। उन्होंने कहा कि सरकार पशुपालन विभाग के तत्वावधान में शहर की गौशालाओं में पशुओं को मुफ्त चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रही है और मुफ्त में दवाएं भी वितरित कर रही है। 1962 टोल फ्री नंबर के माध्यम से मोबाइल पशु चिकित्सा क्लिनिक गौशाला पहुंचे और बताया कि वे चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। वह विकास के लिए काम कर रहे हैं और लोगों के लिए उपलब्ध हैं तथा उन्हें भारी बहुमत से जिताने को कहा। मंत्री थलासानी श्रीनिवास यादव ने मतदाताओं से अपील की कि अगर इस महीने की 30 तारीख को होने वाले चुनाव में सभी लोग कार चुनाव चिह्न के लिए वोट करते हैं और जीतते हैं, तो वे और अधिक विकास करेंगे। कार्यक्रम में पार्षद टी. माहेश्वरी, पूर्व पार्षद अत्तिली अरुणा गौड़, पीजी रोड अध्यक्ष प्रवीण, उपाध्यक्ष किशोर, सचिव संजय, गिलानी, सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र बीआरएस पार्टी प्रभारी तलसानी साई किरण यादव, जैन समाज अध्यक्ष योगेश जैन, अशोक बरमेचा, नवीन शाह, आनंद पाटिल, जगदीश वर्मा, मोतीलाल, उत्तम कुमार राजपुरोहित, गुलाब सिंह राजपुरोहित, रमेश, सुरेश, दीपक शर्मा सहित अन्य लोग शामिल हुए।

छठ पूजा की तैयारी में जुटी नार्थ पीपुल्स एसोसिएशन तेलंगाना और बिहार सहयोग समिति

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने अपने पदाधिकारियो के साथ छठ पूजा तैयारी में आज आंनद बाग बतुकम्मा घाट सफिलगुडा पहुंच कर वहा का जायज़ा लिया। जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार महासचिव मनोज यादव ने बताया कि हमलोग नार्थ पीपुल्स ऐसोसिएशन के साथ मिलकर छठ पूजा करेंगे। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। बिहार सहयोग समिति तीन साल से पूजा का आयोजन कर रही है और लोगों को सुविधा उपलब्ध करा रही है। समिति के सदस्यों ने कहा कि कहा कि श्रद्धालुओं को आवश्यक सूचना भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि घाट की सफाई आज की प्रक्रिया जल्दी शुरू की जाएगी। समिति के सदस्यों ने कहा कि इस बार छठ पूजा में विभिन्न क्षेत्र से अतिथियों को आमंत्रित किया जाएगा। इस कार्य में नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन और बिहार सहयोग समिति के सदस्य पूरा योगदान देंगे। इस मौके पर उपाध्यक्ष सागर भगत, बिजेंद्र गुप्ता, जयंत यादव,राजेश यादव, पंकज यादव, आंनद गुप्ता, हरीश यादव, बिनोद कुमार, सुनील ठाकुर, ललन मिश्रा एवं भारी मात्रा में युवा कार्यकर्ता ने अपना भरपूर सहयोग देने का आश्वासन दिया।

सम्पूर्ण गौरक्षा आंदोलन कल नईदिल्ली में, शंकराचार्य शामिल होंगे

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। सर्वदलीय गौरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर जयपाल सिंह नयाल सनातनी के नेतृत्व में देशभर से हजारों गौभक्त द्वारा 7 नवंबर 2023 को दिल्ली संसद मार्ग थाने के जंतर-मंतर धरना स्थल पर सम्पूर्ण गौवंश हत्या मुक्त भारत की मांग को लेकर विशाल आंदोलन किया जा रहा है। मंगलवार 7 नवम्बर को देश में बचें सम्पूर्ण देशी गौवंश के मंगल हेतु प्रातः 8 बजे से 10 बजे के बीच पुलिस प्रशासन के सहयोग से संसद भवन के गेट नं 2 के शहीद स्थल पर 7 नवंबर 1966 को गौरक्षा के लिए बलिदान दे दिए सैकड़ों गौभक्त संतों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। 10 बजे से शाम 5 बजे तक जंतर-मंतर पर विशाल गौरक्षा आंदोलन पंडाल में देश भर से आए संतों, गौभक्तों और अनेक सामाजिक राष्ट्रवादी गौप्रेमी संगठनों के साथ सामूहिक रूप से काशी सुमेरू पीठाधीश्वर अनंत श्री विभूषित जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में अनेक संतो, महामंडलेश्वरो, पीठाधीश्वरों की उपस्तिथि में गौरक्षा सम्मलेन दिन भर चलेगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से 4 बार राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित कृषि ऋषि श्रीप्रकाश रघुवंशी वाराणसी से, मुंबई फिल्म नगरी से संगीतकार गीतकार और गायक विष्णुधर मिश्रा, नमो सुरक्षा संगठन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष राज बराड़ कनाडा और भारत के साथियों के साथ, गौ ऋषि गोपाल मणी, बिहार तारा चंडी शक्ति पीठ के पीठाधीश्वर अंजनेश स्वामी, हैदराबाद से जगदनाथ मठ के पूज्य श्रीश्रीश्री त्रिदंडी व्रतधर रामानुज जीयर स्वामी, कमलेश स्वामी, वृंदावन से अनेक संत आचार्य आदि पधार रहे हैं।

श्रीनाथजी ध्वजाजी आनंद उत्सव 26 जनवरी से, पोस्टर विमोचित

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। नेकलेस रोड पर स्थित सुरम्य स्थान जलविहार में 26 से 28 जनवरी तक श्रीनाथजी ध्वजा आनंद उत्सव मनाया जाएगा। दक्षिण भारत में अपनी शुरुआत वैष्णव संप्रदाय के लोगों द्वारा अत्यधिक संरक्षित ध्वजाजी आरोहण, श्रीनाथजी ध्वजाजी आनंद उत्सव से होगी, जिसका आयोजन श्रीनाथजी ध्वजाजी आरोहण उत्सव समिति, हैदराबाद द्वारा किया जाएगा।

समिति को श्रीनाथजी मंदिर, नाथद्वारा के पूज्य तिलकायत 108 श्री राकेश जी महाराज श्री और उनके पुत्र 108 श्री विशाल जी बावा श्री द्वारा विशेष रूप से वैष्णव संप्रदाय के लाभ के लिए अनुष्ठानिक आनंद उत्सव की मेजबानी करने का विशेषाधिकार दिया गया है। इस आयोजन को श्री गोस्वामी विशाल नाथद्वारा मंदिर बोर्ड का आशीर्वाद प्राप्त है।

समिति में प्रबंध न्यासी रूपेश भाई शाह, संयुक्त प्रबंध न्यासी लक्ष्मीदास आर. शाह, सुधीर डी. शाह और अमित एम. शाह, उप प्रबंध न्यासी चैतन्य आर. कुमार और कोषाध्यक्ष कृष्ण एन. शाह शामिल हैं। बताया गया कि 26 जनवरी को सुबह 9.30 बजे शोभा यात्रा, सुबह 11 बजे आरोहण, सुबह 11.30 बजे राजभोग एवं आरती, दोपहर में शीश महल और शाम को लाल घाट पर जश्न मनाया जाएगा। 27 जनवरी सुबह 8 बजे मंगला का आयोजन होगा, सुबह 9.30 बजे श्रीनगर, रात्रि 10.30 बजे ग्वाल, दोपहर 12 बजे राजभोग तथा सायं 6.30 बजे गौ चरण होता है। 28 जनवरी सुबह 8 बजे छप्पन भोग कार्यक्रम शुरू होगा।

राधा मनोहर दास प्रभु ने बजरंग सेना कार्यालय का दौरा किया

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। राधा मनोहर दास प्रभु जी ने काचीगुडा में बजरंग सेना राज्य कार्यालय का दौरा किया। स्वामीजी ने हिंदुओं की वर्तमान स्थिति और लव जिहाद के बारे में बात की।

स्वामी जी ने लव जेहाद पर नियंत्रण और बचाव के लिए कुछ मंत्र दिए और हमें उस पर अमल करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष एन.आर.लक्ष्मण ने स्वामी जी का सम्मान कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर सलाहकार विनय तिवारी, उपाध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल, महासचिव सूर्या शुक्ला, मनोज मोगलगिड्डी अध्यक्ष हैदराबाद, अभिनय तिवारी, अध्यक्ष हिमायतनगर, जगदीश गौड़, सचिव सिकंदराबाद, एस.के. शर्मा, अध्यक्ष विवेकानन्द जिला, नरेश युवा सचिव हैदराबाद एवं अन्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज की मैरेज डेटा कमेटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमिटी की वर्ष 2023-25 के कार्यकाल की दसवीं बैठक समाज के कार्यालय राघव रत्ना टॉवर, चिराग़अली कार्यालय में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में बालक एवं बालिकाओं के क़रीब 15 अभिभावक गण उपस्थित होकर नए बायोडेटा एवं उनके द्वारा दिए गये पहले के बायोडेटा के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। कमिटी द्वारा इस कार्यकाल में 33 रिश्ते नक्की हुए। समाज की सभी शाखाओं के सदस्यों से आग्रह है कि समाज द्वारा जो निःशुल्क सेवा प्रदान की जा रही है उसका पूर्ण रूप से लाभ प्राप्त करें विशेषकर महिला शाखाओं से आग्रह है वे इस कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें आपके सहयोग के बिना यह कार्य असंभव है। बैठक प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक नियमित समय पर हर रविवार को होगी। सभी अग्रबंधुओं से इस सेवा का लाभ प्राप्त करने हेतु आग्रह है आगामी बैठक रविवार 19 नवम्बर को होगी। बैठक में चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल, वाइस चेयरमैन दीनबंधु अग्रवाल, अशोक कुमार दादरीवाला, गोविंद अग्रवाल तथा डॉक्टर बालकृष्ण सुरेखा आदि उपस्थित थे।

तेलंगाना गुजराती समाज के नेतृत्व में आयोजित होने जा रही जीईएम24 गुजराती एकता महोत्सव की पहेली बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं के साथ अध्यक्ष प्रेमल परिख, चैयरमन जसमत पटेल, उपाध्यक्ष चंदूभाई एवं मनसुखभाई, मीनल वखरिया एवं राजेश शाह और अन्य कार्यकर्ता।

धार्मिक सद्भाव के साथ उर्श मनाया गया

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। कैंटोनमेंट बोर्ड छठा वार्ड महात्मानगर दरगाह में आज हजरत उर्श उत्सव भव्य तरीके से आयोजित किया गया। इस उर्श उत्सव में बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जेपी मुख्य अतिथि और बनुका मल्लिकार्जुन बतौर अतिथि मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने चादर चढ़ाई और विशेष प्रार्थना की। इस अवसर पर बोलते हुए, जेपी ने कहा कि हिंदू मुस्लिम धार्मिक सद्भाव बनाए रखते हुए उर्शु उत्सव में भाग लेंगे। कार्यक्रम में शाकिब तथा जहां अन्य मुस्लिम भाइयों ने भाग लिया।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक में भाग लेते हुए चेयरमैन दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज संघी, सुरेश अग्रवाल, राजेंद्र, सत्य प्रकाश बंसल, शिवम अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, नंदकिशोर मंडलीय एवं अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

केरल ब्लास्ट मामले

। रविवार सुबह 7 बजे वो बम प्रार्थना स्थल पर रख आया था। उस वक्त वहां तीन लोग मौजूद थे।

हालांकि, उसने पुलिस की टिफिन बॉक्स थ्योरी को गलत बताया। मार्टिन के मुताबिक उसने विस्फोटकों के छह प्लास्टिक बैग तैयार किए थे। पेट्रोल से भरी बोतलें और कोच्चि से खरीदे गए 50 पटाखे भी बैग में रखे थे, ताकि तेज धमाके हों और आग लगे।

पुलिस ने बताया कि डोमिनिक ने सरेंडर करने से पहले फेसबुक लाइव किया था। उसमें उसने ब्लास्ट की बात कबूली है। डोमिनिक ने ऐसा करने की वजह भी बताई है। उसने फेसबुक पर लाइव आकर कहा है कि वो भी ईसाई धर्म के यहोवा के साक्षी समूह से संबंधित है, लेकिन उसको उनकी विचारधारा पसंद नहीं है। उन्हें वो देश के लिए खतरा मानता है, क्योंकि वे लोग देश के युवाओं के दिमाग में जहर घोल रहे हैं। इसलिए उसने उनकी प्रार्थना सभा के दौरान बम ब्लास्ट किया।

एनआईए की 7...

एनआईए के एक अधिकारी ने बताया कि जुल्फिकार ही इस केस का मास्टरमाइंड और फाइनेंसर है। उसने इमरान, यूनुस और शाहनवाज को ट्रेनिंग दिलवाई और पैसे भिजवाए थे। इमरान तक पैसे पहुंचाने वाला कदीर दस्तगीर पठान को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

गरीब नौजवानों को आईएसआईएस में शामिल करा रहा था डॉक्टर अदनान :

चारों से हुई पूछताछ में एनआईए को डॉ. अदनान का नाम मिला। एनआईए ने उसके फ्लैट पर छापा मारा तो आईएसआईएस से जुड़े डॉक्यूमेंट मिले। एनआईए ने अदनान के सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स जब्त कर लिए। सेंट्रल जांच एजेंसी से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि अदनान के पास मिले डॉक्यूमेंट से पता चला कि उसका संबंध आईएसआईएस से है। इसमें गरीब नौजवानों को आतंकी संगठन से जोड़ने की डिटेल भी है।

इसके अलावा 4 आरोपियों से यहूदी कम्युनिटी सेंटर की फोटो मिली है। इससे साफ हो गया कि आईएसआईएस के निशाने पर भारत ही नहीं, इजराइल के लोग भी हैं। इसके बाद मुंबई पुलिस ने कोलाबा में चाबड़ हाउस की सिक्योरिटी बढ़ा दी। 26 नवंबर 2008 को मुंबई पर हुए आतंकी हमले के दौरान चाबड़ हाउस पर भी अटैक हुआ था। अदनान समेत पांचों आरोपियों से पूछताछ के बाद एनआईए आकिफ अतीक नाचन तक पहुंची। वो आईईडी की टेस्टिंग में माहिर है। उसने ही इमरान और मोहम्मद यूनुस को छिपाया था। आकिफ को मुंबई के बोरीवली, ठाणे और भिवंडी में हुई रेड के बाद अरेस्ट किया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कोहली के 9 रिकॉर्ड, जिनका टूटना असंभव जैसा

सबसे तेज 10 हजार रन, बतौर कप्तान 7 टेस्ट डबल सेंचुरी ; रन चेज में 27 शतक

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। 'हर रिकॉर्ड टूटने के लिए बना है, अगर एक रिकॉर्ड टूटेगा नहीं तो दूसरा कैसे बनेगा।' ये शब्द सचिन तेंदुलकर के हैं। उन्होंने 100वां इंटरनेशनल शतक जमाने के बाद ये बातें कहीं थीं। इन 100 शतकों में 49 सचिन ने वनडे क्रिकेट में बनाए थे। जब वे रिटायर हुए थे तो सबने कहा था कि 100 शतकों का रिकॉर्ड तो नहीं ही टूटेगा, वनडे में भी कोई सचिन के करीब नहीं जा पाएगा।

अब सचिन का वनडे क्रिकेट में 49 शतकों का रिकॉर्ड बराबर होने की कगार पर है। विराट कोहली 48 शतकों पर खड़े हैं और किसी भी मुकाबले में क्रिकेट के भगवान की बराबरी कर सकते हैं। आज विराट का जन्म दिन है और भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में वर्ल्ड कप मुकाबला खेलना है। मुमकिन है आज ही रिकॉर्ड की बराबरी हो जाए।

विराट इस रिकॉर्ड को आज बनाएंगे या इसमें कुछ और मैच लगेंगे यह तो हम नहीं कह सकते, लेकिन इससे पहले विराट ने कुछ ऐसे कारनामे जरूर किए हैं जिनसे पार पाना आने वाले क्रिकेटरों के लिए करीब-करीब असंभव होगा। ऐसे ही 9 रिकॉर्ड के बारे में जान लेते हैं।

1. 'जीरो' बॉल पर विकेट

विराट कोहली बिना किसी लीगल डिलेवरी के विकेट लेने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर हैं। 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ करियर का पहला ओवर फेंकने आए विराट कोहली के ओवर की पहली बॉल अंपायर ने वाइट करार दी थी और इसी बॉल पर विकेटकीपर एमएस धोनी ने इंग्लिश बल्लेबाज केविन पीटरसन को स्टंप कर दिया। इस तरह विराट बिना किसी लीगल डिलेवरी के विकेट हासिल करने वाले क्रिकेटर बने।

2. बतौर कप्तान 7 टेस्ट डबल सेंचुरी लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी

विराट कोहली अपनी कप्तानी में सात डबल सेंचुरी जमाने वाले दुनिया के इकलौते बल्लेबाज हैं। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 2, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका के खिलाफ एक-एक डबल सेंचुरी जमाई है। करियर में सबसे ज्यादा डबल सेंचुरी जमाने का रिकॉर्ड सर डॉन ब्रैडमैन के नाम हैं। उन्होंने 12 डबल सेंचुरी बनाई थीं।

3. सबसे तेज 10 हजार वनडे रन

विराट कोहली सबसे तेज 10 हजार वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने यह कारनामा 205 पारियों में किया। कोहली ने रोहित शर्मा के 241 पारियों के रिकॉर्ड को तोड़ा था। इतना ही नहीं, विराट ने करियर के सबसे कम समय में यह रिकॉर्ड तोड़ा था। उन्होंने 10 साल 67 दिन में 10 हजार वनडे रन बना लिए थे।

विराट कोहली
मैच 514 | शतक 78 | रन 26,209

4. रन चेज में सबसे ज्यादा शतक

कोहली को चेज मास्टर कहा जाता है, क्योंकि उनमें रन चेज करने की कमाल की क्षमता है। कोहली ने रन चेज करते हुए 27 शतक जमाए हैं, जो एक रिकॉर्ड है।

5. सफल रन चेज में सबसे ज्यादा वनडे रन

विराट कोहली ने वनडे के सफल रन चेज में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। उनके नाम 5786 रन हैं, जोकि विराट के वनडे करियर के कुल 13525 रनों का 42.78 प्रतिशत है।

6. सबसे ज्यादा 40 टेस्ट जीतने वाले भारतीय कप्तान

विराट कोहली सबसे ज्यादा टेस्ट जीतने वाले भारतीय कप्तान हैं। उन्होंने भारत को 40 टेस्ट में जीत दिलाई है। कोहली ने 68 मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की है, इनमें से टीम इंडिया को 40 मुकाबलों में जीत मिली है, जबकि टीम ने 17 मुकाबले गंवाए हैं। विराट की कप्तान में 11 मैच ड्रॉ रहे हैं।

इतना ही नहीं, विराट SENA (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में 7 टेस्ट जीतने वाले एकमात्र एशियाई कप्तान है। वे ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में टेस्ट सीरीज में हराने वाले पहले एशियाई कप्तान भी हैं। वे ऑस्ट्रेलिया में 2 टेस्ट जिताने वाले एकमात्र एशियाई कप्तान भी हैं।

7. टी-20 वर्ल्ड कप के सक्सेसफुल रन चेज में 500+ का एवरेज

रन चेज में विराट कोहली का एवरेज कमाल का है। टी-20 वर्ल्ड कप में रन चेज करते समय विराट कोहली का औसत सबसे अच्छा है। वे 270.50 के औसत से बल्लेबाजी करते हैं। सक्सेसफुल रन चेज में विराट कोहली का औसत 518 से ज्यादा का हो जाता है।

8. एक टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे अच्छा औसत

किसी एक टी-20 वर्ल्ड कप (कम से कम 10 मैच खेले हों, उनमें बेस्ट) में विराट कोहली का औसत सबसे ज्यादा है। टी-20 वर्ल्ड कप में मैचों में विराट कोहली 81.50 के औसत से बल्लेबाजी करते हैं।

9. एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा 973 रन

विराट कोहली एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर हैं। उनके नाम एक सीजन में 973 रन दर्ज हैं। उन्होंने 2016 के सीजन में 81.08 के एवरेज से 4 शतक और 7 अर्धशतक के सहारे यह कारनामा 2016 के सीजन में किया था।

6 मैच हारकर इंग्लैंड टूर्नामेंट से बाहर

पाकिस्तान नंबर-5 पर पहुंचा; जम्पा के नाम 19 विकेट

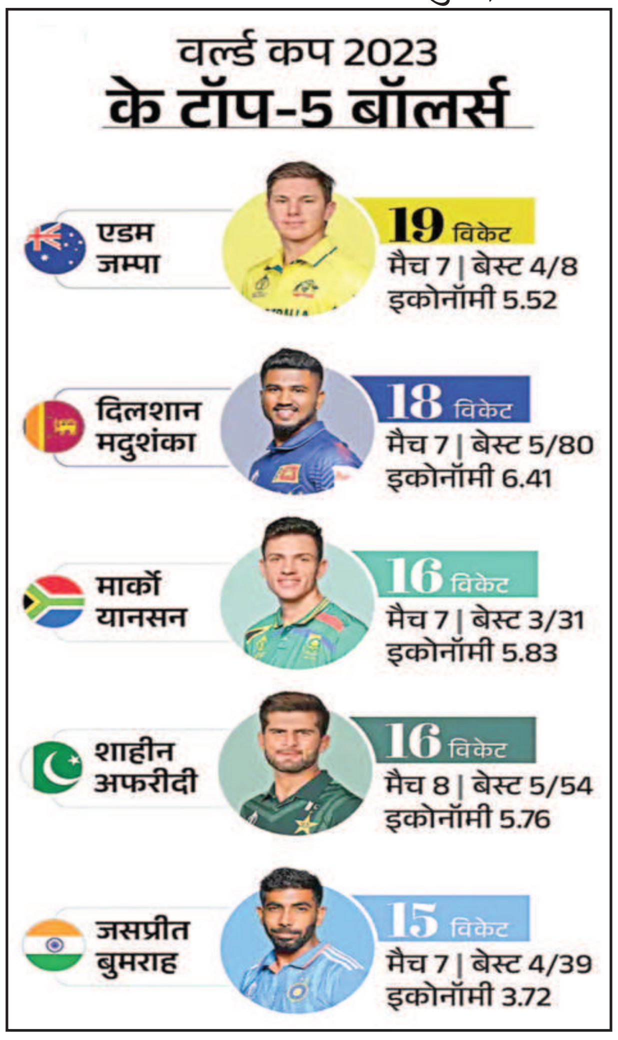

अहमदाबाद, 5 नवंबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड की टीम लगातार चौथा मुकाबला हार गई। वहीं पाकिस्तान को चौथी जीत मिली, जिसमें बारिश का भी बखूबी सपोर्ट मिला। बेंगलुरु में जीत के बाद पाकिस्तान के 4 जीत से 8 पॉइंट्स हो गए और टीम पॉइंट्स टेबल में 5वें नंबर पर पहुंच गई। जबकि इतने ही पॉइंट्स लेकर न्यूजीलैंड टीम चौथे नंबर पर है। दोनों के सेमीफाइनल में क्वालिफाई करने की उम्मीदें जिंदा हैं।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मुकाबला भी खेला गया। अहमदाबाद में हुए इस मैच को ऑस्ट्रेलिया ने जीता और इसी के साथ डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड टूर्नामेंट से बाहर हो गया। लीग स्टेज के 36 मैच हो चुके हैं। इन मैचों के बाद साउथ अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक 545 रन के साथ टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर हैं। वहीं 19 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा टॉप बॉलर हैं।

इस स्टोरी में हम ग्राफिक्स की मदद से वनडे वर्ल्ड कप 2023 के टॉप बैटर, बॉलर, फील्डर, सिक्सर किंग और बाउंड्री मास्टर को जानेंगे।

कोहली का 49वां वनडे शतक

तेंदुलकर के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की, बर्थडे पर वर्ल्ड कप सेंचुरी जमाने वाले पहले भारतीय

कोलकाता, 5 नवंबर (एजेंसियां)। विराट कोहली के 49वें शतक के दम पर भारत ने वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 327 रन का टारगेट दिया है। टीम ने कोलकाता में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 5 विकेट पर 326 रन बनाए। विराट कोहली ने 121 बॉल पर नाबाद 101 रनों की शतकीय पारी खेली। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के वनडे में सबसे ज्यादा शतक के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। कोहली बर्थडे पर वर्ल्ड कप सेंचुरी जमाने वाले भारत के पहले और दुनिया के तीसरे बल्लेबाज बने।

विराट सबसे तेज 49 शतक तक पहुंचने वाले बैटर

विराट कोहली सबसे तेज 49 वनडे शतक तक पहुंचने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 277वीं पारियों में यह अचीवमेंट हासिल की है। सचिन तेंदुलकर ने 451 पारियों में इतने शतक जमाए थे।

राज्यपाल ने कोलकाता में होने वाले विश्वकप मैच के टिकट लौटाए

कालाबाजारी के आरोपों के बाद लिया फैसला

कोलकाता, 5 नवंबर (एजेंसियां)। ईडन गार्डन्स मुकाबले के टिकट उन्हें बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन (सीएबी) द्वारा उपलब्ध कराए गए थे। अधिकारी ने बताया, राज्यपाल ने सीएबी को मानार्थ टिकट लौटा दिए हैं। उन्होंने राजभवन में एक जनता स्टेडियम खोलने का फैसला किया है। राजभवन के एक अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बहुप्रतीक्षित क्रिकेट विश्व कप मैच के चार मानार्थ टिकट कालाबाजारी के आरोपों के बाद लौटा दिए। ईडन गार्डन्स मुकाबले के टिकट उन्हें बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन (सीएबी) द्वारा उपलब्ध कराए गए थे। अधिकारी ने बताया, राज्यपाल ने सीएबी को मानार्थ टिकट लौटा दिए हैं। उन्होंने राजभवन में एक जनता स्टेडियम खोलने का फैसला किया है, जहां लोग विशाल स्क्रीन पर मैच देख सकेंगे।

सुल्तान जोहोर कप: भारत ने पाकिस्तान को हराकर जीता कांस्य

पेनाल्टी शूटआउट में 6-5 से हासिल की जीत

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 3-3 से बराबरी पर थी। भारत की ओर से अरुण साहनी (11वां मिनट), पूवान्ना (42वां मिनट) और कप्तान उत्तम सिंह (52वां मिनट) ने गोल किए थे। पाकिस्तान के लिए सूफियान खान (33वां मिनट), अब्दुल कयूम (50 वां मिनट) और कप्तान शाहिद हनान (57वां मिनट) ने गोल किए।

गोलकीपर एच एस मोहित ने पेनाल्टी शूटआउट में शानदार बचाव करते हुए भारतीय जूनियर हॉकी टीम को सुल्तान जोहोर कप में पाकिस्तान के खिलाफ कांस्य पदक के मुकाबले में 6-5 से जीत दिला दी। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 3-3 से बराबरी पर थी। भारत की ओर से अरुण साहनी (11वां मिनट), पूवान्ना (42वां मिनट) और कप्तान उत्तम सिंह (52वां मिनट) ने गोल किए थे।

पाकिस्तान के लिए सूफियान खान (33वां मिनट), अब्दुल कयूम (50 वां मिनट) और कप्तान शाहिद हनान (57वां मिनट) ने गोल किए। नतीजे के लिए शूटआउट का सहारा लिया गया। शूटआउट के बाद सडेन डेथ में भारतीय गोलकीपर ने बेहतरीन बचाव करते हुए हनान का शॉट रोककर भारत के खाते में जीत दर्ज कर दी। इससे पहले पाकिस्तान के लिए अरशद लियाकत, अब्दुल रहमान और एहतेशाम असलम ने गोल किए थे।

हार्दिक के वर्ल्ड कप से बाहर होने पर द्रविड़ बोले

पिछले 4 मैच उनके बिना खेले, छठे गेंदबाज के लिए सूर्या और विराट विकल्प

कोलकाता, 5 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के चीफ कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि हार्दिक पंड्या के वर्ल्ड कप से बाहर होने पर टीम को ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। हमारे पास छठे गेंदबाज के विकल्प के तौर पर सूर्यकुमार और विराट कोहली हैं। जो गेंदबाजी कर सकते हैं। भारत को रविवार को वर्ल्ड कप के लीग मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलना है। द्रविड ने मैच से एक दिन पहले पत्रकारों से बातचीत की।

हार्दिक को 19 अक्टूबर को पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में चोट लग गई थी। उनका टखना मुड़ गया था। जिसके बाद वह टीम इंडिया के साथ अन्य मैचों के लिए टीम के साथ ट्रेवलिंग नहीं किया। आईसीसी ने उनकी जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किए जाने की मंजूरी भी दी।

द्रविड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा हार्दिक छठे गेंदबाज का हमें विकल्प प्रदान करते हैं, लेकिन पिछले चार मैचों में हम उनके बिना खेल रहे हैं। इस चुनौती का बखूबी सामना किया है। द्रविड़ ने कहा कि विराट कोहली और सूर्यकुमार भी गेंदबाजी कर सकते हैं।

वहीं द्रविड़ ने हार्दिक की जगह प्रसिद्ध कृष्णा को चुने जाने के बारे में पूछे गए सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की घरेलू सीरीज में हार्दिक के बना खेले थे। उस सीरीज में हम तीन तेज गेंदबाजों और दो स्पिनरों के साथ खेले थे। हमारे पास स्पिन, बैटिंग और गेंदाबाजी ऑलराउंड के विकल्प मौजूद थे।हमें पता था कि किस खिलाड़ी का बैकअप क्या होगा। हमने इसे अजमाया है और इसी आधार पर कृष्णा का चयन किया गया है।

द्रविड़ ने गिल और अय्यर की बल्लेबाजी की तारीफ की

द्रविड़ ने शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर की तारीफ की। श्रीलंका के खिलाफ खेले गए पिछले मैच में शुभमन गिल ने 92 गेंदों में 92 रन और श्रेयस अय्यर ने 56 गेंदों पर 82 रन की पारी खेली थी। द्रविड़ ने ये भी कहा कि इसका श्रेय कप्तान रोहित शर्मा को भी जाता है। जिन्होंने इन पर भरोसा बनाए रखा। द्रविड़ ने कहा कि गिल फॉर्म में थे, लेकिन डेंगू के होने जाने के बाद उन्हें वापसी में थोड़ा टाइम लगा। अय्यर ठीक खेल रहे थे, पर बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पा रहे थे। श्रीलंका के खिलाफ मैच में उन्होंने अपना लय प्राप्त कर लिया।

शतरंज विश्वकप : वैशाली ने स्टेपानोवा को हराकर एकल बढ़त हासिल की, विदित ने ड्रॉ खेला

आइल ऑफ मैन, 5 नवंबर (एजेंसियां)। शतरंज विश्वकप के फाइनल में पहुंच कर दुनिया भर में अपनी पहचान बनाने वाले आर प्रज्ञानंद की बड़ी बहन आर वैशाली को यहां चैंपियन बनने के लिए दो और मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

भारत की आर वैशाली फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में यहां पूर्व विश्व चैंपियन बुल्गारिया की एंटोनेटा स्टेपानोवा की रक्षण को भेदने में सफलता हासिल करने के बाद तालिका में एकल बढ़त बनाने में कामयाब रही। अपने कॅरिअर का सबसे बड़ा टूर्नामेंट खेल रहीं वैशाली ने इस प्रक्रिया में अपना चौथा 'ग्रैंडमास्टर नार्म (मानदंड)' भी पूरा किया। उन्हें इस उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की तीसरी महिला बनने के लिए

केवल सात रेटिंग अंकों की आवश्यकता है।

शतरंज विश्वकप के फाइनल में पहुंच कर दुनिया भर में अपनी पहचान बनाने वाले आर प्रज्ञानंद की बड़ी बहन आर वैशाली को यहां चैंपियन बनने के लिए दो और मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उनके नाम सात अंक है और दो दौर के मुकाबले बचे है। इसमें चीन की झोंगी तान से उन्हें कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है। ओपन वर्ग में विदित गुजराती ने रूस के आंद्रे एसिपेंको से ड्रॉ खेला और 6.5 अंकों के साथ छह खिलाड़ियों के साथ तालिका में शीर्ष पर है।

अमेरिका के फैबियानो कारूआना और हिकारू नाकामुरा, रोमानिया के डीक बोगडान-डैनियल, ईरान के परहम माघसूदलू और एसिपेंको भी इस स्कोर के साथ शीर्ष पर है। अर्जुन एरिगैसी ने स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव के साथ एक और ड्रा खेला।

अन्य भारतीयों में निहाल सरीन जर्मनी के विंसेंट कीमर से हार के बाद खिताब की दौड़ से बाहर हो गए। प्रज्ञानंद ने कजाकिस्तान के रिनैट जुमाबायेव को हराकर दूसरी जीत दर्ज की जबकि पी हरिकृष्णा ने आर्मेनिया के एच. मेलकुमियान में मात दी।

राष्ट्रीय खेल : 14 की उम्र में जुड़वां बेटों को जन्म दिया, अब पहलवान बनकर पदक जीते

पणजी, 5 नवंबर (एजेंसियां)। गुजारे के लिए उन्होंने सड़कों पर टाइलें लगाईं, ब्यूटी पार्लर, दर्जी और दुकान पर क्लर्क का काम किया, लेकिन एक योग अध्यापक का उन्हें कुश्ती कोच जिले सिंह से मिलाना वरदान बन गया।

राष्ट्रीय खेलों में 57 भार वर्ग में कुश्ती का रजत पदक जीतने वाली नीतू सरकार की कहानी सुनकर कोई भी दांतों तले अंगुलिया दबा लेगा। पहले उन्हें 13 वर्ष की उम्र में एक अधेड़ व्यक्ति के पास भेज दिया गया। वहां से वह किसी तरह भागने में सफल रहीं तो थोड़े ही दिनों में उनकी शादी एक बेरोजगार के साथ कर दी गई। भिवानी में जन्मीं यह पहलवान 14 की उम्र में दो जुड़वां बेटों की मां बन गई। गुजारे के लिए उन्होंने सड़कों पर टाइलें लगाईं, ब्यूटी पार्लर, दर्जी और दुकान पर क्लर्क का काम किया, लेकिन एक योग अध्यापक का उन्हें कुश्ती कोच जिले सिंह से मिलाना वरदान बन गया। कोच ने मैरी कॉम की कहानी सुनाकर उन्हें पहलवान बनाया। उन्हीं नीतू

ने राष्ट्रीय खेलों में तीसरी बार पदक जीतने में सफलता हासिल की।

परिवार के उठने से पहले करती थीं अभ्यास

नीतू के अनुसार जब उनकी शादी हुई तो उनका घर उनकी सास की पेंशन पर चलता था। जुड़वां बेटों के जन्म के बाद जब उन्होंने पहलवान बनने की इच्छा अपने पति को बताई तो उन्होंने इसका समर्थन नहीं किया, लेकिन उन्होंने काफी जोर दिया तो वह मान गए। हालांकि उन्होंने शर्त रखी कि उन्हें घर के लोगों से जागने से पहले ही अपना अभ्यास पूरा करना होगा। इसके बाद वह सुबह साढ़े तीन बजे उठकर 10 किलोमीटर की दौड़ लगातीं और अभ्यास कर वापस घर के कामों में जुट जाती थीं। जल्द ही उन्हें राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पदक मिल गया। उन्होंने 2015 के राष्ट्रीय खेल में उन्होंने कांस्य और बीते वर्ष गुजरात राष्ट्रीय खेलों में 57 भार वर्ग में रजत जीता। वह जूनियर विश्व चैंपियनशिप में भी खेलीं।

अब कांस्टेबल हैं नीतू

महज सातवीं तक पढ़ीं नीतू बताती हैं कि उनकी शिक्षा के अनुसार कोई नौकरी नहीं मिल सकती थी। इसी वजह से उन्होंने खेलों को अपनाया। वह चाहती थीं जो उन्होंने झेला उनके बेटों को आगे नहीं सहना पड़े। नीतू अभी एसएसबी में कांस्टेबल हैं। उनका एक बेटा करनाल और एक रोहतक में है। एक बेटे को उन्होंने जेवलिन थ्रो में डाला है। उनकी निगाहें अब पेरिस ओलंपिक के ट्रायल पर हैं।

सिंगरेनी खदानों में 49 फीसदी हिस्सेदारी खोने के लिए कांग्रेस जिम्मेदार : सीएम केसीआर

सिंगरेनी के मुनाफा 419 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,184 करोड़ रुपये हो गया।

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने तीखी आलोचना करते हुए राज्य की सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी केंद्र सरकार के हाथों चले जाने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती आंध्र प्रदेश की कांग्रेस सरकारें अपनी अक्षमता के कारण केंद्र से प्राप्त ऋण नहीं चुका सकीं और एससीसीएल में शेयर दे दिए, जो तेलंगाना की विरासत का हिस्सा था। रविवार को कोत्तागुडेम में प्रजा आशीर्वाद सभा की सार्वजनिक बैठक में बोलते हुए, चंद्रशेखर राव ने याद दिलाया कि हैदराबाद के निज़ामों द्वारा स्थापित सिंगरेनी का 134 वर्षों का समृद्ध इतिहास था और इसकी कोयला खदानें तेलंगाना के लोगों के जीवन से जुड़ी हुई हैं।

सिंगारेनी पर पूरी तरह से तेलंगाना के लोगों का स्वामित्व था, जब तक कि अक्षम कांग्रेस सरकार ने केंद्र सरकार से धन उधार नहीं लिया और 30-40 वर्षों की अवधि में ऋण चुकाने में विफल रही। इसके परिणामस्वरूप केंद्र सरकार ने सिंगरेनी में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली, जिससे राज्य खदानों पर पूर्ण नियंत्रण से वंचित हो गया। हालाँकि, तेलंगाना राज्य के गठन और बीआरएस के सत्ता में आने के बाद, सिंगरेनी का भाग्य नाटकीय रूप से बदल गया। केंद्र से समर्थन की कमी के बावजूद, राज्य सरकार ने राज्य गठन के बाद सिंगरेनी श्रमिकों को तीन प्रतिशत की वृद्धि दी। कांग्रेस शासन के तहत, कंपनी का कारोबार मात्र 11,000 करोड़ रुपये था, लेकिन बीआरएस कार्यकाल के दौरान नौ वर्षों के भीतर यह 33,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

चंद्रशेखर राव ने कहा कि सिंगारेनी के मुनाफे में भी उल्लेखनीय परिवर्तन देखा गया, जो मात्र 419 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,184 करोड़ रुपये हो गया।

बढ़ा हुआ मुनाफा दशहरा उत्सव के दौरान सिंगरेनी श्रमिकों को बोनस के रूप में वितरित किया गया था, जो अब कांग्रेस शासन के दौरान केवल 60-70 करोड़ रुपये से बढ़कर 700 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले साढ़े नौ वर्षों में एससीसीएल में 19,463 नई नौकरियां पैदा करने के अलावा, बीआरएस सरकार ने आश्रितों को 15,256 नौकरियां प्रदान कीं। इसके अलावा, श्रमिक की मृत्यु की स्थिति में मुआवजा राशि 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई है। यदि आश्रित रोजगार मांगने से बचते हैं तो सरकार 25 लाख रुपये की अधिक राशि प्रदान करती है। बीआरएस अध्यक्ष ने कहा कि राज्य सरकार 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त आवास ऋण प्रदान करके सिंगरेनी कर्मचारियों की भलाई का भी समर्थन कर रही है। इसके अलावा, सरकार ने सिंगरेनी की भूमि पर रहने वाले लगभग 22,000 परिवारों को पट्टे भी जारी किए।

दिव्यांग कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी से छूट

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। तेलंगाना चुनाव आयोग ने शनिवार को राज्य में आगामी चुनावों में दिव्यांग कर्मचारियों को चुनाव कर्तव्यों से छूट देने के लिए कलेक्टरों को निर्देश जारी किए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने राज्य में कलेक्टरों और जिला निर्वाचन अधिकारियों को तदनुसार उपाय शुरू करने का निर्देश दिया।

टास्कफोर्स ने बेल्ट की दुकान पर छापा मारा, संदिग्ध को पकड़ा

हनमकोंडा, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। उचित प्राधिकरण के बिना आईएमएफ शराब की अवैध बिक्री के संबंध में विश्वसनीय जानकारी के जवाब में, टास्क फोर्स टीम ने रविवार को एक बेल्ट की दुकान पर छापा मारा और हनमकोंडा पुलिस स्टेशन सीमा के तहत कुमारपल्ली इलाके में रेड्डी कॉलोनी के गोपाल के बेटे हिल्ला मोना को पकड़ लिया।

टीम ने उसके कब्जे से कुल 73,970 रुपये कीमत की शराब जब्त की। एक प्रेस नोट में कहा गया है कि छापेमारी के समापन के बाद, जब्त की गई शराब और पकड़े गए संदिग्ध दोनों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए हनमाकोंडा पुलिस को सौंप दिया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव व्यय पंजीकरण की समीक्षा बैठक की

निर्मल, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में तीन विधानसभाएं हैं। जिला व्यय निरीक्षक केएम श्रेयस ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के नामांकन के समय से लेकर चुनाव प्रक्रिया के अंत तक उनके खर्च का विवरण निर्वाचन व्यय निगरानी टीमों द्वारा सटीक रूप से दर्ज किया जाना चाहिए।

जिला समाहरणालय के सभाकक्ष में व्यय निरीक्षक केएम श्रेयस, जिला निर्वाचन अधिकारी, कलेक्टर आशीष सांगवान, अतिरिक्त कलेक्टर किशोर कुमार सहित तीनों निर्वाचन क्षेत्रों के व्यय अधिकारियों ने नोडल अधिकारियों, एसएसटी, एफएसटी, वीडियो सर्वे लाइन्स, लेखा टीम के सदस्यों के साथ बैठक की। इस मौके पर व्यय निरीक्षकों की सराहना की गयी कि वे निर्वाचन क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अधिकारियों को सभी टीमों के बीच समन्वय बनाकर चुनाव कराने के निर्देश दिए गए। एसएसटी, वीएसटी, एसएससी अकाउंटिंग टीम के सदस्यों को अपनी जिम्मेदारी प्रभावी ढंग से निभाने का निर्देश दिया गया।

लेखा टीम के सदस्यों को छाया अवलोकन रजिस्टर में विवरण दर्ज करना चाहिए। रैलियां और बैठकें करने वाली पार्टी का प्रचार खर्च दरों के हिसाब से दर्ज किया जाना चाहिए। लीफलेट, पोस्टर और फ्लेक्सी प्रिंटिंग के अनुसार, प्रिंटर प्रकाशकों को चुनाव प्रतिनिधित्व अधिनियम 127ए के प्रावधानों का पालन करना होगा। जिला मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति चुनाव में विज्ञापनों को एमसीएमसी के माध्यम से प्रमाणित करेगी और चुनाव खर्च का पंजीकरण चुनाव आयोग द्वारा जारी दरों के अनुसार किया जाना चाहिए। एमसीएमसी समिति दैनिक समाचार पत्रों में पेड न्यूज पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सोशल मीडिया पर सम्मानजनक निगरानी रखना चाहती है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को लुभाने के लिए धन, शराब का वितरण, उड़न दस्ता और एसएसटी निरीक्षण सशस्त्र तरीके से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बैंक में नकद, जमा, निकासी और 10 लाख रुपये से अधिक के ऑनलाइन लेनदेन पर नजर रखी जानी चाहिए। जिला कलक्टर आशीष सांगवान ने बताया कि जिले के तीन विधानसभा क्षेत्रों के 19 मंडलों के लिए पीओ एवं एपीओ नियुक्त किए गए हैं तथा एसओपी शिकायत दल द्वारा जब्त किए गए धन, शराब एवं चुनाव आचार संहिता की पालना करवाई जा रही है। यह बताया गया है कि मतदाता जागरूकता पर स्वीप कार्यक्रम आयोजित करके एमसीसी नियमों और विनियमों का पालन सुनिश्चित करने के उपाय किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्थैतिक निगरानी टीमों पर 24 घंटे वीडियोग्राफी की व्यवस्था होनी चाहिए, स्थैतिक निगरानी चेक पोस्ट पर सीसी कैमरे 24 घंटे काम करने चाहिए और यदि कोई समस्या आती है तो उन्हें सूचित किया जाना चाहिए।

मेडीगड्डा कॉफ़र-बांध का काम आज से शुरू होगा

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। मेडीगड्डा बैराज पर कॉफ़र डैम के निर्माण के लिए मंच तैयार है। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के मुख्य अभियंता एन वेंकटेश्वरलु के अनुसार, मशीन और सामग्री साइट पर पहुंच गई है और काम सोमवार से शुरू होगा। मेडीगड्डा बैराज कार्य को क्रियान्वित करने वाली एलएंडटी भी पुनर्वास कार्य करने के लिए आगे आई है।

कॉफ़र बांध, एक अस्थायी संरचना जो संरचना के प्रभावित हिस्सों में पुनर्वास कार्य करने के लिए शुष्क कार्य क्षेत्र को बनाए रखने में मदद कर सकती है, पानी को मोड़ने के लिए ब्लॉक नंबर 7 में खंभों के डूबने के कारण प्रभावित हिस्सों को कवर करते हुए बनाया जाएगा। परियोजना में प्रवाह 24000 क्यूसेक से अधिक है और परियोजना को खाली करने के लिए अधिक मात्रा में पानी छोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे खंभों के डूबने में योगदान देने वाले कारकों का पता लगाने के लिए संरचना के भौतिक निरीक्षण की सुविधा मिल सके। कोफ़र डैम का प्राथमिक उद्देश्य निर्माण क्षेत्र से पानी को मोड़ना है। यह आवश्यकता पड़ने पर पंपिंग की सुविधा के लिए बांध में वांछित जल स्तर बनाए रखने में भी मदद करेगा। सिंचाई विभाग के अधिकारियों को उम्मीद है कि कॉफरडैम का काम इस महीने के अंत से पहले ही पूरा हो जाएगा। एक बार कॉफ़र डैम तैयार हो जाने के बाद, रबी के लिए सिंचाई कार्यक्रम में किसी भी व्यवधान के बिना कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के पूरे अयाकट में फसलों के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए पानी पंपिंग फिर से शुरू की जा सकती थी।

अधिकारियों ने कहा कि खंभों से जुड़ी समस्याओं के बावजूद, परियोजना से पानी उठाने में कोई बाधा नहीं आएगी। हालाँकि, इस समय अधिक पानी की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि मिड मनेयर सहित सभी अपस्ट्रीम परियोजनाओं में पर्याप्त जल स्तर बनाए रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि खरीफ की फसल प्रगति पर है और एक बार यसंगी के लिए तैयारी गतिविधि शुरू हो जाएगी, तो सिंचाई की आवश्यकता महसूस होगी।

महिला आरक्षण विधेयक पर लड़ने के लिए कानूनी विकल्प की तलाश : कविता

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। भारत जागृति की संस्थापक और एमएलसी के. कविता ने बताया कि उनका संगठन महिला आरक्षण अधिनियम के तत्काल कार्यान्वयन के लिए दबाव डालने के लिए विभिन्न कानूनी विकल्प तलाश रहा है।

इस आशय से, भारत जागृति सुप्रीम कोर्ट में चल रही याचिका में पक्षकार बनाने के प्रयास में कानूनी विशेषज्ञों के साथ चर्चा कर रही है। रविवार को यहां जारी एक बयान में, एमएलसी ने कहा कि महिला आरक्षण मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के संदर्भ में, वे भारत जागृति की ओर से कानूनी रूप से आगे बढ़ने के लिए बातचीत कर रहे थे और कानूनी विशेषज्ञों की सलाह पर वे ऐसा करेंगे। सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिका में फंसाया गया। उन्होंने बताया कि कई राजनीतिक दल और संगठन महिला आरक्षण अधिनियम के तत्काल कार्यान्वयन के लिए रैली कर रहे थे। उनमें से कई ने पहले ही अपनी चिंताओं को उठाने और मामले की तात्कालिकता पर जोर देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस अवसर पर कविता ने मांग की कि केंद्र सरकार को सकारात्मक प्रतिक्रिया देनी चाहिए और 2024 के आम चुनावों से आरक्षण लागू करने के लिए कदम उठाना चाहिए।

मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी के एस्कॉर्ट प्रभारी ने की आत्महत्या

बेटी के सामने बंदूक से खुद को मार ली गोली

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार में शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी के काफिले के प्रभारी (एस्कॉर्ट इंचार्ज) द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। घटना रविवार सुबह में हैदराबाद के जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन इलाके की है। हैदराबाद के वेस्ट जोन के डीसीपी डी. जोयल डेविस ने बताया कि पीड़ित की पहचान मोहम्मद फजल अली (60 वर्षीय) के रूप में हुई है। सशस्त्र रिजर्व रचाकोंडा में कार्यरत एएसआई मोहम्मद फाजिल मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी का एस्कॉर्ट प्रभारी था। घटना सुबह करीब 7 बजे की है। आशंका है कि आत्महत्या का कारण वित्तीय या फिर पारिवारिक मसला हो सकता है। डीसीपी वेस्ट जोएल डेविस ने कहा कि फ़ाज़िल ने अपने पास मौजूद बंदूक से खुद को गोली मार ली। उसके सिर में गोली लगने से घाव हो गया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। मंत्री सबिता रेड्डी ने भी घटनास्थल का दौरा किया। परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि फाजिल कुछ वित्तीय समस्याओं का सामना कर रहा था और हो सकता है कि वह अवसाद में आ गया हो और अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली हो। मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में ये कहा जा रहा है कि मोहम्मद फजल अली ने अपनी बेटी के सामने बंदूक से गोली मारकर आत्महत्या की। उन्होंने बेटी से बात करने के लिए उसे टिफिन सेंटर मिलने बुलाया था, वहीं खुद को गोली मार ली।

पुरंदेश्वरी ने सीजेआई को पत्र लिखा, विजयसाई रेड्डी मामलों की जांच की मांग

विजयवाड़ा, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और आंध्र प्रदेश राज्य भाजपा अध्यक्ष डी. पुरंदेश्वरी ने भारत के मुख्य न्यायाधीश से वाईएसआर द्वारा सत्ता के दुरुपयोग और जमानत शर्तों के उल्लंघन के कारण सीबीआई/ईडी मामलों को टालने और न्यायपालिका में न्याय देने में देरी की जांच करने का आग्रह किया है। वाईएस कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सदस्य वी. विजय साई रेड्डी जो 10 साल से अधिक समय से जमानत पर हैं। सीजेआई को संबोधित एक पत्र में, उन्होंने कहा कि बीजेपी एपी के राज्य अध्यक्ष के रूप में, उन्हें आंध्र प्रदेश में डर में जी रहे लोगों के बड़े वर्ग से कई मौखिक अभ्यावेदन मिले थे कि सत्ता में बैठे लोग 10 से अधिक समय से जमानत पर हैं। वर्षों तक, न्याय के कटघरे में लाए बिना आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी और उनके राज्यसभा सांसद विजय साई रेड्डी जैसे उच्च पदों का आनंद उठाया।

एआईएमआईएम विधायक व उसके बेटे के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। शनिवार रात कथित तौर पर बिना अनुमति के रैली निकालने के आरोप में एआईएमआईएम विधायक मोहम्मद मुमताज अहमद खान, उनके बेटे डॉ. इम्तियाज और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। मामला मुगलपुरा थाने में दर्ज किया गया है। शनिवार की रात पुलिस ने इम्तियाज को 2021 में दर्ज एक जबरन वसूली और धमकी के मामले में उठाया था। बाद में पुलिस द्वारा उसे 41 सीआरपीसी नोटिस जारी करने के बाद उसे रिहा कर दिया गया था। पुराने पुलिस आयुक्त कार्यालय से घर लौटते समय विधायक और उनके बेटे एक रैली में गए। पुलिस ने उल्लंघन दर्ज किया और उनके खिलाफ स्वत: संज्ञान मामला दर्ज किया। पुलिस जांच कर रही है।

चुनाव : मुलुगु व भूपालपल्ली में सुरक्षा उपाय तेज

मुलुगु/भूपालपल्ली, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। भले ही पिछले पांच वर्षों में तेलंगाना में प्रतिबंधित सीपीआई माओवादियों की गतिविधियां लगभग समाप्त हो गई हों, पुलिस विभाग लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है, खासकर छत्तीसगढ़ के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए महाराष्ट्र की सीमाओं पर भी सुरक्षा बढा दी गई है। इन संघर्ष क्षेत्रों के किनारे पर स्थित जयशंकर भूपालपल्ली और मुलुगु जिले, पड़ोसी जंगली क्षेत्रों के माध्यम से किसी भी संभावित माओवादी घुसपैठ को रोकने के उद्देश्य से पुलिस रणनीतियों के केंद्र में रहे हैं।

मुलुगु एसपी गौश आलम ने स्थानीय पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के साथ हाल ही में एसएस तडवई मंडल में माओवादी प्रभावित इलाकों का दौरा किया। यात्रा के दौरान, उन्होंने स्थानीय आदिवासी समुदायों के साथ बातचीत की और उन्हें चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने वालों के लिए व्यापक सुरक्षा उपायों का आश्वासन दिया।

मुलुगु और भद्राचलम विधानसभा क्षेत्रों वाले इस जिले में कुल 307 मतदान केंद्रों में से 118 वामपंथी उग्रवादी (एलडब्ल्यूई) प्रभावित मतदान केंद्रों की पहचान की गई है। एसपी ने कहा कि जिले के भीतर, हमने 96 स्थानों को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों और 29 स्थानों को 'गंभीर' क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है।

जंगली इलाकों में ग्रेहाउंड्स और विशेष पुलिस दलों द्वारा किए गए नियमित क्षेत्र प्रभुत्व और तलाशी अभियानों के अलावा, पुलिस अधिकारी किसी भी माओवादी घुसपैठ को रोकने के लिए गोदावरी जलग्रहण क्षेत्र के साथ संभावित प्रवेश बिंदुओं को सुरक्षित करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपने जिले की सुरक्षा के लिए, हमने दो अंतर-राज्यीय और पांच अंतर-जिला चेकपोस्ट स्थापित किए हैं। इस बीच, भूपालपल्ली पुलिस ने जिले में निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए उपाय शुरू किए हैं, जिसमें भूपालपल्ली और मंथनी विधानसभा क्षेत्र के कई हिस्से शामिल हैं।

चुनाव अधिकारियों ने सीएम केसीआर के काफिले की जांच की

कोत्तागुडेम, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। चुनाव अधिकारियों ने पुलिस के साथ रविवार को यहां मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के काफिले की जांच की। मुख्यमंत्री बीआरएस उम्मीदवारों की जीत के लिए प्रजा आशीर्वाद सभा को संबोधित करने के लिए दोपहर में यहां पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री के कारवां तेलंगाना प्रगति रथम का निरीक्षण किया गया, जिसका उपयोग उन्होंने हेलीपैड से सार्वजनिक बैठक स्थल तक जाने के लिए किया था। चुनाव आयोग के अधिकारियों और पुलिस ने वाहन के डिब्बों और सामान का निरीक्षण किया। चुनाव आचार संहिता का विधिवत पालन करते हुए चन्द्रशेखर राव ने चेकिंग करने में अधिकारियों का पूरा सहयोग किया। अधिकारियों ने निरीक्षण में सहयोग के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। निरीक्षण की पूरी प्रक्रिया की चुनाव अधिकारियों द्वारा वीडियोग्राफी की गई।

एससीआर ने मुनुमाका-सतुलुर के बीच विद्युतीकरण के साथ दोहरी लाइन शुरू की

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने गुंटूर-गुंटकल दोहरीकरण और रेल सेवा के हिस्से के रूप में 16.6 किलोमीटर की दूरी के लिए मुनुमका-सतुलुर के बीच डबल लाइन शुरू की है। विद्युतीकरण परियोजना. यह खंड अधिकतर आंध्र प्रदेश के पालनाडु जिले में पड़ता है। इस खंड के दोहरीकरण के पूरा होने के साथ, अब गुंटूर-जग्गम्बोतला कृष्णापुरम के बीच 176 किलोमीटर तक विद्युतीकरण के साथ-साथ निरंतर दोहरी लाइन की सुविधा मिलेगी। गुंटूर-गुंटकल खंड आंध्र प्रदेश राज्य के गुंटूर शहर को रायलसीमा क्षेत्र और दक्षिण से परे जोड़ने वाला महत्वपूर्ण रेल लिंक है। यह लाइन गुंटूर, प्रकाशम, पालनाडु, नंद्याल और कुरनूल जिलों से होकर भीतरी इलाकों को जोड़ती है।

निर्बाध परिवहन प्रदान करने और इस खंड पर भीड़ को कम करने के लिए, गुंटूर-गुंटकल दोहरीकरण और वर्ष 2016-17 में 3887 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ 401 किलोमीटर की दूरी के लिए विद्युतीकरण परियोजना को मंजूरी दी गई थी। अब तक, दोहरीकरण, नल्लापाडु - सतुलुर (32 किलोमीटर), मुनुमका - जग्गम्बोतला कृष्णपुरम (122 किलोमीटर), बेतमचेरला - मलकापुरम (23 किलोमीटर) और धोने - गुंतकल (68 किलोमीटर) के बीच विद्युतीकरण पहले ही पूरा हो चुका है। इसके साथ ही इस परियोजना का कुल 245 किलोमीटर का हिस्सा पूरा और चालू हो गया। अब, मुनुमका-सतुलुर के बीच 16 किलोमीटर का और काम पूरा होने के साथ, गुंटूर-गुंतकल खंड के विभिन्न खंडों पर विद्युतीकरण के साथ कुल 261 किलोमीटर का दोहरीकरण कार्य पूरा हो गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि मुनुमका-सतुलूर के बीच इस खंड के दोहरीकरण के पूरा होने के साथ, गुंटूर-जग्गम्बोटला कृष्णापुरम और धोने से गुंतकल तक का निरंतर खंड अब दोहरी लाइन के साथ विद्युतीकृत हो गया है। परियोजना के शेष खंडों पर कार्य तेजी से प्रगति पर है। इन खंडों में दोहरीकरण और विद्युतीकरण पूरा होने से न केवल खंड में भीड़भाड़ कम होगी बल्कि ट्रेनों की औसत गति बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। इससे न केवल इस सेक्शन में नई ट्रेनें शुरू करने में मदद मिलेगी, बल्कि देश के पूर्वी हिस्सों की ओर जाने वाली ट्रेनों के संचालन में भी मदद मिलेगी। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने परियोजना को पूरा करने में शामिल निर्माण संगठन और गुंटूर डिवीजन के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की। मैंने कहा है कि ज़ोन निरंतर निगरानी के साथ पूरे ज़ोन में दोहरीकरण और तिगुनी परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है और गुंतकल-गुंटूर परियोजना का बड़ा हिस्सा अब पूरा हो चुका है।

आंध्र में दलित युवक पर 6 लोगों ने पेशाब किया, पीटा

पानी मांगा तो बदसलूकी की, आरोपियों में पीड़ित का एक दोस्त

अमरावती, 5 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के एनटीआर जिले में एक दलित युवक पर पेशाब करने का मामला सामने आया है। युवक को छह लोग जबरन कार में बिठाकर ले गए। फिर चलती गाड़ी में उसके साथ मारपीट की। जब युवक ने पीने के लिए पानी मांगा तो आरोपियों ने उस पर पेशाब कर दी।

आरोपियों में एक युवक पीड़ित का दोस्त है। सभी ने दलित युवक को चार घंटे तक बंधक बनाकर रखा। आरोपियों ने उसका जबड़ा भी तोड़ दिया। डॉक्टरों ने बताया कि युवक का ऑपरेशन किया जाएगा। पीड़ित की पहचान श्याम कुमार के रूप में की गई है। वह कांचिकाचेरला गांव का रहने वाला है।

विजयवाड़ा सिटी पुलिस कमिश्नर कांथी राणा टाटा ने बताया कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें हरीश रेड्डी पीड़ित का पुराना दोस्त है। हरीश ने ही श्याम को शिवसाई क्षेत्र में बुलाया था। उसके साथ पांच और लोग थे। सभी ने श्याम को जबरन एक कार में धकेल दिया और अपने साथ गुंटूर ले गए। इस बीच कार के अंदर श्याम के साथ बुरी तरह मारपीट की गई।

तेलुगु देशम पार्टी ने घटना के विरोध में प्रदर्शन किया

तेलुगु देशम पार्टी के अनुसूचित जाति सेल ने घटना के विरोध में सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। टीडीपी एससी सेल के अध्यक्ष ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा, सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी के शासन में दलितों पर हमले बढ़े हैं। राज्य में दलितों पर लगातार हमले हो रहे हैं। श्याम कुमार नाम के एक युवा लड़के पर सत्ताधारी पार्टी के अनुयायियों द्वारा हमला किया गया और उन्हें थाने से जमानत दे दी गई और दलित लड़के पर बेरहमी से हमला करने के बाद भी वे बाहर घूमते रहे। एमएमएस राजू ने आगे कहा कि डॉक्टरों ने सलाह दी है कि श्याम के जबड़े का ऑपरेशन करना चाहिए और इसके लिए तीन दिन चाहिए। आगे उन्होंने दलितों पर हमले की निंदा करते हुए कहा कि इस घटना में जो भी लोग शामिल है, उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

विजयवाड़ा शहर के पुलिस आयुक्त, के. राणा टाटा ने भी पूरी घटना के बारे में मीडिया कर्मियों से बात की और कहा कि श्याम कुमार नाम के दलित युवक, जो कांचिकाचेरला गांव का निवासी है, पर हरीश रेड्डी नाम के उसके पुराने दोस्त ने पांच अन्य लोगों के साथ मिलकर हमला किया था।

हरीश रेड्डी ने श्याम कुमार को शिवसाई क्षेत्र इलाके में बुलाया और पांच अन्य लोगों की मदद से उसे जबरन एक कार में धकेल दिया और गुंटूर ले गए; इस बीच, कार के अंदर उन पर बुरी तरह हमला किया गया। पुलिस ने कहा कि आरोपी को फास्ट-ट्रैक कोर्ट में पेश किया जाएगा और रिमांड पर लिया जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.